सुविचार

प्रत्येक व्यक्ति सब बातों में निपुण नहीं हो सकता प्रत्येक व्यक्ति की विशिष्ट उत्कृष्टता होती है।

यूरोपिटीज

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

Published from Ranchi

ऋचा चड्ढा ने फुकरे को बताया खास

Ranchi ● Sunday, 18 June 2023 ● Year : 01 ● Issue : 152 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

सेंसेक्स	:	63,384.58
निफ्टी	:	18,826.00

SARAFA

सोना	:	5,645
चांदी	:	78.08

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

राष्ट्रपति मुर्मू ने वायु सेना अकादमी में संयुक्त स्नातक परेड की सलामी ली

HYDERABAD : भारतीय सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज सुबह यहां सैन्य वैभव के साथ डंडीगल में वायु सेना अकादमी में 211वें कोर्स की संयुक्त स्नातक परेड की सलामी ली। समारोह में भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक बल के अधिकारियों और मित्र देशों के कैडेटों को 'विंग्स' और 'ब्रेवेट्स' दिए जाएंगे। परेड के आखिर में वायु सेना की सारंग और सूर्य किरण टीम आसमान में करतब दिखाएगी। परेड के दौरान प्रशिक्षण के सफल समापन को चिह्नित करते हुए फ्लाइट कैडेटों के कंधों पर रैंक का अनावरण किया जाएगा। यह राष्ट्रपति आयोग के पुरस्कार का प्रतिनिधित्व करता है।

मुख्यमंत्री ने महिला तीरंदाज दीप्ति कुमारी को दो लाख की आर्थिक सहायता दी

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शनिवार को झारखंड की प्रतिभावान तीरंदाज और जूनियर नेशनल आर्चरी चैंपियनशिप-2020 की ओवरऑल चैंपियन दीप्ति कुमारी ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने दीप्ति कुमारी को आर्थिक सहायता के रूप में दो लाख रुपये का चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है लेकिन आर्थिक तंगी से कई खिलाड़ी आगे नहीं आ पाते हैं। ऐसे में सरकार प्रतिभावान खिलाड़ियों को हर संभव मदद और सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि वे अपने प्रदर्शन से झारखंड और देश का नाम दुनिया में रोशन कर सकें। इस सिलसिले में झारखंड खेल नीति बनाई गई है, जिसके जरिए खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

सीएम से मिलीं मिसेज इंडिया अपराजिता सिन्हा

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शनिवार को मिसेज इंडिया वर्ल्ड वाइड की विजेता डॉ अपराजिता सिन्हा ने माता-पिता के संग औपचारिक मुलाकात की। डॉ अपराजिता ने इस प्रतिष्ठित सौंदर्य प्रतियोगिता के अनुभवों को मुख्यमंत्री के साथ साझा किया। मुख्यमंत्री ने मिसेज इंडिया वर्ल्ड वाइड का खिताब हासिल करने के लिए उन्हें बधाई दी और सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने डॉ अपराजिता से कहा कि इस प्रतिष्ठित सौंदर्य प्रतियोगिता का खिताब जीतकर आपने पूरी दुनिया में झारखंड और देश का नाम रोशन किया है।

अभिनेत्री अमीषा पटेल का SURRENDER, मिली बेल

चेक बाउंस, धोखाधड़ी और धमकी देने के मामले में रांची कोर्ट से जारी था वारंट

CRIME REPORTER RANCHI : बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल ने रांची के सिविल कोर्ट में शनिवार को सरेंडर की। अमीषा पटेल रांची जज डीएन शुक्ला की कोर्ट में सरेंडर की। फिलहाल, 10 हजार रुपये के मुचलके पर जमानत की सुविधा मिल गयी है। इस मामले पर 21 जून को फिर से पेश होना है। अगर वह 21 जून को अदालत में पेश नहीं होती है तो बेल बॉंड खारिज कर दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि अमीषा पटेल दो लोगों के साथ रांची पहुंची हुई थी। वह देसी मैजिक चेक बाउंस मामले की आरोपी हैं। बता दें कि सात अप्रैल 2023 को रांची के सिविल कोर्ट ने बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल और उनके बिजनेस पार्टनर क्रुनाल के खिलाफ धोखाधड़ी और चेक बाउंस मामले में वारंट जारी किया था। शिकायतकर्ता अजय कुमार सिंह झारखंड के फिल्म निमार्ता हैं। उन्होंने अमीषा पटेल और उनकी पार्टनर के खिलाफ धोखाधड़ी, धमकी और चेक बाउंस का मामला दर्ज कराया था।

रांची सिविल कोर्ट में पेशी के लिए जाती अमीषा पटेल ● फोटोन न्यूज

क्या है पूरा मामला

यह मामला साल 2018 का है। झारखंड रांची के रहने वाले फिल्म निमार्ता अजय कुमार सिंह ने अमीषा पटेल के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमीषा पटेल और उनके बिजनेस पार्टनर कुणाल ने उनके साथ धोखाधड़ी की थी। अजय कुमार सिंह ने अमीषा पटेल के खिलाफ चेक बाउंस, धोखाधड़ी और धमकी देने का आरोप लगाया है। इसी मामले में अमीषा पटेल को उपस्थिति के लिए समन जारी हुआ था। लेकिन कई बार समन के बावजूद वह अदालत में खुद या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित नहीं हो रही थीं। रांची के अरगोड़ा के रहने वाले अजय कुमार सिंह ने यह केस 17 नवंबर 2018 को रांची सीजेएम कोर्ट में दायर किया था। जिसमें आरोप लगाया है कि म्यूजिक मेकिंग के नाम पर अमीषा पटेल ने उनसे ढाई करोड़ रुपये लिए थे। पैसे लेने के बाद भी उन्होंने म्यूजिक मेकिंग की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया।

नक्सली रवींद्र गंझू के ड्राइवर जुबैर अंसारी के घर NIA ने की RAID

दस्तावेज बरामद, परिजनों से पूछताछ

CRIME REPORTER PLAMU : एनआईए की टीम ने पलामू के पिपरा थाना क्षेत्र के लोहरसी में शनिवार को टॉप नक्सली रवींद्र गंझू के ड्राइवर जुबैर अंसारी के घर पर छापेमारी की है। छापेमारी में जुबैर अंसारी एनआईए के हाथ नहीं लगा। उसके घर से की तलाशी में कोई आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद नहीं हुई। छापेमारी में एनआईए के हाथ जरुरी कागजात जरूर हाथ लगे। इसमें पासबुक भी शामिल है। एनआईए की टीम इन सामानों को अपने साथ ले गई। मालूम हो एनआईए की टीम ने जुबैर के स्वजनों से पूछताछ की। इसमें टीम को बताया गया कि काफी लंबे समय से जुबैर घर नहीं आया है। एनआईए की टीम इन दिनों पलामू पर खास नजर रखी हुई है। आपको बता दें कि पिछले सात जून को बिहार एनआईए की टीम ने पलामू जिले के टॉप माओवादी अभिजीत यादव व प्रसाद यादव के घर पर रेड डाली थी। अब शनिवार को माओवादियों पर शिकंजा कसते हुए एनआईए की टीम ने जिले के टॉप नक्सली रवींद्र गंझू के ड्राइवर की तलाश में रेड डाली है।

बैंक खाते के जरिए जुबैर तक पहुंची टीम

एनआईए की टीम लम्बे समय से पलामू में चल रही नक्सली घटना और नक्सलियों के बैंक अकाउंट पर नजर रखी हुई थी। लगातार ऐसे बैंक खातों की जांच की जा रही थी, जिसका लेनदेन संदेह के घेरे में था। इसी तरह जांच के दौरान जुबैर का बैंक खाता एनआईए की रडार में आई और वहीं से सूत्रों को जोड़ते हुए शनिवार को एनआईए की टीम रेड करने जुबैर के घर पहुंच गयी। बताया जाता है कि जुबैर अंसारी पेशे से ड्राइवर है और वो संगठन में भी यही काम करता था। नक्सलियों को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने में जुबैर अहम भूमिका निभाता था। धीरे-धीरे कमांडर रवींद्र गंझू के साथ उसकी अच्छी पैठ हो गयी और वो संगठन के लिए ड्राइवर के अलावा अन्य काम भी करने लगा। इन दिनों जुबैर नक्सलियों के लिए ओपन स्टैंड में रह कर पैसों का लेनदेन करता था।

राज्यसभा चुनाव 2016 केस की CBI जांच नहीं

पूर्व मंत्री योगेंद्र साव की याचिका को हाईकोर्ट ने किया खारिज

- तत्कालीन एडीजी अनुराग गुप्ता व तत्कालीन सीएम के प्रेस सलाहकार अजय कुमार के खिलाफ जांच की लगाई थी गुहार
- कोर्ट ने कहा- सरकार से अपेक्षा की जाती है कि मामले का अनुसंधान जल्द हो पूरा

PHOTON NEWS RANCHI : राज्यसभा चुनाव 2016 में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में वोट देने के लिए बड़कागांव के तत्कालीन विधायक निर्मला देवी को लालच देने के मामले में आरोपी सीआईडी के तत्कालीन एडीजी अनुराग गुप्ता एवं एवं तत्कालीन सीएम रघुवर दास के प्रेस सलाहकार अजय कुमार के खिलाफ सीबीआई जांच का आग्रह करने वाली पूर्व मंत्री योगेंद्र साव की याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति एसके द्विवेदी की कोर्ट ने योगेंद्र साव द्वारा मामले की सीबीआई जांच कराने की आग्रह को खारिज कर दिया। कोर्ट ने राज्य सरकार से अपेक्षा की है कि इस मामले का अनुसंधान जल्द से जल्द पूरा हो एवं आवश्यक कार्रवाई की जाए। दरअसल, राज्यसभा चुनाव 2016 को प्रभावित करने मामले में जगन्नाथपुर थाना में सीआईडी के तत्कालीन एडीजी अनुराग गुप्ता एवं तत्कालीन सीएम के प्रेस सलाहकार अजय कुमार एवं अन्य के खिलाफ कांड संख्या 154/2018 दर्ज की गई थी। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग की ओर से अधिवक्ता एके सिंह ने कोर्ट को बताया कि चुनाव आयोग के हस्तक्षेप के बाद मामले में से जगन्नाथपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। लेकिन अनुराग गुप्ता के खिलाफ कोई विभागीय कार्रवाई हुई है या नहीं , इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। उनकी ओर से कोर्ट को बताया गया कि अनुराग गुप्ता के खिलाफ पीसी एक्ट अब तक नहीं लगाया गया है। अनुराग गुप्ता एवं अन्य पर तत्कालीन राज्यसभा प्रत्याशी मुख्तार अब्बास नकवी एवं महेश पोद्दार के पक्ष में मतदान के लिए प्रलोभन देने का आरोप है।

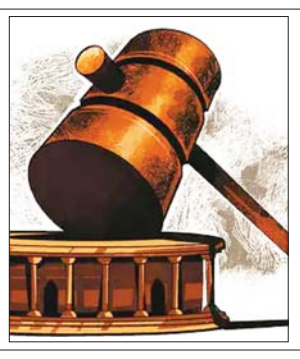

भारत निर्वाचन आयोग ने एफआईआर का दिया था आदेश

प्रथम दृष्टया जांच के बाद भारत निर्वाचन आयोग ने एफआईआर कराने का आदेश दिया था। गृह विभाग के अवर सचिव अवधेश ठाकुर के बयान पर सरकार ने तब जगन्नाथपुर थाना में मामला दर्ज करवाया था। इस मामले में अनुराग गुप्ता के निलंबन के बाद राज्य सरकार ने विभागीय कार्रवाई शुरू की थी जिसके संचालन का जिम्मा डीजीपी एमवी राव को दिया गया था। हालांकि बाद में अनुराग गुप्ता को विभागीय जांच में क्लीन चिट दे दी गई थी। अनुराग गुप्ता के खिलाफ राज्यसभा चुनाव 2016 में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में वोट देने के लिए बड़कागांव की तत्कालीन विधायक निर्मला देवी को लालच देने और उनके पति पूर्व मंत्री योगेंद्र साव को धमकाने का आरोप है।

क्या है मामला

2016 में राज्यसभा चुनाव के बाद बाबूलाल मरांडी ने एक ऑडियो टेप जारी किया था। इस कथित टेप में एडीजी अनुराग गुप्ता, तत्कालीन विधायक निर्मला देवी, उनके पति योगेंद्र साव के बीच बातचीत की बात सामने आई थी। मामला सामने आने के बाद पूरे मामले की शिकायत चुनाव आयोग से की गई थी।

नाबालिग के परिवार को धमकाया गया, साक्षी का आरोप

NEW DELHI : भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर एक बार फिर बड़ा आरोप लगा है। यह आरोप उनके खिलाफ प्रदर्शन कर रही महिला पहलवान साक्षी मलिक ने लगाया है। साक्षी ने बृजभूषण पर नाबालिग महिला पहलवान के परिवार को डराने-धमकाने का आरोप लगाया है। साक्षी ने कहा कि डराकर नाबालिग का बयान बदलवाया गया है, जिससे बृजभूषण के ऊपर पोक्सो एक्ट नहीं लगे और वह बच जाए। साक्षी मलिक ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने नाबालिग के परिवार वालों को बृजभूषण शरण सिंह द्वारा धमकाने का आरोप लगाया है। साक्षी ने इस वीडियो में कहा कि हमारे इतने दिनों तक चुप रहने का पहला कारण था कि हम एक साथ नहीं हो पाये। दूसरा कारण यह था कि नाबालिग के परिवार को बार-बार डराया-धमकाया गया और उसने बार-बार अपने बयान बदले। साथी ने कहा कि कुश्ती में आने वाले खिलाड़ी काफी गरीब परिवार से आते हैं। वे काफी डरे हुए होते हैं और महासंघ के बड़े पद पर बैठा कोई पदाधिकारी उन्हें डराये तो वह निश्चित रूप से डर जायेंगे।

भाजपा नेताओं के घरों में आग लगाने की कोशिश

मणिपुर में सुरक्षाबलों और भीड़ में संघर्ष

AGENCY IMPHAL : मणिपुर के इंफाल शहर में बीती रात भीड़ और सुरक्षा बलों के बीच संघर्ष में दो नागरिक घायल हो गए। इस दौरान भाजपा नेताओं के घरों को आग लगाने का प्रयास किया गया। इसकी जानकारी अधिकारियों ने शनिवार को यहां दी। अलग-अलग घटनाओं में मणिपुर के बिष्णुपुर जिले के क्वाकटा और चुराचंदपुर जिले के कंगवई में भी बीती रात स्वचालित हथियारों से गोलीबारी की सूचनाएं मिल रही हैं। इंफाल वेस्ट के इरिंगबाम थाने से भी हथियार लूटने की कोशिश की गई। हालांकि, कोई हथियार उपद्रवी नहीं ले जा पाए। इस बीच दंगाइयों को एकत्र होने से रोकने के लिए सेना, असम राइफल्स और मणिपुर रैपिड एक्शन फोर्स ने राज्य की राजधानी में आधी रात तक संयुक्त मार्च किया। बीती रात लगभग 1,000 लोगों की भीड़ महल परिसर के पास की इमारतों को जलाने की कोशिश करने के लिए एक साथ आई थी। आरएएफ ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और रबड़ की गोलियां चलाईं। इसके अलावा उपद्रवियों की भीड़ ने विधायक बिश्वजीत के घर में आग लगाने की कोशिश की।

'आदिपुरुष' को बैन करने को याचिका

दिल्ली HC से कई सीन और डायलॉग को हटाने की गुहार

AGENCY NEW DELHI : प्रभास और कृति सेनन स्टारर फिल्म आदिपुरुष अब डायलॉग्स को लेकर विवाद में है। फिल्म को बैन करने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। इसे हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने लगाया है। इसमें फिल्म के कई सीन, डायलॉग्स और किरदारों को हटाने की मांग की गई है। विष्णु गुप्ता ने याचिका में कहा, 'फिल्म में हमारे आराध्य देवताओं का गलत तरीके से चित्रण किया गया है, जो कि आपत्तिजनक है। इसलिए ऐसी फिल्म की स्क्रीनिंग पर रोक लगनी चाहिए।' फिल्म 16 जून को रिलीज हुई है। फिल्म के डायलॉग्स को लेकर फिल्म के राइटर और डायरेक्टर ट्रोल हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर फिल्म का बायकॉट ट्रेंड हो रहा है। लोगों का कहना है कि फिल्म में रामायण को मॉडर्न तरीके से दिखाया गया है, जो इस पौराणिक कथा की मयार्दा को तार-तार कर रहा है। हिंदू सेना की याचिका में कहा गया कि जिस तरीके से फिल्म आदिपुरुष में भगवान राम, माता सीता और हनुमान जी का चित्रण किया गया है, वो महर्षि वाल्मीकि की रामायण और तुलसीदास की रामचरितमानस के ठीक विपरीत है। ओम राउत के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म से हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंची है। फिल्म में जिस तरह से तथ्यों के साथ छेड़छाड़ की गई है, उसे देखकर हमारा मन चिंतित और व्यथित है।

हैदराबाद के कॉलेज में बुर्का को लेकर विवाद

HYDERABAD : हैदराबाद के एक कॉलेज में बुर्का पहनी हुई छात्राओं को एग्जामिनेशन हॉल में एंट्री नहीं दी गई। छात्राओं ने बताया कि वे केवी रंगा रेड्?डी डिग्री कॉलेज में उर्दू मीडियम का एग्जाम देने गई थीं, लेकिन बुर्का पहनने की वजह से उन्हें अंदर नहीं जाने दिया गया। छात्राओं का आरोप है कि कॉलेज स्टाफ ने उन्हें कहा कि दूसरे कॉलेज में बुर्का पहनने की इजाजत हो सकती है, पर इस कॉलेज में नहीं है। छात्राओं ने कहा कि उन्हें एग्जाम देने के लिए आधे घंटे तक इंतजार करना पड़ा। बुर्का हटाने के बाद ही उन्हें एंट्री मिली।

बोकारो में तोड़ी प्रतिमा, भड़के लोग

लुगू पहाड़ के किनारे स्थापित मंदिर का मामला

CRIME REPORTER BOKARO : जिला में असामाजिक तत्वों की काली करतूत सामने आई है, उन्होंने मंदिर पर हमला किया है। यहां भगवान की प्रतिमा तोड़ने पर लोगों में आक्रोश व्याप्त है। इसको लेकर उन्होंने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। ये पूरा मामला गोमिया ललपनिया मुख्य मार्ग स्थित हनुमान मंदिर का है। गोमिया ललपनिया मुख्य मार्ग के लुगू पहाड़ के किनारे स्थापित हनुमान मंदिर की प्रतिमा खंडित कर गायब कर दिया गया है। जैसे ही इस घटना की जानकारी पुलिस को मिली बेरमो अनुमंडल के गोमिया, ललपनिया, तेनुघाट, महुआटांड़, जागेश्वर, रहावन और चतरोचट्टी के थाना प्रभारी सहित गोमिया अंचल के इंस्पेक्टर महेश कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल शुरू कर दी। इंस्पेक्टर ने बताया कि जिला से डॉग स्क्वायड टीम को बुलाया गया है, साथ ही आसपास के सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला जाएगा, हर हाल में इसका खुलासा किया जाएगा। वहीं गोमिया के बीडीओ कपिल कुमार और सीओ संदीप अनुराग टोपनो भी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। बोकारो में मंदिर पर हमले को लेकर ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के लिए असामाजिक तत्वों के द्वारा इस घटना को अंजाम दिया गया है। आसपास के ग्रामीण और मंदिर के पुजारी ने घटना में शामिल शरारती तत्वों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की। भगवान की मूर्ति गायब किये जाने के बाद ग्रामीण काफी आक्रोशित हैं। गोमिया थाना प्रभारी को एक पत्र देकर इस घटना में शामिल लोगों को गिरफ्तार करने की मांग की है।

1960 में स्थापित अस्पताल में 2171 बेड के साथ हर दिन होता हजारों का इलाज

पड़ोसी राज्यों के लोगों का भी RIMS पर बढ़ा भरोसा

PHOTON NEWS RANCHI : रांची मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की स्थापना वर्ष 1960 में हुई थी। वर्ष 1963 में राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद के निधन के बाद इसका नाम बदलकर राजेंद्र मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (आरएमसीएच) कर दिया गया। करीब 214 एकड़ से भी ज्यादा भूमि में फैले इस अस्पताल के लिए 1958 में बिल्डिंग बनाने का काम प्रारंभ हुआ था। तत्कालीन दीवान कर्नल पितांबर नाथ ने जमीन की तलाश की थी। पिछले 63 सालों में रिम्स ने करीब 12 हजार से भी ज्यादा डॉक्टर देश को दिए हैं। रिम्स में 4 बेड से शुरू हुआ कार्डियोलॉजी डिपार्टमेंट अब 80 बेड तक पहुंच चुका है और यहां हार्ट की सर्जरी वर्ल्ड क्लास ऑपरेशन थिएटर में किया जा रहा है। यहां 200 से भी ज्यादा हार्ट के मरीजों की एंजियोप्लास्टी और एंजियोग्राफी हो रही है। वहीं रिम्स के सभी विभागों को मिलाकर कुल बेड की संख्या 2171 है। ट्रॉमा सेंटर में कुल 53 बेड हैं, जहां मरीजों का इलाज किया जा रहा है। यहां रेड, येलो और ग्रीन जोन बनाकर मरीज की गंभीरता के अनुसार इलाज किया जाता है। बिल्डिंग के तीसरे तल्ले पर तीन आईसीयू हैं, जिसे ए, बी और सी के हिसाब से बांटा गया है। वहीं ओपीडी में विभिन्न विभागों के डॉक्टर सुबह 9 बजे से 1 बजे और शाम 3 बजे से 5 बजे तक अपनी सेवा देते हैं।

रिम्स में इन विभागों का हो रहा है संचालन

एनाटोमी, फिजियोलॉजी, पैथोलॉजी, बायोकेमेस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, फामोकोलॉजी, फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी, प्रीवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन, ईएनटी, टीबी एंड चेस्ट, मेडिसिन, सर्जरी, ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनीकोलॉजी, पीडियाट्रिक, एनेस्थीसियोलॉजी, रेडियोलॉजी ऑथोर्पेडिक्स, फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन, स्किन एसटीडी एंड लेप्रोसी, साइकेट्रिक, डेंटिस्ट्री, न्यूरोसर्जरी, पीडियाट्रिक सर्जरी, कार्डियोलॉजी, यूरोलॉजी, रेडिएशन ऑकोलॉजी, लैबोरेट्री मेडिसिन, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन एंड ब्लड बैंक, सेंट्रल इमरजेंसी, आई, कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी, क्रिटिकल केयर ट्रॉमा एंड इमरजेंसी मेडिसिन, सर्जिकल आंकोलॉजी, नियोनेटोलॉजी, डमेटोलॉजी, न्यूरोलॉजी, प्लास्टिक सर्जरी, क्रिटिकल केयर, नेफ्रोलॉजी, सुपर स्पेशलिटी एनेस्थीसिया, ट्रॉमा एनेस्थीसिया, ट्रॉमा क्रिटिकल केयर, कार्डियक एनेस्थीसिया, इंटेंसिव केयर, रेडियोलॉजी ट्रॉमा, मेडिसिन ट्रॉमा, सर्जरी ट्रॉमा, ऑथोर्पेडिक, ट्रॉमा।

22 जून को सीएम पंचायत सचिवों को सौपेंगे नियुक्ति पत्र

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 22 जून को नवनियुक्त पंचायत सचिवों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। मोहराबादी मैदान में इसकी तैयारी की जा रही है। लगभग 1632 पंचायत सचिवों के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण किया जायेगा। पंचायती राज विभाग के सचिव राजीव अरूण एक्का ने नियुक्ति पत्र वितरण समारोह के लिए सभी जिलों के उपायुक्तों को पत्र लिखा है। सचिव ने कहा कि वे सुनिश्चित करायें कि 22 जून को सारे पंचायत सचिव समारोह स्थल में उपस्थित हों। इससे पूर्व सारी कागजी प्रक्रिया भी पूर्ण करने को कहा है। बता दें कि, 2017 में ही राज्य कर्मचारी चयन आयोग से

युगांडा में आतंकी हमला 40 लोगों की गई जान

AGENCY KAMPALA : युगांडा के एक स्कूल में आईएसआईएस से जुड़े संगठन एडीएफ के आंतकियों ने हमला कर दिया। एजेंसी के मुताबिक, इसमें 40 लोगों की मौत हो गई, वहीं कई लोग घायल हुए हैं। मरने वालों में ज्यादातर स्टूडेंट्स हैं। हमले के बाद आतंकियों ने स्कूल में आग लगा दी। इसमें डॉरमेट्री जल गई वहीं आतंकियों ने फूड स्टोर को लूट लिया। युगांडा में पिछले 25 साल में किसी स्कूल पर हुआ ये सबसे बड़ा हमला है। ये अटैक युगांडा के एलाइड डेमोक्रैटिक फोर्सेस (एडीएफ) ने म्पोंडवे के लुबिरिरा सेकेंडरी स्कूल में किया। इसके अलावा आतंकियों ने 6 लोगों को किडनैप भी किया है। घटना शुक्रवार रात 11 बजे की है। एजेंसी के मुताबिक, स्कूल युगांडा और कॉन्गो बॉर्डर पर स्थित है। हमला करने के बाद आतंकी कॉन्गो भाग गए। पुलिस ने बताया कि गंभीर रूप से घायल 8 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमले में 20-25 आतंकी शामिल थे। आशंका है कि सभी आतंकी कॉन्गो के विरुंगा नेशनल पार्क में छिपे हो सकते हैं। एडीएफ ने इससे पहले अप्रैल में भी एक गांव पर हमला किया था, जिसमें 20 लोगों की मौत हो गई थी। इसके अलावा मार्च में भी युगांडा के मुकोंदी गांव में एडीएफ के आतंकियों ने हमला किया था।

सेवानिवृत्त IPS राजीव रंजन सिंह समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल

मिलन समारोह में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद दीपक प्रकाश ने सबका पार्टी में किया स्वागत

PHOTON NEWS RANCHI:

सेवानिवृत आईपीएस राजीव रंजन सिंह समर्थकों के साथ शनिवार को भाजपा में शामिल हो गए। प्रदेश कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद दीपक प्रकाश ने सबका पार्टी में स्वागत किया।

दीपक ने कहा कि सभी देश, दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी के सदस्य बने हैं। गंगा की तरह पवित्र इस पार्टी में आने के बाद सबों को पवित्र काम करने का मौका मिला है। गरीब, आदिवासियों और जरूरतमंदों की सेवा कर सब भारत माता की सेवा करेंगे। भाजपा के लिए राजनीति जन सेवा का माध्यम है। ऐसे में सब मिलकर इसमें लगें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समग्र विकास के जो नौ साल पूरे किए

प्रदेश कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद दीपक प्रकाश व अन्य • फोटोन न्यूज

हैं, उस मुहिम को और तेज करना है। अगले वर्ष होने वाले आम चुनाव में इस राज्य की सभी 14 लोकसभा सीटें जीतनी हैं। साथ ही अगले वर्ष होने वाले झारखंड विधानसभा के चुनाव में भी राज्य से हेमंत सोरेन सरकार को विदा करना है। इसके लिए सब जुट जाएं। मौके पर राजीव रंजन ने कहा कि पिछले वर्ष 30 सालों तक पुलिस विभाग में सेवा देने के बाद वे रिटायर हुए।पर फिर दूसरी इनिंग शुरू करने का भी विचार तय कर रखा था। खुद को समाज सेवा के लिए हर लिहाज से तैयार करने का विचार किया। पाया कि भाजपा ही सबसे बेहतर पार्टी हो सकती है। वे इसी मिट्टी के लाल रहे हैं। उन्हें गर्व है कि भाजपा से जुड़कर वे इस राज्य की खुशहाली, समृद्धि के लिए काम करेंगे। बचा हुआ जीवन राज्य की उन्नति, सेवा के लिए लगाएंगे। मोदी का सपना सबका साथ, सबके विकास का है। इसे साकार करने में वे योगदान देंगे। पार्टी नेतृत्व जैसा दायित्व देगा, उसका निर्वाह करेंगे।

मौके पर पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्क्ष डॉ दिनेशानंद गोस्वामी ने मौके पर कहा कि अलग-अलग समाज, पेशे के लोग पीएम मोदी पर भरोसा कर पार्टी ज्वाइन कर रहे। कई रिटायर पदाधिकारी और अन्य भी हेमंत सोरेन सरकार से नाराज होकर भाजपा में आ रहे हैं। पार्टी में शामिल हुए नये कार्यकर्ता अगली बार होने वाले लोकसभा चुनाव में 14 में से 14 सीटों को जीतने में लगें। दो-तिहाई बहुमत से इस राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव में विश्वास हासिल करने में जुटें। इस मौके पर प्रदेश महामंत्री और कार्यालय प्रभारी प्रदीप वर्मा, प्रदेश मंत्री सुबोध सिंह गुड्डू और अन्य भी उपस्थित थे।

अरगोड़ा थानेदार के खिलाफ

बाबूलाल मरांडी ने मानवाधिकार आयोग से की शिकायत, कहा- पीड़ित को मिले न्याय

PHOTON NEWS RANCHI:

पूर्व सीएम और भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने अरगोड़ा थाना और इसके कर्मियों के खिलाफ राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली के पास शिकायत की है। शनिवार को उन्होंने आयोग के अध्यक्ष को चिट्ठी लिखकर बताया कि 15 जून को अरगोड़ा थाना में विनोद कुमार सिन्हा नामक एक व्यक्ति की थाने के अंदर बर्बरतापूर्वक पिटाई की गई। पीड़ित न तो कोई अपराधी है और न ही आपराधिक रिकॉर्ड का व्यक्ति है। वह एक आम आदमी है जो थाने में न्याय की आस लेकर गुहार लगाने गया था। कहा जाता है कि कोई भी पुलिस थाना ह्नअपराधिक न्याय प्रणालीह्व की पहली सीढ़ी है। यह वही जगह है जहाँ से न्याय के बीज का जन्म होता है पर अत्यंत अफसोस की बात है कि एक थाने में एक इंसान द्वारा महज कुछ सवाल पूछे जाने पर उसे बुरी तरह से पीट-पीट कर लहुलुहान कर दिया जाता है। खून से लथपथ पीड़ित के चेहरे पर जो खून के धब्बे हैं, वो यह बयान कर रहे हैं कि किस तरह से झारखंड में ह्नविधि शासनह्व की खुलेआम धज्जियाँ उड़ायी जा रही हैं।

एक तरफ मोदीजी के नेतृत्व में पूरा देश जहाँ आजादी के अमृतकाल का महोत्सव मना रहा है, वहीं दूसरी तरफ कुछ पुलिस अधिकारी जनता का दमन करने में ब्रिटिश राज को भी पीछे छोड़ रहे हैं। बाबूलाल ने विनोद कुमार की पिटाई के मामले में आयोग से निवेदन करते कहा है कि झारखंड सरकार को तत्काल एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया जाए ताकि पीड़ित व्यक्ति को न्याय दिलाने की प्रक्रिया शुरू हो सके। अरगोड़ा, राँची थाना प्रभारी संजय कुमार सहित अन्य दोषी पुलिसकर्मियों को तत्काल सेवा से बर्खास्त किया जाये। सरकार द्वारा पूरे मामले को रफा-दफा करने की कोशिश की गई है, लिहाजा झारखंड सरकार को इस मामले में पार्टी बनाया जाये। आवेदन के साथ बाबूलाल ने पीड़ित विनोद कुमार का खून से लथपथ वीडियो और बयान, पीड़ित का एनएचआरसी के नाम लिखित शिकायत पत्र, केस से संबंधित समाचार पत्र की कॉपी और पीड़ित का मेडिकल रिपोर्ट भी संलग्न किया है।

हेमंत सरकार ने 6272 युवाओं को स्वरोजगार को दिये 105 करोड़ ऋण

- मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना में सरलीकरण का मिला लाभ
- वर्ष 2023-24 में दो लाख युवाओं को इस योजना का लाभ देने का लक्ष्य

PHOTON NEWS RANCHI:

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा रोजगार सृजन योजना में किया गया सरलीकरण स्वरोजगार करने वाले अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग के युवकों के लिए उपयोगी साबित हो रहा है। इसके लाभुक स्वरोजगार अपना कर खुद मालिक बनने के साथ अन्य लोगों को भी रोजगार देने में सहायक बन रहे हैं।

विभाग की ओर से जारी विज्ञप्ति में मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत विगत दो वित्तीय वर्ष 2021-22 एवं 2022-23 में राज्य भर के 6272 युवाओं को स्वरोजगार के लिए राज्य सरकार ने 104.97 करोड़ रुपये का ऋण प्रदान किया है। वहीं वित्तीय वर्ष 2023-24 में करीब दो लाख युवाओं को इस योजना से लाभान्वित करने का लक्ष्य तय किया गया है। सबसे अधिक लाभुक पूर्वी सिंहभूम के इस योजना के तहत सबसे अधिक लाभुक पूर्वी सिंहभूम के हैं। यहां के 940 युवाओं को योजना का लाभ मिला और उनके बीच स्वरोजगार के लिए 6.26 करोड़ की राशि दी हुई।

दुमका के 657 युवाओं को योजना का लाभ मिला। स्वरोजगार के लिए इन्हें 11.66 करोड़ रुपये ऋण दिया गया। वहीं हजारीबाग में 567 युवाओं के बीच 7.31 करोड़ की राशि बतौर ऋण दी गयी।

सहायक अध्यापकों का सीएम आवास घेराव

सीएमओ से वार्ता के बाद शांत हुआ आंदोलन

PHOTON NEWS RANCHI:

एकीकृत सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत शनिवार को राज्य के हजारों सहायक अध्यापक राजधानी की सड़कों पर दिखे। मोरहाबादी मैदान में महाजुटान के बाद ये शिक्षक जैसे ही सीएम आवास का घेराव करने के लिए रवाना हुए पुलिस के द्वारा उन्हें जबरन रोक दिया गया। वेतनमान की मांग को लेकर मुख्यमंत्री आवास घेरने पहुंचे राजकीय सहायक अध्यापकों ने सरकार पर उदासीन रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए आंदोलन तेज करने की घोषणा की है। मोरहाबादी स्थित गुरुजी शिबू सोरेन आवास के निकट पुलिस के द्वारा लगायी गई बैरिकेडिंग के समीप इस चिलचिलाती धूप में खड़े इन सहायक शिक्षकों का

बैरिकेडिंग के समीप खड़े सहायक शिक्षक • फोटोन न्यूज

हौसला कम होता नहीं दिखा। अपनी मांगों के समर्थन में सड़क पर उतरे इन सहायक शिक्षकों ने इस दौरान सरकार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की। ये वही सहायक अध्यापक हैं जो कभी राज्य में पारा शिक्षक हुआ करते थे। सरकार ने जब नियमावली बनाकर इन्हें पारा शिक्षक से सहायक अध्यापक का नामांकरण कर 60 वर्षों का सेवाकाल निर्धारित किया था। उस समय ये शिक्षक भी उत्साहित थे और सरकार भी खुब वाहवाही लूट रही थी। मगर कुछ दिनों के बाद ही ये सहायक शिक्षक मानदेय के वजाय पुरानी मांग वेतनमान को लेकर आंदोलन करने लगे तो सरकार के लिए मुसीबत बन गई है।

सीएमओ से सहायक अध्यापकों की वार्ता : इस आंदोलन के दौरान सहायक शिक्षकों को मुख्यमंत्री कार्यालय से वार्ता के लिए बुलावा आया। जिसके बाद एकीकृत सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष संजय दूबे के नेतृत्व में शिक्षकों का 11 सदस्यीय शिष्टमंडल सीएम के ओएसडी से मिलकर अपनी बात रखी। आंदोलनरत सहायक अध्यापकों ने वेतनमान के अलावा ईपीएफ, अनुकंपा का लाभ, आकलन परीक्षा का आयोजन जल्द से जल्द कर सहायक अध्यापकों को वेतन वृद्धि देने, अप्रशिक्षित को प्रशिक्षित करने के लिए एक मौका और देने, जेटेट सहायक अध्यापकों की तरह सीटेट को भी मान्यता सहायक आचार्य नियुक्ति नियमावली में देकर इसे संशोधित करने की मांग रखी गई है।

बता दें कि राज्य भर में 62 हजार 896 सहायक अध्यापक हैं, जो की पूर्व में पारा शिक्षक कहलाते थे।

धनबाद- बोकारो जिले से मानिकचंद महतो एवं सुस्ती महतो ने नेशनल पीपुल्स पार्टी का दामन थामा'

Ranchi : दक्षिणी छोटानागपुर से कोयलांचल तक राजनीतिक समीकरण की मजबूत पहल रही है। झारखंड के सामाजिक संगठन, गैर-सरकारी संगठन के नेतागन शामिल हो रहे हैं। बोकारो जिले के चास प्रखंड के मानिकचांद महतो ने कहा झारखंड की राजनीति बहुत तेजी से बदल रहा है। तमाम राजनीतिक दल अपने समीकरण बनाने में लगे हुए हैं। विकल्प के रूप में नए राजनीतिक दल आम जनता तलाश रही है। एक मजबूत पहल के साथ पार्टी कोयलांचल में भी अपना मजबूती से काम करेगा देखा जा रहा है। कोयलांचल कूड़मी समुदाय आबादी बहुल क्षेत्र है। ऐसे में कहीं ना कहीं 2024 चुनाव में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगी। बोकारो,धनबाद, गिरिडीह, रामगढ़, हजारीबाग क्षेत्र में जल्द ही नेशनल पीपुल्स पार्टी के जिला अध्यक्ष की नियुक्ति किया जाएगा। मौके पर नेशनल पीपुल्स पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सुमन बड़ा, प्रदेश महासचिव अमर महतो, प्रदेश सदस्य अबूजर मुख्य रूप से मौजूद रहे।

वेल्लोर से झारखंड लौटने के दौरान ट्रेन में विधायक स्टीफन मरांडी की तबियत बिगड़ी

PHOTON NEWS PAKUR:

पाकुड़ जिले के महेशपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रोफेसर स्टीफन मरांडी को शुक्रवार को आपात स्थिति में ओडिशा के संबलपुर स्थित बुर्ला हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है. विधायक स्टीफन मरांडी की तबीयत फिलहाल ठीक बताई जा रही है. इस दौरान अस्पताल में उनकी बेटी उपासना मरांडी भी साथ है. उन्हें बेहतर इलाज के लिए चेन्नई अपोलो ले जाने पर विचार किया जा रहा है. मिली जानकारी के अनुसार विधायक स्टीफन मरांडी अपनी

अस्पताल में हुए भर्ती

स्वास्थ्य जांच कराने को लेकर सीएमसी वेल्लोर गए हुए थे. वह सीएमसी वेल्लोर में स्वास्थ्य जांच कराकर 15 जून को ट्रेन से वापस झारखंड लौट रहे थे. इस दौरान वातानुकूलित डब्बे में ठंड लगने के कारण 16 जून को उन्हें सांस लेने में परेशानी होने लगी. अचानक स्वास्थ्य बिगड़ने से उन्हें आपात स्थिति में ओडिशा के बालांगीर स्टेशन में उतारा गया. उन्हें एम्बुलेंस के माध्यम से बालांगीर के भीम भोई मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया. अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने उनका त्वरित इलाज शुरू किया. लेकिन उनका ऑक्सीजन लेवल लगातार गिरने के कारण उन्हें संभालपुर के बुर्ला अस्पताल में भर्ती कराया गया. फिलहाल उनकी तबियत ठीक बताई जा रही है.

विधायक स्टीफन मरांडी के पीए मुकेश मंडल ने बताया कि विधायक श्री मरांडी वेल्लोर सीएमसी से स्वास्थ्य जांच कराकर वापस ट्रेन से झारखंड लौट रहे थे. ट्रेन के एसी बोगी में ठंड लगने के कारण उन्हें सांस लेने में परेशानी होने लगी. जिसके बाद उन्हें ट्रेन से उतार कर अस्पताल में भर्ती कराया गया. फिलहाल उनकी तबियत ठीक है. उन्हें बेहतर जांच कराने के लिए चेन्नई अपोलो ले जाने को लेकर विचार किया जा रहा है.

कांग्रेस ज्वाइन करने के बजाय कुएं में कूद जाऊंगा: नितिन गडकरी

सुनाया किस्सा, कहा- मुझे भाजपा की विचारधारा पर पूरा भरोसा

AGENCY MUMBAI :

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी शनिवार को महाराष्ट्र के भंडारा में थे। वे केंद्र सरकार के 9 साल पूरे होने पर एक रैली को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान गडकरी ने एक पुराना किस्सा सुनाया। गडकरी ने दिवंगत कांग्रेस नेता श्रीकांत जिचकर की सलाह को याद करते हुए कहा- एक बार उन्होंने मुझसे कहा था कि आप अच्छे पार्टी कार्यकर्ता और नेता हैं। अगर आप

कांग्रेस में शामिल होते हैं, तो आपका भविष्य उज्जवल होगा। मैंने उनसे कहा- मैं कांग्रेस में शामिल होने के बजाय कुएं में कूद जाऊंगा। मुझे भाजपा और उसकी विचारधारा पर पूरा भरोसा है। मैं अपनी पार्टी के लिए आजीवन काम करता रहूंगा।

हमारी सरकार ने कांग्रेस के मुकाबले दोगुना काम किया : गडकरी ने दावा किया कि देश में भाजपा सरकार ने पिछले 9 सालों में कांग्रेस के 60 सालों के शासन की तुलना में दोगुना काम किया है। उन्होंने अपने करियर के शुरूआती दिनों को याद करते हुए कहा कि आरएसएस के छात्र संघ एबीवीपी ने शुरूआती दिनों में मेरी मदद की। संगठन ने मेरे जीवन में कई वैल्यू और सिद्धांत जोड़े।

कांग्रेस ने 60 सालों में व्यक्तिगत लाभ के अलावा कुछ नहीं किया : गडकरी ने कहा कि कांग्रेस ने अपने 60 सालों के शासन में गरीबी हटाओ का नारा दिया, लेकिन व्यक्तिगत लाभ के अवाला कुछ नहीं किया। उन्होंने भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने के लिए पीएम मोदी के अप्रोच की सराहना की।

राहुल गांधी के 53वें जन्मदिवस पर 53 किलोमीटर लंबी भारत जोड़ो यात्रा का होगा आयोजन

आज उलिहातु से प्रदेश युवा कांग्रेस के भारत जोड़ो यात्रा की होगी शुरूआत

PHOTON NEWS RANCHI:

कांग्रेस के पूर्व सांसद राहुल गांधी के 53वें जन्मदिवस के अवसर पर झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस 53 किलोमीटर लंबी भारत जोड़ो यात्रा का आयोजन कर रहा है।

प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष अभिजीत राज के नेतृत्व में यात्रा 18 जून को सुबह 10:30 बजे खूंटी के उलीहातू स्थित भगवान बिरसा मुंडा के जन्मस्थली पर श्रद्धांजलि देने और उनके परिवार के सदस्यों को सम्मानित करके प्रारंभ किया जाएगा और 19 जून को दोपहर 12:00 बजे रांची स्थित बापू वाटिका में गांधीजी को पुष्पांजलि दे समापन होगा। यात्रा का शुभारंभ भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष

पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अभिजीत राज व अन्य • फोटोन न्यूज

श्रीनिवास वीबी के द्वारा किया जाएगा। यात्रा को लेकर आज पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अभिजीत राज ने कहा किझारखंड शुरू से ही क्रांति की धरती रही है।

जब जब देश को नये विचारों, नये संघर्षों की जरूरत पड़ी है, झारखंड का युवा सामने आया है। उन्होंने कहा कि देश पर भ्रष्ट लोगों का राज है, जिससे हमारे देश की मूलभूत पहचान, हमारा संविधान और हमारी एकता-अखंडता खतरे में हैं। आज स्थिति ऐसी है कि कोर्ट, मीडिया, प्रशासन हर किसी का दुरुपयोग किया जा रहा है ताकि देश के आम जनता की आवाज दबाई जा सके।

भगवान बिरसा मुंडा के परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया जायेगा : झारखंड युवा कांग्रेस भगवान बिरसा और राहुल गांधी के क्रांति और एक जुटता का संदेश देश के हर कोने में पहुंचाने के लिये भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली खूंटी से राँची तक 2-दिवसीय यात्रा की शुरूआत जून 18 को उलिहातु में भगवान बिरसा को श्रद्धांजलि देने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के द्वारा उनके परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चक्रवात प्रभावित क्षेत्रों का किया हवाई निरीक्षण

नुकसान संबंधी जानकारी ली, अस्पताल भी गए

AGENCY AHMEDABAD :

गुजरात के समुद्र तटीय क्षेत्र कच्छ समेत 9 जिलों में बिपरजॉय समुद्री चक्रवात से हुए नुकसान का आकलन करने शनिवार को केन्द्रीय मंत्री अमित शाह कच्छ जिला के भुज पहुंचे। इन्होंने मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के साथ प्रभावित क्षेत्र का हवाई निरीक्षण किया। केन्द्रीय मंत्री ने अधिकारियों से नुकसान के संबंध में जानकारी मांगी। शाम 4 बजे कलक्टर के साथ रिव्यू मीटिंग करेंगे। इसके बाद शाम 5 बजे मीडिया से भी मिलेंगे।

केन्द्रीय मंत्री अमित शाह शनिवार को 12 बजे भुज पहुंचने के बाद वहां से जखौ कोस्ट गार्ड के हेलिपैड पहुंचे। यहां से उन्होंने कच्छ जिले के प्रभावित क्षेत्रों का हवाई निरीक्षण किया। इस दौरान शाह के साथ मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल भी साथ रहे। सरकार की

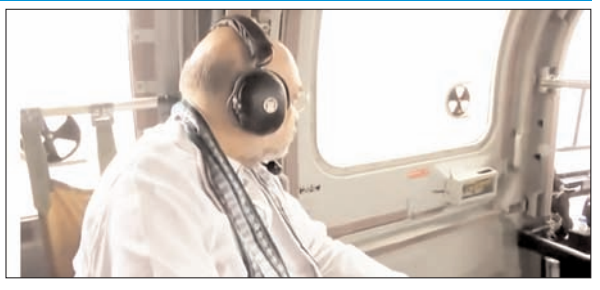

बिपरजॉय समुद्री चक्रवात से हुए नुकसान का जायजा लेते शाह • फोटोन न्यूज

सभी एजेंसियों से नुकसान के संबंध में जानकारी मांगी गई है।

हवाई निरीक्षण के बाद केन्द्रीय मंत्री शाह प्रभावित लोगों से मुलाकात करने हॉस्पिटल भी पहुंचे। वे मांडवी के सिविल अस्पताल पहुंचे और प्रभावित लोगों से मुलाकात की। चक्रवाती तूफान के दौरान प्रसूति महिलाओं के भी हाल-समाचार की जानकारी ली। हवाई निरीक्षण के दौरान उन्हें किसानों और मछुआरों को हुए नुकसान के संबंध में अंदाज बताया गया। इससे पूर्व राज्य सरकार ने बिपरजॉय चक्रवाती तूफान में स्थनांतरित किए गए लोगों को कैशडॉल देने की घोषणा की है। यह राशि आगामी तीन दिनों के अंदर सभी को दे दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने तूफान के बाद सभी प्रभावित जिलों के कलक्टर से नुकसान के संबंध में जानकारी वीडियो कांफ्रेंसिंग से पहले ही ले ली थी। इस सभी जानकारी को उन्होंने केन्द्रीय गृह मंत्री से साझा किए।

BRIEF NEWS

विकास की योजनाओं पर काम हर हाल में मानसून बाद करें शुरू : विनय चौबे

RANCHI : नगर विकास सचिव विनय चौबे ने 15वें वित्त आयोग के तहत शहरों में बनने वाले तालाब, पार्क और वेंडर मार्केट के लिए डीपीआर बनाने के काम में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्य में लापरवाही बर्दास्त नहीं की जायेगी। सचिव ने अधिकारियों को बैठक में यह निर्देश दिया है। अमृत योजना के तहत सचिव ने निर्देश दिया कि जहां टेंडर निष्पादित हो गया हो वहां कायार्देश दे दिया जाये लेकिन काम मानसून के बाद शुरू कराया जाये। इसके आलावा सचिव ने जुडको के अधिकारियों को पेयजलापूर्ति योजनाओं को ससमय पूरा कराने का निर्देश दिया। कांटाटोली फ्लाईओवर के काम को जल्द पूरा करने के लिए कहा। सचिव ने राज्य में चल रही नगर विकास की योजनाओं को गुणवत्तापूर्वक काम कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यालय नगर निकायों को हर संभव मदद करने के लिए तैयार है। अमृत योजना का काम शिफ्ट वाईज कराई जाये।

बगैर रजिस्ट्रेशन के प्ले स्कूल चलाने वालों पर रांची जिला प्रशासन रेस

RANCHI : राजधानी रांची में कई ऐसे प्ले स्कूल भी हैं जो बगैर रजिस्ट्रेशन संचालित हो रहे हैं। ऐसे में जिला प्रशासन, रांची ने इसे गंभीरता से लिया है। डीसी, डीडीसी और जिला समाज कल्याण पदाधिकारी की ओर से संयुक्त रूप से इस संबंध में सूचना जारी की गयी है। इसमें कहा गया है कि जिले में संचालित सभी प्ले स्कूलों का निबंधन, निबंधन नवीकरण भी कराया जाना जरूरी है। ऐसे में बगैर निबंधन कराये या निबंधन नवीकरण कराए बगैर संचालित प्ले स्कूलों के संचालकों के खिलाफ लीगल एक्शन लिया जा सकता है। इस स्थिति में सभी प्ले स्कूल संचालक अगले दो सप्ताह में यानि 1 जु लाई तक अपने स्कूल का रजिस्ट्रेशन करा लें। अगर निबंधन करा रखा हो और इसका नवीकरण ना कराया हो, तो वे भी इसी अवधि तक आवेदन कर दें। इसके लिए रांची डीसी ऑफिस के ब्लॉक बी में कमरा संख्या 113 (जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, रांची) में संपर्क कर सकते हैं। यहीं रजिस्ट्रेशन और दूसरे कामों के लिए आवेदन जमा करने होंगे। निर्धारित समय के भीतर ऐसा नहीं करने वालों के खिलाफ जिला प्रशासन विधि सम्मत कार्रवाई करेगा।

रांची रेलवे स्टेशन पर ई-रिक्शा पलटने से हिमोफीलिया ट्रीटमेंट सोसाइटी के सचिव घायल

RANCHI : रांची रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर ई-रिक्शा पलट जाने से हिमोफीलिया ट्रीटमेंट सोसाइटी रांची चैप्टर के सचिव संतोष कुमार जायसवाल घायल हो गए। संतोष अपनी पत्नी मुक्ता जायसवाल और आयुष्मान अग्रवाल के साथ शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन से कोलकाता जाने के लिए रांची रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर एक से ई-रिक्शा से प्लेटफार्म नंबर तीन पर जा रहे थे। प्लेटफार्म का रास्ता खराब होने के कारण रिक्शा पलटकर संतोष जायसवाल के ऊपर गिर गया। इस घटना में उनके पैर के तीन हिस्से, हाथ के तीन हिस्से के साथ सिर पर गंभीर चोट आयी है। उन्हें रिम्स के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती किया गया है, जहां मेडिसिन विभाग के डॉ संजय कुमार और आथोर्पेडिक विभाग के डॉ गोविंद गुप्ता इलाज कर रहे हैं।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

गर्मी में पावर कट ने बढ़ाई मुश्किल रांची का तापमान 40 डिग्री के पार

ट्रांसफॉर्मर जलने से हो रही परेशानी, लोगों को गर्मी से नहीं मिल रही राहत

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य में लोगों को बारिश का इंतजार है। राज्य में गर्मी के तेवर थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। हालात ऐसे बन रहे हैं कि कुल 24 जिलों में से 18 जिलों का तापमान 40 के पार पहुंच चुका है। वहीं राजधानी रांची की बात करें तो अधिकतम 41.4 डिग्री तो न्यूनतम 28.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है। दो दिनों तक रांची का तापमान 40 के पार रहने की संभावना जताई गई है और 19 व 20 जून को राजधानी व आसपास के जिलों में आंशिक बादल छाए रहने और मेघ गर्जन की संभावना है। ऐसे में जहां तेज धूप लोगों को रूला रही है। वहीं, दूसरी तरफ बिजली भी एक समस्या बनी है। राजधानी रांची के बड़े इलाके में बिजली कटौती अब भी जारी है। जिससे लोगों को गर्मी से राहत तो दूर, रोजमर्रा की चीजों के लिये तरसना पड़ रहा है। राजधानी रांची के शहरी इलाके में लगभग पांच से छह घंटे की बिजली कटौती हो रही है। जबकि ग्रामीण इलाकों में आठ से नौ घंटे कटौती जारी है। शनिवार को राजधानी में लगभग 13 ट्रांसफॉर्मर जलें। इन ट्रांसफॉर्मर के बनने तक लोगों को घंटों बिजली गुल का सामना करना पड़ा। अलग-अलग इलाकों में ट्रांसफॉर्मर जलने से बड़े इलाके में शुक्रवार रात से लेकर शनिवार दोपहर तक बिजली कटौती का सामना करना पड़ा। हालांकि बिजली निगम ने पहले ही क्षेत्रीय कार्यालयों को निर्देश दिया है कि, जले हुए ट्रांसफॉर्मर को शहरी क्षेत्र में जल्द से जल्द मरम्मत करना है। इस दौरान बरियातु, मोरहाबादी, कोकर, होटवार, बूटी मोड़, एदलहातू, कांके, आईटीआई, पिस्का मोड़, रातु रोड, हरमू, किशोरगंज, धुर्वा, हटिया, तुपूदाना, पुंदाग, नगड़ी, ईटकी, नामकुम, ओरमांझी, पिठोरिया आदि क्षेत्रों में बिजली से लोग परेशान रहे।

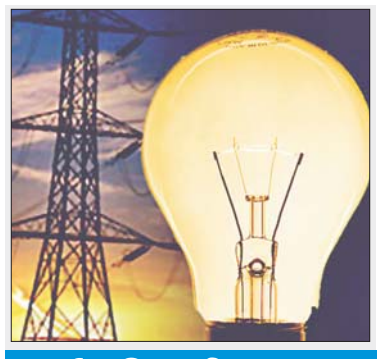

पर्याप्त बिजली का दावा

बिजली की इस आंख मिचौली से लोगों को जीना मुश्किल है। वहीं, जेबीवीएनएल रांची विद्युत आपूर्ति क्षेत्र के अधिकारियों का दावा है कि रांची में बिजली की कमी नहीं है। 330 से 340 मेगावाट बिजली की जरूरत है। जो राजधानी को मिल रही है। कुछ इलाकों में लोकल फॉल्ट के कारण बिजली कटती है। वहीं, मेंटनेंस कार्य भी जारी रहता है। गर्मी में बिजली की मांग बढ़ जाती है। वहीं, प्रत्येक ट्रांसफॉर्मर की अपनी क्षमता होती है। बिजली की मांग बढ़ने पर ट्रांसफॉर्मर पर असर पड़ता है। जिससे ट्रांसफॉर्मर जलने या अन्य तकनीकि कारणों से बिजली चली जाती है। ऐसे में मरम्मत कार्य करने के बाद ही बिजली बहाल की जाती है। जिससे लोगों को परेशानी होती है।

10 हजार बकायेदारों की काटी जाएगी बिजली

RANCHI : महाप्रबंधक सह मुख्य अभियंता प्रभात कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि राजधानी के अंदर गर्मी को देखते हुए हर हाल में बिजली की उपलब्धता रहनी चाहिए। उन्होंने रांची, खूंटी, गुमला, सिमडेगा और लोहरदगा के बिजली अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों के अंदर भी बिजली की निर्बाध आपूर्ति की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इस बीच झारखंड बिजली वितरण कंपनी ने अपने सभी कार्यपालक अभियंताओं को राजस्व वसूली में तेजी लाने का निर्देश दिया है। शनिवार को रांची डिवीजन के सभी कार्यपालक अभियंताओं और बिलिंग कंपनी के अधिकारियों को पत्र जारी कर इसकी जानकारी दी गयी है। वहीं रांची अंचल में इस महीने वसूली का लक्ष्य तय किया गया। साथ ही 19 से 22 जून तक गांव से लेकर शहरी इलाकों में ओटीएस कैंप आयोजित की जायेगी।

राजस्व वसूली के लिए तय किए गये लक्ष्य

बिजली अधिकारियों को राजस्व वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए गए है। रांची अंचल के लिए इस महीने 85 करोड़ व गुमला के लिए चार करोड़ वसूली का लक्ष्य रखा गया है। सोमवार से सभी इलाकों में बकाया वसूली अभियान शुरू किया जाएगा। वसूली के लिए दस जगहों के लिए कुल 90 टीमों का गठन किया गया है। अभियान के दौरान गांव में 5 हजार और शहरी में 10 हजार बकायेदार की बिजली काटी जाएगी।

पांच किस्तों में बिजली बिल जमा करने के लिए बचे हैं सिर्फ 13 दिन

RANCHI : झारखंड बिजली वितरण निगम की ओर से वन टाइम सेटलमेंट स्कीम (ओटीएस) चलाया जा रहा है। योजना की अंतिम तारीख 30 जून तक है। राज्य के लंबे बिजली बिल बकायेदार इस योजना का लाभ ले सकते है। स्कीम के तहत लंबे बिजली बिल बकायेदार उपभोक्ताओं को पांच किस्तों में बिल जमा करने की सुविधा दी जा रही है। वहीं, डीपीएस में भी छूट दी जानी है। इसी बीच, जेबीवीएनएल की ओर से उपभोक्ताओं को ओटीएस का लाभ देने के लिये अगल अलग जगहों में शिविर लगाया जा रहा है। सोशल मीडिया के जरिये भी उपभोक्ताओं को इस योजना की जानकारी दी जा रही है। जहां उपभोक्ताओं को जल्द से जल्द इस स्कीम का लाभ लेने की जानकारी दी जा रही है। योजना की अंतिम तारीख में अब 14 दिन ही रह गये है।

हथियार के साथ पुलिस ने दो को दबोचा, गया जेल

देशी कट्टा, चाकू, कार व दो मोबाइल बरामद

प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी देते सदर डीएसपी प्रभात रंजन बरवार ● फोटोन न्यूज

CRIME REPORTER RANCHI : मेसरा ओपी पुलिस ने हथियार के साथ दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनमें आफताब अंसारी और राम रतन मुंडा उर्फ रतिया शामिल हैं। इनके पास से एक लोडेड देशी कट्टा, एक चाकू, दो मोबाइल और एक कार बरामद हुआ है। सदर डीएसपी प्रभात रंजन बरवार ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी। डीएसपी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ बदमाश किसी बड़ी नेवरी सिरत नगर रिंग रोड के पास वारदात की योजना बना रहे हैं। सूचना पर सदर थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने कार्रवाई करते हुए दो बदमाशों को पकड़ लिया जबकि एक फरार हो गया। इनके पास के पुलिस ने हथियार बरामद किया। पूछताछ के बाद दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया। डीएसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ पूर्व में मेसरा ओपी में मामला दर्ज है।

इधर, पुंदाग में भी हथियार के साथ एक गिरफ्तार

पुंदाग पुलिस ने शाहिद हुसैन को हथियार और गोली के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस का कहना है कि उन्हें सूचना मिली थी कि एक युवक इलाके में पिस्टल लेकर किसी को खोज रहा है। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तो आरोपी भागने लगा। पुलिस ने उसे घेर कर पकड़ा और थाना ले आई। पूछताछ में आरोपी ने बताया की जमीन को लेकर एक व्यक्ति से उसका विवाद चल रहा था। उसी को सबस सिखाने के लिए वह उसे खोज रहा था। लेकिन इससे पहले पुलिस को सूचना मिली गई। पुंदाग ओपी प्रभारी विवेक कुमार ने बताया कि आरोपी शाहिद हुसैन दागी किस्म का युवक है। उसका काम पैसा लेकर जमीन कब्जा कराने का काम है। आरोपी पैसा लेकर जमीन पर हथियार के साथ पहुंचता है और हथियार का भय दिखाकर जमीन पर काम करता है। पुलिस इस बिंदु पर जांच कर रही है कि आरोपी के पास हथियार और गोली कहां से आया।

जुआ खेलते बंगाल के पांच आरोपी गिरफ्तार, 84 हजार नकद बरामद

CRIME REPORTER RANCHI : मुरी ओपी पुलिस ने हब्बा-डब्बा (जुआ) के खिलाफ छापेमारी कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में बंगाल के पुरुलिया निवासी कार्तिक रजक, रामपदो कान्हू, दुर्गा महतो, बिसम कुमार और पतिपदो कुमार शामिल है। इनके पास से 84 हजार 200 रुपये नकद, बोलेरो, सात बाइक, छह मोबाईल, हब्बा- डब्बा (जुआ) खेलाने वाला डब्बा, पांच पीस घननुमा पासा और एक प्लास्टिक दरी मौजूद थे। ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि मुरी ओपी क्षेत्र के झारखंड मोड़ के समीप सलोनी मैरेज हॉल के सामने अवैध रुप से हब्बा-डब्बा (जुआ) खेला जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिल्ली डीएसपी खिस्टोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने छापेमारी कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया।

प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी देते ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ● फोटोन न्यूज

मारपीट मामले में तीन गिरफ्तार

लालपुर थाना पुलिस ने पीएन बॉस कंपाउंड में पार्किंग को लेकर हुए विवाद और मारपीट मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में देवाशीष साहू, रिशु राज चौधरी और आकाश राज चौधरी शामिल है। थाना प्रभारी ममता कुमारी ने बताया कि 16 जून को पार्किंग को लेकर विवाद के मारपीट हुई थी। इस संबंध में मारपीट में घायल प्रिंस कुमार सिंह ने प्राथमिकी दर्ज करायी थी। प्राथमिकी के आधार पर तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। तीनों को न्यायिक हिरासत में शनिवार को जेल भेज दिया गया ।

एनएचएआई के चेयरमैन संतोष कुमार यादव 22 जून को आएंगे रांची

RANCHI : नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) के अध्यक्ष और आईएएस अधिकारी संतोष कुमार यादव 22 जून से दो दिवसीय झारखंड दौरे पर रहेंगे। एयर एशिया के फ्लाईट से नई दिल्ली से पहले रांची आयेंगे। वे एनएचएआई के अधिकारियों के साथ झारखंड में चल रहे रोड परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे। इसी दिन वे धनबाद भी जायेंगे। वहीं से वे 23 जून को गोला-ओरमांझी सेक्शन फोरलेनिंग निर्माण कार्य की शुरूआत करायेंगे। एनएच -320 के इस सेक्शन का निर्माण भारतमाला परियोजना के तहत होगा। यह राज्य का पहला एक्सप्रेस-वे होगा पूरी तरह से ग्रीनफील्ड होगा। 27.44 किमी रोड का निर्माण 1214 करोड़ में किया जायेगा। इसमें जमीन अधिग्रहण की 732

TPC का कुख्यात एरिया कमांडर रॉकी धराया, एनकाउंटर में भाग कर बचाई थी जान

CRIME REPORTER RANCHI : राजधानी रांची के ग्रामीण इलाकों में आतंक का पर्याय बने उग्रवादी संगठन टीपीसी के एरिया कमांडर विक्रम उर्फ रॉकी को रांची पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। विक्रम की गिरफ्तारी के लिए पिछले 6 महीने से रांची पुलिस की एक स्पेशल टीम ग्रामीण इलाकों में लगातार अभियान चला रही थी। रांची पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार विक्रम को रांची एसएसपी की स्पेशल टीम ने गिरफ्तार किया है। टीम को विक्रम के बुढ़मू इलाके में आने की सूचना मिली थी, जिसके बाद उन्होंने जाल बिछाकर विक्रम को धर दबोचा। गिरफ्तार विक्रम उर्फ रॉकी से रांची पुलिस की टीम पूछताछ कर रही है, ताकि उसके संगठन में और कौन-कौन लोग हैं और हथियार कहां रखे गए हैं इसकी जानकारी हासिल की जा सके। गिरफ्तार टीपीसी के एरिया कमांडर के खिलाफ रांची के अलग-अगल थानों में दर्जनों केस दर्ज है। जिस तरह की जानकारी सामने आई है उसमें कहा जा रहा है कि विक्रम ने ही पुलिस के विश्वस्त मुखबिर राजा साहब की हत्या की थी। रांची के रातू इलाके के रहने वाले राजा साहब को उसके दस्ते ने अगवा कर लिया था और फिर जंगल में जाकर उसकी हत्या कर दी थी। इसके अलावा उसके दस्ते ने कांके थाना क्षेत्र के आइटीबीपी कैंप के पास स्थित क्रशर माइंस, पिठोरिया स्थित कई क्रशर पर हमला कर लेवी की मांग भी की गई थी। लेवी नहीं मिलने पर उसके गिरोह के सदस्य आगजनी की घटनाओं को अंजाम देते थे।

हथियार के लिए हो रही छापेमारी

पुलिस को यह जानकारी मिली है कि गिरफ्तार विक्रम अमेरिकी राइफल लेकर घूमा करता था। ऐसे में पुलिस उससे हथियार को लेकर जानकारी भी हासिल कर रही है, ताकि हथियार और गोला-बारूद को भी बरामद किया जा सके।एनकाउंटर से बच निकला थाः इसी साल जनवरी महीने में रांची पुलिस और विक्रम के दस्ते के बीच भीषण मुठभेड़ हुआ था। उस दौरान विक्रम भी घिर गया था, लेकिन जंगल और पहाड़ों का फायदा उठाकर वह फरार होने में कामयाब हो गया था। एनकाउंटर के बाद चलाए गए सर्च ऑपरेशन में रांची पुलिस ने भारी मात्रा में कारतूस भी बरामद किया था।

फ्लैट, जमीन, बैंक बैलेंस सहित आठ अलग-अलग संपत्तियों को किया गया है अटैच

ईडी ने हाईकोर्ट को वीरेंद्र राम की 39.28 करोड़ की अटैच संपत्तियों की दी जानकारी

SPECIAL REPORTER RANCHI : ईडी ने ग्रामीण कार्य विभाग के निलंबित चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम की 39 करोड़ 28 लाख 82 हजार 578 रूपए की संपत्ति को अटैच किया है। इसकी जानकारी ईडी ने एक जनहित याचिका में हाई कोर्ट को दी है। ईडी ने वीरेंद्र राम एवं उसके परिजनों की 8 अलग-अलग संपत्तियों, जिसमें फ्लैट, जमीन, बैंक बैलेंस, फिक्स्ड डिपॉजिट आदि शामिल है, उसे अटैच किया है। अटैच संपत्तियों में वीरेंद्र राम की पत्नी राजकुमारी के नाम पर नई दिल्ली के साकेत स्थित 1.78 करोड़ मूल्य का फ्लैट फर्स्ट फ्लोर डी - 70, शामिल है। इसका वर्तमान मार्केट वैल्यू 5 करोड़ रुपए है। इसके अलावा पत्नी राजकुमारी के नाम पर खरीदी गई थर्ड फ्लोर सी-334 डिफेंस कॉलोनी, न्यू दिल्ली स्थित फ्लैट जिसकी दस्तावेज के आधार पर कीमत 5 करोड़ है, जबकि इसकी वर्तमान वैल्यू 11.30 करोड़ रूपया है।

इसी तरह वीरेंद्र राम के पिता गेंदा राम के नाम पर ग्राम सतबरी, तहसील साकेत , न्यू दिल्ली में 2 बीघा से ज्यादा की जमीन ली गई है, दस्तावेज के आधार पर इसकी कीमत 4 करोड़ है जबकि इसका वास्तविक मूल्य 22.50 करोड़ है। वीरेंद्र राम के साथ बैंक के जॉइंट अकाउंट आर्यन अंकुश के साथ बैंक बैलेंस 13 लाख 43 हजार रुपए है। बैंक खाते में राजकुमारी एवं आर्यन अंकुश के नाम पर बैंक में फिक्स डिपॉजिट के रूप में 14 लाख 40 हजार से अधिक की राशि भी है। वीरेंद्र राम के एक्सिस बैंक के खाते में 8 लाख 10 हजार से अधिक की राशि है। वीरेंद्र राम एवं राजकुमारी के नाम पर ए झ 3, वाटिका ग्रीन सिटी, डिमना रोड जमशेदपुर में 12 लाख 57 हजार से अधिक की संपत्ति ली गई है। इसका वास्तविक मूल्य एक करोड़ रुपए से भी ज्यादा है। इसके अलावा वीरेंद्र राम के नाम पर मारवा, पिठौरिया, रांची की 10 डिसमिल जमीन जिसका दस्तावेज के आधार पर कीमत 25 हजार है। इसका वास्तविक मूल्य 22 लाख रुपए है। वीरेंद्र राम के उक्त संपत्ति को ईडी ने अटैच किया है।

डाक विभाग को बचत सहित अन्य खाता खोलने की मुहिम करनी चाहिए शुरू : चीफ जस्टिस

झारखंड हाई कोर्ट परिसर में उप डाकघर के नए भवन का उद्घाटन

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र ने शनिवार को धुर्वा स्थित झारखंड हाई कोर्ट के नये परिसर में उप डाकघर के नए भवन का उद्घाटन किया। समारोह में विशिष्ट अतिथि के तौर पर सभी न्यायाधीश एवं झारखंड परिमंडल के मुख्य डाक महाध्यक्ष राकेश कुमार भी उपस्थित थे। संजय कुमार मिश्र ने यहां उपलब्ध डाक सेवाओं की सराहना की तथा बचत स्कीमों में रुचि दिखाई। उन्होंने कहा कि परिसर के सभी लोगों का बचत सहित अन्य खाता खोलने की मुहिम डाक विभाग की ओर से शुरू की जानी चाहिए, ताकि यहां के सभी न्यायाधीश, वकील, पदाधिकारीगण एवं कर्मचारियों को इसका लाभ मिल सके। मौके पर राकेश कुमार ने बताया कि यह डाकघर कोर बैंकिंग सुविधा प्रदान करेगा तथा यहां आमजन इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की बैंकिंग सुविधाओं का भी लाभ ले सकेंगे। साथ ही यहां आधार नामांकन एवं अद्यतन केंद्र भी खोला गया है। यहां लोग बीएलई-आरईएलआई प्रीमियम जमा कर सकेंगे। डाकघर की सभी सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे। डाक टिकट संग्रहकर्ता के लिए फिलाटेली टिकट भी यहां उपलब्ध है। सुकन्या समृद्धि खाता, महिला सम्मान बचत पत्र एवं अन्य बचत खाता भी खोला जा सकता है। कुमार ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2023-24 के बजट में महिलाओं के लिए एक विशेष योजना का ऐलान किया था।

शिक्षा सचिव बकाया सुनिश्चित करें या कोर्ट में हों उपस्थित : हाईकोर्ट

SPECIAL REPORTER RANCHI : बकाया भुगतान से संबंधित एक अवमानना याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। मामले में कोर्ट ने स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को निर्देश दिया कि याचिकाकताओं की ग्रेड 4 में प्रोन्नति की तिथि 1 अप्रैल 2003 की तिथि से बकाया भुगतान सुनिश्चित करें। अन्यथा स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव अगली सुनवाई में कोर्ट में सशरीर हाजिर हो। मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति एसएन पाठक की कोर्ट में हुई। अगली सुनवाई 21 जुलाई को होगी। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता अमित कुमार तिवारी ने पैरवी की। बता दें कि वर्ष 2016 अवमानना याचिका की सुनवाई में याचिकाकताओं को प्रोन्नति की तिथि से बकाया भुगतान सुनिश्चित करने का आदेश हाईकोर्ट से पारित हुआ था। जिसके खिलाफ राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में अपील, रिव्यु याचिका सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर किया था, लेकिन राज्य सरकार को कोई राहत नहीं मिली थी । कोर्ट ने राज्य सरकार की याचिका को खारिज कर दिया था। साथ ही कोर्ट ने याचिकाकताओं के पक्ष में फैसला दिया था। मामले को लेकर सजेश कुमार सहित मनोज कुमार राय एवं अन्य की ओर से हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की गई है।

उपभोक्ता फोरम ने पीएनबी को तीन लाख रुपये मुआवजा देने का दिया निर्देश

RANCHI : जिला उपभोक्ता फोरम ने पंजाब नेशनल बैंक की लालपुर शाखा को राजधानी रांची के डोरंडा थाना क्षेत्र के अनंतपुर निवासी पुष्पा शर्मा को तीन लाख रुपये मुआवजा देने का निर्देश दिया। उपभोक्ता फोरम ने बैंक की ओर से सेवा में कमी के लिए मुआवजे का आदेश दिया है। बैंक अपने लॉकर की उचित सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहा, जिसके कारण एक लॉकर से शर्मा के 8 लाख रुपये के गहने चोरी हो गए, यह आदेश लॉकर से गहनों की चोरी के आठ साल बाद आया है।

चार साल से अधिक समय से लंबित कांडों की समीक्षा करेंगे एडीजी अभियान

RANCHI : एडीजी अभियान आगामी 19 जून को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से झारखंड में चार साल से अधिक समय से लंबित आपराधिक कांडों की समीक्षा करेंगे। इस संबंध में बुलायी गयी बैठक में राज्य के सभी जिलों के एसएसपी, एसपी, जोनल आईजी और सभी रेंज के डीआईजी शामिल होंगे। इस दौरान अभियोजन स्वीकृत्या देश के लंबित कांडों की अद्यतन स्थिति की भी समीक्षा की जायेगी।

LOVE-JIHAD और धर्मांतरण का जवाब अब आदिवासी जन अभियान से

करमाटांड़ के निजकजरा से पिछले दिनों शुरू हुआ आदिवासी समाज का महाजुटान, अब जनअभियान के रूप में गांव-गांव तक पहुंचा

PHOTON NEWS JAMTARA: आदिवासी समाज के लोग अब लव जिहाद और धर्मांतरण का जवाब आदिवासी समाज के महाजुटान के बाद जनअभियान से देने की तैयारी में जुटे हैं। पिछले दिनों करमाटांड़ के ताराबहाल स्थित निजकजरा गांव से शुरू हुई आदिवासी समाज की यह मुहिम अब जनअभियान का रूप लेकर गांव-गांव तक पहुंच रहा है। शनिवार को इसी कड़ी में समाज के बहू-बेटियों का धर्म परिवर्तन करवाने की घटनाओं पर रोक लगाने के उद्देश्य से करमाटांड़ प्रखंड के फोफनाद में एक बैठक का आयोजन किया गया। इसकी शुरूआत गांव में मुखिया योगेंद्र टुडू ने सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की। इस दौरान लोगों ने निर्णय लिया कि आदिवासी समाज में जो भी शराब का व्यवसायिक इस्तेमाल करेगा उनके घरवालों के खिलाफ संबंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। वह अपने समाज के लोगों के बीच ही शराब का देन-लेन कर

- लिया निर्णय, शराब बनाकर व्यवसाय किया तो थाने में करवाएंगे प्राथमिकी, शाम छह बजे के बाद गांव में शराब पीने पर भी रहेगी पांबदी

सकता है। इतना ही नहीं, शाम 6:00 बजे के बाद गांव का कोई भी व्यक्ति शराब पीता और पिलाता है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

किसी भी हाल में दूसरे समुदाय को ना तो शराब देनी है और ना ही बेचनी है जमीन: इस दौरान आदिवासी समाज के लोगों ने यह निर्णय लिया कि किसी भी सूरत में दूसरे समुदाय के लोगों को शराब नहीं पिलानी है। साथ ही शाम छह बजे के बाद गांव में ऐसे लोगों के प्रवेश पर भी पाबंदी रहेगी। इतना ही नहीं, आदिवासी समाज का कोई व्यक्ति जमीन किसी भी हाल में मुसलमानों को नहीं बेच सकता है। यदि कोई भी समाज का व्यक्ति ऐसा करता है तो पूरा समाज एकजुट होकर इसे रोकेगा। समाज में बैठकर पहले

करमाटांड़ प्रखंड के फोफनाद में एक बैठक के दौरान उपस्थित आदिवासी समाज के लोग • फोटोन न्यूज

निर्णय लिया जाएगा और बाद में उसकी जरूरतों को देखते हुए समाज के लोग आपस में इसका फैसला करेंगे। ताकि ऐसे लोगों की जरूरतों का हल सामाजिक स्तर से आदिवासी समाज के लोग ही पूरी कर दें। ऐसे में सामाजिक निर्णय ही महत्वपूर्ण निर्णय होगा। साथ ही अपने परिवार व समाज के बच्चों को शिक्षा से जोड़ना है। ताकि शिक्षित समाज का निर्माण हो सके।

शादी में दूसरे समुदाय में तो फिर आरक्षण का लाभ क्यों: बैठक के दौरान मुखिया योगेंद्र टुडू ने कहा कि यदि आदिवासी महिला या युवती किसी दूसरे समुदाय में शादी करती है तो स्वतः ही वह अपने पति के धर्म में शामिल हो जाती है। ऐसे लोगों को आदिवासी आरक्षण का लाभ सरकार कैसे दे सकती है। जबकि आदिवासी समाज के हजारों लोग पहले इसाई और अब मुसलमान बनकर आरक्षण का लाभ ले रहे हैं। यह पूरी तरह से सुनियोजित और सोची-समझी रणनीति के तहत आदिवासियों का धर्मांतरण हमारे अस्तित्व को मिटाने की साजिश चल रही है। सरकार को अब जल्द यह निर्णय लेना होगा कि जो महिला या पुलिस आदिवासी समाज में नहीं वह आदिवासी आरक्षण की सुविधाओं का भी भोगी नहीं बन सकता। इन सभी बातों को ध्यान में रखकर सरकार को जल्द से जल्द ठोस कदम उठाना ही होगा। सरकार को आदिवासी हितों को ध्यान में रखते हुए कानून बनाना होगा। इस मौके पर बाबूलाल सोरेन, नंदकिशोर सोरेन, हीरालाल सोरेन, रविलाल टुडू, ओबी लाल मरांडी, जयदेव सोरेन, जयनारायण सोरेन व अर्जुन सोरेन समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

> आदिवासी एकता मंच की ओर से पिछले दिनों ताराबहाल के निजकजरा गांव में आदिवासी महाजुटान किया गया था। जिसमें आदिवासी समाज के हित को लेकर कई मुद्दों पर चर्चा की गई थी। इस निमित्त आज विशेष बैठक बुलाई गई। बैठक में ग्रामीणों ने आदिवासी महिलाओं को लव जिहाद एवं बहला-फुसलाकर शादी रचाने वाले लोगों से सतर्क रहने की सलाह दी गई। साथ ही इससे बचने के उपायों इस षडयंत्र के खिलाफ लोगों से एकजुटता बनाए रखने की अपील की गई।
>
> -योगेंद्र टुडू, मुखिया, फोफनाद पंचायत

बचन कौर को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे इंदर सिंह नामधारी, सरयू राय व अन्य • फोटोन न्यूज

Jamshedpur : सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के संरक्षक सरदार गुरदीप सिंह पप्पू की मां एवं पंत के महान रागी गुरदयाल सिंह की धर्मपत्नी बीबी बचन कौर को साकची गुरुद्वारा में सैकड़ों लोगों ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी, पूर्व मंत्री एवं विधायक सरयू राय, कारपोरेट जगत के विजय सिंह राणा, प्रभात कुमार, ट्रांसपोर्टर उदय शर्मा, डीएसपी भोला प्रसाद, पूर्व डीएसपी आरएन शर्मा पूर्व डीएसपी वीरेंद्र यादव, दैनिक इस्पात मेल दैनिक चमकता इलाके प्रकाशक ब्रज भूषण शरण सिंह, संपादक जय प्रकाश राय उप संपादक संजीव भारद्वाज, टाटा मोटर्स यूनियनअध्यक्ष गुरमीत सिंह तोते, टेंपलेट यूनियन के डिप्टी प्रेसिडेंट परविंदर सिंह सोहेल, टीएसपीडीएल यूनियन के डिप्टी प्रेसिडेंट दिनेश कुमार, हिंदुस्तान टाइम्स चंडीगढ़ की रिपोर्टर अमृत कौर नामधारी, विभिन्न न्यूज पोर्टल के संपादक, कई राजनीतिक दल और सामाजिक संगठनों के नेता कार्यकर्ता शुमार थे। सीतारामडेरा हिस्ट्री आवास में अखंड पाठ की समाप्ति के उपरांत साकची गुरुद्वारा में कीर्तन दरबार सजा एवं अंतिम अरदास हुई।

यहां विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब की वाणी एवं विभिन्न धार्मिक पुस्तकों एवं दार्शनिकों को उद्धृत करते हुए कहा कि जहां से हमें यह जीवन ज्योति प्राप्त होती है वही विलीन हो जाती है और इसके लिए इसी प्रकार का शोक नहीं करना है। जीवन में सदा कर्म करने हैं भलाई करना है उपकार करना है और वही साथ जाता है और पारलौकिक दुनिया में इसका हिसाब भी होता है। विधायक सरयू राय ने भी कई प्रसंगों को रखते हुए इसे विधि का विधान बताया और इस सत्य और आश्चर्य को स्वीकार करने का बल देने की परमेश्वर से प्रार्थना की। तख्त श्री हरमंदिर जी पटना साहिब के महासचिव सरदार इंदरजीत सिंह, सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान भगवान सिंह, चेयरमैन शैलेंद्र सिंह, भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता एवं सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के संरक्षक अमरप्रीत सिंह काले, उप संपादक संजीव भारद्वाज, साकची गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के महासचिव परमजीत सिंह कार्यालय सरदार सुरजीत सिंह सित्ते, सेंट्रल स्त्री सत्संग सभा की चेयरपर्सन बीबी कमलजीत कौर ने अपने विचारों द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर विभिन्न गुरुद्वारा समितियों के प्रधान महासचिव एवं अन्य गणमान्य लोगों ने गुरु घर में हाजिरी भरी एवं अंतिम अरदास में शामिल हुए।

ओड़िया समुदाय का लोकपर्व रजो संक्रांति कोल्हान में शुरू

PHOTON NEWS SARAIKELA-KHARSAWAN: कोल्हान क्षेत्र के खरसावां, सरायकेला, कुचाई समेत आसपास के गांवों में ओडिया समुदाय का लोकपर्व रजो संक्रांति शुरू हो गयी। बुधवार 14 जून, 2023 को सादगी के साथ पहला दिन रजो पर्व मनाया गया। तीन दिवसीय रजो पर्व (संक्रांति) के पहले दिन बुधवार को महिलाओं और बच्चों ने झूला झूलने की रश्म को निभाये। घर के आंगन, गांव के चौक-चौराहे और पार्कों में रस्सी से झूला बना कर रजो संक्रांति पर महिला व बच्चे झूला झूलते दिखे। इस दौरान 'दोली हुए रट रट, मो भाई मुंडरे सुना मुकुटो, सुना मुकुट लो दिसु थाये झट झट।।।, कट कट हुए दोली, भाउजोंक मन जाइछी जली, जाइछी जली लो, लो भाई विदेशु नइले बोली।।।' आदि रजो गीत गये। ओडिया घरों में उरड़ की दाल और चावल से तैयार किया गया पीठा (एक तरह का केक) बना कर देवी-देवताओं को आर्पित किया गया। रजो पर्व पर पोड़ा पीठा खाने का रश्म है। आषाढ़ माह के आगमन पर मानसून के स्वागत में ओड़िया समुदाय के लोग इस त्योहार को मनाते हैं। इस मौके पर घरों में विशेष पकवान भी बनाये गये।

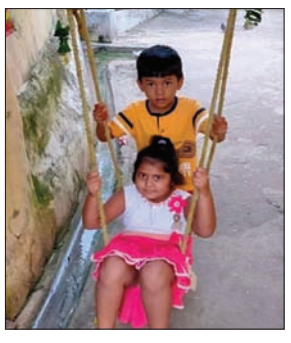

लू लगने से रोजगार सेवक समेत दो की मौत

Palamu : पलामू जिला के सतबरवा प्रखंड के तीन अलग-अलग क्षेत्रों में तीन लोगों की मौत हो गई। गउरा गांव निवासी रोजगार सेवक 45 वर्षीय मो.शाकिर पिता नईमुदीन व हलुमाड़ गांव के 58 वर्षीय किशुन साव की लू लगने से मौत हो गई। पोंची पंचायत मुखिया गिरवर प्रसाद राम ने बताया कि मो. शाकिर ड्यूटी करने पाटन प्रखंड कार्यालय जा रहा था। इसी बीच उन्हें लू लग गया। उन्हें मेदिनीनगर स्थित एमएमसीएच में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। वहां उनकी मौत हो गई। मृतक शाकिर पाटन प्रखंड कार्यालय में रोजगार सेवक के पद पर कार्यरत थे। किशुन साव की पुतोहू को प्रसव होने वाला था। पत्नी व बेटा दीपक साव पुतोहू को लेकर मेदिनीनगर अस्पताल गए थे। समय पर भोजन नहीं मिलने के कारण किशुन साव लू की चपेट में आ गया।

शिक्षक स्थानांतरण प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करे विभाग: संघ

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: शिक्षक शिकायत निवारण सुनवाई दिवस के अवसर पर झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ, पूर्वी सिंहभूम का एक प्रतिनिधि मंडल जिला शिक्षा पदाधिकारी, पूर्वी सिंहभूम से मिला। इस दौरान संघ ने हो गए विभिन्न समस्याओं अवगत कराते हुए इसके निराकरण की मांग की। संघ की ओर से जिले के कई शिक्षक अनेक वर्षों से सुदूरवर्ती प्रखंड के विद्यालयों में पदस्थापित हैं। शिक्षकों के लिए स्थानांतरण नीति बनी हुई है परंतु सुस्पष्ट ना होने के कारण प्रभावी नहीं हो पाता है। कई शिक्षकों की स्थानांतरण की आस में मृत्यु तक हो गई है। अंतर जिला स्थानांतरण की व्यवस्था तो और भी जटिल है जिला शिक्षा स्थापना समिति से प्रस्ताव राज्य स्थापना समिति के समक्ष भेजने में अधिक विलंब होता है अतः विभागीय सचिव के आदेशानुसार जिले में शिक्षकों हेतु और अंतर जिला स्थानांतरण चाहने वाले शिक्षकों का स्थानांतरण हेतु आदेश अविलंब निर्गत किया जाए। हालांकि विभाग द्वारा सूचित

जिला शिक्षा पदाधिकारी संग बैठक करता झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ • फोटोन न्यूज

किया गया कि शिक्षक स्थानांतरण पोर्टल तत्काल नहीं खुलने के कारण स्थानांतरण चाहने वाले शिक्षकों का डाटा स्थानांतरण पोर्टल में अपलोड नहीं हो रहा है अतः संबंधित शिक्षक पोर्टल खुलने पर अपना विवरणी पोर्टल पर अपलोड करने के पश्चात उसकी हार्ड कॉपी नियंत्री पदाधिकारी के माध्यम से जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय में जमा करेंगे। ई विद्या वाहिनी ऐप के पूर्ण रूप से ठीक होने तक निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी वेतन भुगतान के संबंध में किसी शिक्षक को बेवजह परेशान नहीं करेंगे तथाअन्य शिक्षक समस्याओं पर भी गंभीरता पूर्वक विचार करते हुए तय सीमा में समस्या निष्पादन करेंगे। बैठक में एडीपीओ अखिलेश कुमार, कार्यालय की ओर से वरीय लिपिक महेश शर्मा, यसवंत सिंह तथा झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रतिनिधि मंडल में जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह,संगठन सचिव अरुण कुमार, कृष्ण चंद्र दास, राजेंद्र कर्ण आदि शामिल हुए।

संघ ने यह मांग भी रखा

1. ई विद्या वाहिनी ऐप का नया वर्जन समय पर कार्य नहीं कर रहा है फलस्वरूप सभी शिक्षकों की बायोमेट्रिक उपस्थिति टैब द्वारा चाह कर भी समय पर नहीं बन पा रहा है और वेतन भुगतान के समय निकासी एवं व्ययन पदाधिकारियों द्वारा संबंधित शिक्षकों को बेवजह परेशान किया जाता है इसलिए ई विद्या वाहिनी ऐप के नए वर्जन के सुचारू रूप से काम नहीं करने तक बायोमेट्रिक उपस्थिति की अनिवार्यता पर रोक लगाई जाऐ
2. वर्ष 1994 में नियुक्त शिक्षकों के लिए एक ही संवर्ग के कनीय शिक्षक का वेतन वरीय से अधिक होने पर समतुल्य वेतन का निर्धारण हेतु जिला शिक्षा अधीक्षक के ज्ञापांक 1052 दिनांक 11/04/23, ज्ञापांक 969 दिनांक 28/03/23 एवं अन्य ज्ञापांक नंबरों के आलोक में जिला लेखा पदाधिकारी के पत्रांक 129 दिनांक 20/03/23 के मार्गदर्शन के उपरांत स्वीकृति आदेश निर्गत किया गया है नियंत्री पदाधिकारी के माध्यम से शिक्षकों ने सुसंगत प्रपत्र व मूल सेवा पुस्तिका कार्यालय में जमा किया है दो माह बीत जाने के बाद भी वेतन निर्धारण लंबित है
3. जिला शिक्षा अधीक्षक, पूर्वी सिंहभूम के पत्रांक 1520 दिनांक 30/05/23 द्वारा प्रकाशित औपबंधिक वरीयता सूची पर दिनांक 08/06/23 को झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा आपत्ति दर्ज कराई गई थी उक्त आपत्ति का निराकरण कर पुनः वरीयता सूची जारी किया जाए और तदुपरांत प्रोन्नति नियमावली 1993 के आलोक में अहर्ता रखने वाले शिक्षकों को विभिन्न ग्रेडों में प्रोन्नति दी जाए।
4. माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में स्नातक वाणिज्य प्रशिक्षित शिक्षकों को सामाजिक विज्ञान विषय के शिक्षक मानते हुए ग्रेड 4 के पदों पर प्रोन्नति दी जाए।
5. सरकार के सचिव कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के पत्रांक 3475 दिनांक 15 /06/23 के आलोक में हिंदी विद्यापीठ देवघर द्वारा दिए जाने वाले 26/05/2015 एवं इससे पूर्व निर्गत उपाधियों को नियुक्ति एवं प्रोन्नति हेतु माननीय उच्च न्यायालय के पारित न्यायादेश के आलोक में मान्यता दी गई है।अतः विभागीय औपबंधिक वरीयता सूची में संबंधित शिक्षकों को शामिल करते हुए विभिन्न ग्रेडों में प्रोन्नति दी जाए।

ड्यूटी के दौरान सीआईएसएफ जवान की हार्ट अटैक से मौत, गांव पहुंचा शव तो मचा कोहराम

- ठाकुरगंगटी के मोरडीहा ग्राम निवासी सुखदेव हरिजन बोकारो जिला के फुसरो में थे पदस्थापित, चार माह बाद होने वाले थे सेवानिवृत्त

PHOTON NEWS GODDA: बोकारो जिले के फुसरो में पदस्थापित सीआईएसएफ के सफाई कर्मचारी सुखदेव हरिजन की ड्यूटी के दौरान हर्ट अटैक से मौत हो गई थी। शनिवार को सीआईएसएफ के अधिकारियों ने सुखदेव हरिजन के शव को तिरंगे में लपेट कर गांव लाया तो स्वजनों सहित पूरे गांव में मातम पसर गया। ठाकुरगंगटी थाना क्षेत्र के मोरडीहा गांव निवासी सुखदेव हरिजन की मौत शुक्रवार की रात को हुई थी। सीआईएसएफ के सफाई कर्मी सुखदेव हरीजन का शव पहुंचते ही देखने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी। स्वजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया।गांव के गणमान्य लोगों ने शोकसंतप्त स्वजनों को

ठाकुर गंगटी के मोरडीहा ग्राम निवासी सीआईएसएफ सफाईकर्मी सुखदेव हरिजन को श्रद्धांजलि देते ग्रामीण • फोटोन न्यूज

ढांढस बंधाया एयर सुखदेव हरिजन को श्रद्धांजलि दी गई। सुखदेव हरिजन सीआईएसएफ में सफाई कर्मी के तौर पर बोकारो के फुसरो में कार्यरत थे। कार्यकाल को पूरा करने में बस मात्र चार महीने ही शेष रह गया था। शुक्रवार की संध्या सुखदेव हरिजन अपने आवास से भोजन लाने के लिए जा रहे थे, तभी रास्ते में गिर गए, पैर में चोट लगी। दवाई लेकर वापस अपना निवास स्थान पहुंचे, जहां उन्हें अचानक हर्ट अटैक आया और उनकी मृत्यु हो गई। उसके पुत्र रवि ने बताया कि उनके पिता वर्ष 1988 में सीआईएसएफ में सफाई कर्मी के रूप में बहाल हुए थे। अब उसके कार्यकाल का मात्र चार माह ही शेष बच गया था। चार माह बाद सेवानिवृत्त होने वाले थे। बताया कि सीआई एस एफ के जवानों व अधिकारियों द्वारा सलामी देते हुए सुखदेव हरिजन के शव को घर तक पहुंचाया गया। ठाकुरगंगटी थाना की पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारी शंकर प्रमाणिक ने पुलिस बल के साथ सलामी दी। मुखिया प्रतिनिधि निक्कू उर्फ प्रीतम कुमार झा ने भी श्रद्धांजलि दी। सुखदेव हरिजन अपने पीछे पत्नी कैली देवी, पुत्र रवि हरिजन 30 वर्ष, पुत्र विष्णु हरिजन 20 वर्ष और दो पुत्री सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए। कहलगांव में गंगा नदी तट पर शव का अंतिम संस्कार किया जा रहा है।

16 जुलाई को श्रद्धालुओं का जत्था सुल्तानगंज के लिए होगा रवाना

बाबा बैद्यनाथ SEVA SANGH 1000 श्रद्धालुओं को निशुल्क करायेगा कावड़ यात्रा

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी सावन के पावन माह में बाबा बैद्यनाथ सेवा संघ की ओर से निशुल्क कावड़ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है।इस वर्ष 16 जुलाई दिन रविवार को यात्रा मानगो से सुल्तानगंज के लिए रवाना होगी । इस आयोजन में प्रत्येक वर्ष केवल मानगों के ही श्रद्धालु जाया करते थे लेकिन इस वर्ष सोनारी और कदमा के भी कांवरिया निशुल्क कांवर यात्रा में शामिल होंगे।यह जानकारी संघ के संस्थापक सदस्य भाजपा के नेता विकास सिंह ने मानगो के बड़ा हनुमान मंदिर में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कही।संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए विकास सिंह ने कहा कि प्रत्येक वर्ष सोनारी और कदमा के रहने वाले कांवरिया लगातार कावड़ यात्रा में शामिल

बड़ा हनुमान मंदिर में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते विकास सिंह व अन्य • फोटोन न्यूज

होने के लिए संपर्क करते थे, लेकिन तैयारी कम रहने के कारण सोनारी कदमा के लोग वंचित रह जाते थे। उन्होंने बताया कि कावड़ यात्रा को लेकर इस बार योजना तीन माह पूर्व से ही बनाई जा रही है।विकास सिंह ने कहा पहले ही जाकर समिति के लोगों के द्वारा रास्ते में पड़ने वाले सारे स्थान सुरक्षित कर लिए गए हैं।उन्होंने कहा कि एक जुलाई से पंजीयन का कार्य आरंभ होगा पहले आओ पहले पाओ के तर्ज में लोगों का पंजीयन किया जाएगा । पूर्व में बाबा बैधनाथ सेवा संघ की ओर से आयोजित कावड़ यात्रा में शामिल लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी ।18 वर्ष से कम आयु एवं 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों का पंजीयन नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कावड़ यात्रा को लेकर कोच बस एवं छोटी गाड़ी का प्रबंध किया गया है। सेवक बम जिसकी संख्या लगभग डेढ़ सौ के करीब रहेगी वह ट्रेन से सुल्तानगंज जाएंगे।पंजीयन किए गए सारे कावड़ियों का ड्रेस कोड और आईडी कार्ड होगा उसी आईडी कार्ड से वाहन एवं धर्मशाला में प्रवेश मिलेगा। यात्रा में डॉक्टर के साथ साथ इस बार दो नर्सें भी जत्था में में जाएगी।जिससे महिला कांवरियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो।विश्राम करने वाले सारे स्थानो पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।फलाहार में रहकर कावड़ यात्रा कर रहे कावड़ियों के लिए फल की सुविधा संघ के द्वारा दी जाएगी। 17 जुलाई को सोमवार के दिन सुल्तानगंज के उत्तरवाहिनी गंगा नदी से जल भरकर कांवरिया देवघर के लिए प्रस्थान करेंगे।पहला पड़ाव असरगंज के शिकारी धर्मशाला में रहेगा।विकास सिंह ने बताया वर्ष

2017 से संघ लगातार करा रहा हैं कावड़ यात्रा : बाबा बैद्यनाथ सेवा संघ द्वारा 2017 से लगातार कावड़ यात्रा का आयोजन करता आ रहा है। विकास सिंह ने बताया कि 2017 से संघ के द्वारा निशुल्क कावड़ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। पहली बार तीन बसों से 151 कांवरिया गए थे। 2018 में 351 कांवरिया और 2019 में 501 कांवरिया यात्रा में गए थे ।2020 और 2021 में कोविड-19 के कारण यात्रा का आयोजन नहीं किया गया था । पुनः 2022 में 700 कावड़िया बाबा बैधनाथ सेवा संघ की ओर से सुल्तानगंज गए थे।इस वर्ष बाबा बैधनाथ की कृपा से 1000 कावड़ियों को ले जाने का कार्य किया जा रहा है।विकास सिंह ने कहा किसी प्रकार का शुल्क किसी भी कांवरियों से नहीं लिया जाएगा यात्रा पूरी तरह निशुल्क रहेगी।जिसमें शामिल कांवरियों को बस, धर्मशाला, भोजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, बीमार पड़ने पर ईलाज की उचित व्यवस्था, संघ के द्वारा निशुल्क रहेगी। पंजीयन हेतु श्रद्धालु किशोर वर्मन 08540986994, एवं अरविंद महतो 08210320937 संपर्क कर अपना पंजीयन करा सकते हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से विकास सिंह ,किशोर बर्मन, अरविंद महतो,प्रो।यूपी सिंह, मनोज ओझा, राम सिंह कुशवाहा, सूरज नारायण, छोटेलाल सिंह, दुर्गा दत्ता ,नागमणि सिंह , संतोष चौहान, संजय सिंह,सुशीला शर्मा,मधु सिन्हा,अजय लोहार, डॉक्टर अनिल कुमार सिंह ,जीतू गुप्ता ,संदीप शर्मा, मधु सिन्हा, प्यारे लाल साहू,राजेंद्र राम, गिरिश सिंह, मुख्य रुप से उपस्थित थे।

बोकारो-पुरूलिया हाइवे पर सड़क दुर्घटना में दो की मौत, चार घायल

Bokaro : बोकारो-पुरुलिया हाइवे पर शनिवार की सुबह हुई सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का इलाज चल रहा है। घटन पिन्ड्राजोरा थाना क्षेत्र के बेड़ानी मोड़ के पास हुई है। यहां एक मालवाहक संख्या जेएच 09 ए,एक्स 5824 पुरुलिया से चास की आ रही थी। बेड़ानी मोड़ के पास उसका संतुलन बिगड़ गया और गाड़ी पलट गई। दुर्घटना में पश्चिम बंगाल के छोटा चाचड़ा निवासी लक्ष्मीकांत बाउरी व दारू महतो की मौत हो गई। जबकि जयदेव बाउरी, सन्यासी बाउरी, सुधांशु दुआरी व नित्यानंद दुआरी गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद वाहन का चालक मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने पिन्ड्राजोरा थाने की पुलिस को सूचना दिया। सभी को बोकारो सदर अस्पताल पहुंचाया गया। यहां दो को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि वाहन काफी तेज गति में था। बेड़ानी मोड़ के पास वाहन असंतुलित हो गया। पलटकर सड़क से नीचे जा गिरा। दुर्घटनाग्रस्त वाहन का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

RATH YATRA की तैयारी पूरी, महाप्रभु 20 जून को निकलेंगे मौसी के घर, फूलों की होगी बारिश

इस्कॉन मंदिर, बड़ा हनुमान मंदिर, उत्कल एसोसिएशन समेत आधा दर्जन जगहों से निकलेगी भगवान जगन्नाथ की यात्रा

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR:
शहर में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है। रथ यात्रा में महक 2 दिन शेष हैं। जमशेदपुर में 20 जून दोपहर बाद अलग-अलग जगहों से महाप्रभु की यात्रा शुरू होगी। शहर इस बार आधे दर्जन से ज्यादा जगहों से भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा का रथ निकलेगा। इस यात्रा में शहर के लगभग डेढ़ लाख से अधिक भक्त शामिल होंगे, जो भगवान के रथ आगे बढ़ाएंगे। इस अवसर पर भक्त भगवान के मार्ग में फूल बिछाकर स्वागत करेंगे। हर साल की तरह इस बार भी रथ यात्रा में जिले के हजारों ग्रमीण शामिल होंगे। इस बार उत्कल एसोसिएशन से पहली बार रथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। विशेष रूप से भगवान जगन्नाथ की पूजा उड़ीसा के जगन्नाथपुरी में ही होती है। इसी परंपरा के अनुसार देश के हर क्षेत्र से रथ यात्रा का आयोजन किया जाता है। जमशेदपुर में मानगो स्थित बड़ा हनुमान मंदिर, गोलमुरी इस्कॉन मंदिर, बेल्डीह नागा मंदिर, खास महल जगन्नाथ मंदिर, नामदा बस्ती काली मंदिर से रथ यात्रा भव्य तरीके से निकाली जायेगी।

मानगो बड़ा हनुमान मंदिर से निकलेगी भव्य रथ यात्रा : भारतीय कृष्ण भावना अमृत संघ की ओर से हर साल भव्य तरीके से रथ यात्रा का आयोजन किया जाता है। इस बार भी संघ द्वारा रथ यात्रा की तैयारी की गई है। इस बार भगवान जगन्नाथ 20 फुट के रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण पर निकलेंगे। यात्रा दोपहर 3 बजे निकलेगी। संघ के सचिव शिव प्रसाद शर्मा ने बताया कि रथ यात्रा के पहले महाप्रसाद का वितरण किया जायेगा। उन्होंने बताया कि इस बार भगवान जगन्नाथ की रथ की लंबाई 15 फुट और ऊँचाई 20 फुट होगी। वहीं भाई बलभद्र और बहन शुभद्रा के रथ की ऊँचाई 15 फुट होगी। उन्होंने बताया कि यात्रा मानगो बड़ा मंदिर से शुरू होकर डीमना चौक से होते मानगो स्थित राजस्थान भवन तक पहुंचेगा। जहाँ भगवान मौसीबाडी में जायेंगे।

उन्होंने बताया कि यात्रा के बाद सात दिनों तक 21 से 28 जून तक भागवत कथा का आयोजन किया जायेगा। यात्रा के दौरान 15 से 20 हजार तक भक्त शामिल होंगे। उन्होंने बताया संघ द्वारा पिछले पांच साल से रथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इसकी शुरूआत 2019 से हुआ था। रथ यात्रा को सफल बनाने में संघ के अध्यक्ष बप्पी पात्रा, सचिव शिव प्रसाद शर्मा, मुख्य संरक्षक द्वारिका बलराम दास, संरक्षक बिनोद सिंह, अमित कुमार, उपाध्यक्ष विजय तिवारी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे है।

राम मंदिर में रथ सजकर हुआ तैयार : गोलमुरी स्थित इस्कॉन मंदिर में हर साल की तरह इस बार भी पूजा के लिए जबरदस्त तैयारी है भगवान जगन्नाथ , भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के रथ सजाने का काम अंतिम चरण में है। इस्कॉन मंदिर की ओर से इस बार भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा बिष्टुपुर स्थित राम मंदिर से दोपहर 2:30 बजे निकाली जायेगी। एक अनुमान के अनुसार इस यात्रा में लगभग 50 से 60 हजार भक्त शामिल होंगे। हर साल की तरह इस बार भी इस्कॉन मंदिर समिति द्वारा कुछ नया व अलग करने का प्लान बनाया है। इस बार बच्चों में भगवान राम और कृष्ण के चरित्र को भरने के लिए जूलूस का आयोजन किया जायेगा।

इस्कान मंदिर के जगन्नाथ दास ने बताया कि इस बार रथ यात्रा में विशेष रूप से बच्चों की झांकी निकाली जायेगी झांकी में बच्चे राधे कृष्ण, राम सीता लक्ष्मण, बानर सेना के रूप में दिखाई देंगे उन्होंने बताया कि बच्चों को अपने धर्म के प्रति जागरूक होने के लिए उन्हें इस कार्य से जोड़ा जा रहा है उन्होंने बताया कि इस बार भगवान जगन्नाथ के रथ की ऊंचाई 27 फूट का बनाया गया है। हर साल रथ की ऊंचाई 35 फुट होता था। जगन्नाथ दास ने बताया कि इस बार रथ की ऊंचाई 35 के बजाय 27 फुट की रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण पर निकलेंगे।उन्होंने बताया कि हर साल रथ की ऊंचाई ज्यादा होने से बिजली के तारों व पेडों की टहनियों में टकराने का खतरा होता था, इसलिए यह पूजा समिति द्वारा लिया गया उन्होंने बताया रथ यात्रा की तैयारी को लेकर पिछले मंगलवार को ही तीन रथ राम मंदिर में पहुंचाया गया है। उन्होंने बताया कि यात्रा राम मंदिर से दोपहर 2:30 बजे शुरू होगा, जो बिष्टुपुर से होते हुए साकची गोल चक्कर होते हुए साकची मनोकामना मंदिर तक रथ यात्रा संपन्न होगी। साथ ही बताया गया कि इस बार भगवान जगन्नाथ की सिंहासन 2 फीट का होगा। उन्होंने बताया कि सिंहासन को से रंग बिरंगे कपड़े से सजाया गया है।उन्होंने बताया कि रथ यात्रा से पहले भगवान जगन्नाथ को 56 प्रकार का लगेगा।

साथ ही बताया कि रथ यात्रा से पहले 19 को नेत्र उत्सव का आयोजन किया जायेगो उस दिन भगवान को अन्न का भोग लगेगा।

रथ यात्रा को लेकर चल रही तैयारी ● फोटोन न्यूज

उत्कल एसोसिएशन पहली बार रथ यात्रा का करेगा आयोजन

उत्कल एसोसिएशन द्वारा पहली बार रथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस बार एसोसिएशन द्वारा भगवान जगन्नाथ के लिए 16 फुट के रथ बनाया गया है। एसोसिएशन द्वारा रथ यात्रा की तैयारी पूरी कर ली गई है।

एसोसिएशन के सचिव तरुण कुमार मोहंती ने बताया कि एसोसिएशन की शुरूआत 1934 में हुई थी। उस समय से एसोसिएशन द्वारा केवल एसोसिएशन प्रांगण में बने भगवान जगन्नाथ कि पारंपरिक रूप से पूजा किया जाता है।जिसमें विशेष रूप से उड़िया समाज के लोगों शामिल होते थे।एसोसिएशन के बनने का लगभग 90 वर्ष पूरे होने वाले है। रथ यात्रा को भव्य बनाने के लिए विशेष रूप से पूरी से कारीगरों को बुलाया गया है, जो रथ निर्माण से लेकर यज्ञ मंडप बनाने का काम कर रहे है। इसके बाद रंगीन कपड़ों से रथ को सजाने का काम किया जा रहा है।

एसोसिएशन द्वारा पहली बार रथ यात्रा के आयोजन को लेकर विशेष रूप से 18 जून को रथ की प्रतिष्ठा हेतु सुबह 8 बजे से कलश यात्रा का आयोजन किया जायेगा।उसके बाद कलश को बनाये गए मंडप में स्थापित कर यज्ञ का आयोजन किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि 19 जून को एक विशेष रूप से भागवत परिचर्चा का आयोजन किया जायेगा। उस दौरान उड़ीसा से एक ग्रुप शामिल होगा जो वादय यंत्र बजायेगा। उन्होंने बताया कि

इस रथ यात्रा में शहर के तमाम सामाजिक संगठन, राजनीतिक संगठन, बार एसोसिएशन, ब्लड बैंक समेत सभी समुदाय के लोगों को आमंत्रित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ केवल उड़िया समाज के ही नहीं बल्कि सभी हिंदू समाज के है। उन्होंने बताया कि भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में शहर के लगभग 15 से 20 हजार भक्त शामिल होंगे, जो भगवान के रथ को आगे खीचेंगे। उन्होंने बताया कि पूजा के सारे विधि विधान पूरी की तरह होगा। उन्होंने बताया कि रथ यात्रा दोपहर 2 बजे निकलेगा जो साढ़े 6 बजे सूर्यास्त से पहले एसोसिएशन प्रांगण के भीतर बने मौसीबाड़े में विराजमान होंगे। तरुण कुमार मोहंती ने बताया कि इस बार पहली बार रथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है।इसलिए एक ही रथ पर भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा विराजमान होंगी।अगले साल इस रथ को बहन सुभद्रा के लिए रखा जायेगा, और भगवान जगन्नाथ और भाई बलभद्र के लिये नए दो रथ का निर्माण किया जायेगा।साथ ही उन्होंने बताया कि अगले साल और भी भव्य रूप से रथ यात्रा का आयोजन किया जायेगा।

BRIEF NEWS

जमशेदपुर अक्षेस ने प्रतिबंधित गुटखा के खिलाफ दुकानों में की छापेमारी

Jamshedpur: जमशेदपुर अक्षेस के विशेष पदाधिकारी के आदेश पर विभाग के उड़न दस्ता टीम द्वारा शनिवार को प्रतिबंधित गुटका के बिक्री को रोकने हेतु शहर भर के दुकानों में छापेमारी की जा रही है। खासकर स्कूलों और कालेजों के आस- पास के इलाकों में विशेष रूप से यह अभियान चलाया जा रहा है। बता दें राज्य में गुटके के बिक्री पर प्रतिबंध लगा हुआ है, बावजूद इसके चोरी-छिपे गुटखा की बिक्री की जा रही है। शनिवार को विभाग की टीम ने कदमा और साकची इलाके में यह छापेमारी अभियान चलाकर बड़ी मात्रा मे गुटखा जब्त किया। साथ ही सम्बंधित दुकानदारों से फाइन वसूला गया और आगे गुटखा नहीं बिक्री करने का निर्देश भी दिया गया।

राड़ महोत्सव कल, गोपाल मैदान में दिखेगी कुड़मी समाज के आंदोलन की झलक

Jamshedpur: शहर में रविवार 18 जून को गोपाल मैदान में झारखंडी संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। इस कार्यक्रम का नाम राड़ महोत्सव रखा गया है। आयोजन बृहद झारखंड कुड़मी समाज द्वारा किया जा रहा है। इस महोत्सव में एक साथ कई सांस्कृतिक व दूसरे कार्यक्रम देखने को मिलेगी। इसका मुख्य आकर्षण छऊ इका नृत्य, सांकेतिक भोक्ता टांगन आदि का आयोजन किया गया है। बताया गया कि आइपीएल फेम प्रभात कुमार महतो, हेम सिंह महतो, गोलक बिहारी महतो एवं दशरथ महतो द्वारा छऊ नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी। इसमें विशेष रूप से कुड़मी समाज के 'रेल रोको आंदोलन' तथा स्वतंत्रता सेनानी शहीद रघुनाथ महतो के जीवनी पर आधारित दृश्य की प्रस्तुति दी जाएगी। इसके साथ साथ आयोजकों द्वारा अतिथियों और मेला प्रेमियों के लिए भोजन की व्यवस्था की जाएगी, जिसमें स्वादिष्ट झारखंडी व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं। बताया गया कि राड़ महोत्सव में कुड़मी नेगाचारी (नेगनीति) एवं परब - त्यौहार, 12 मासे 13 परब नाट्य रूपांतर कर कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। महोत्सव में आने वाले लोगों को आगामी 20 सितंबर 2023 को आहूत रेल रोको आंदोलन में भाग लेने का आह्वान किया जाएगा। यह आयोजन मनोरंजन महतो, ललित महतो, अंकित महतो, मन्टू महतो, लालचांद महतो, सुमित महतो, नरेश महतो, विश्न महतो, कृपा महतो, मधु महतो, सुभाषचन्द्र महतो, अनुप महतो, बीरेन महतो, नारायण महतोकी देख रेख में किया जाएगा।

मकदमपुर से परसुडीह पुलिस ने 7 गोवंश बरामद किया, सभी लावारिस हालत में रखे गए थे

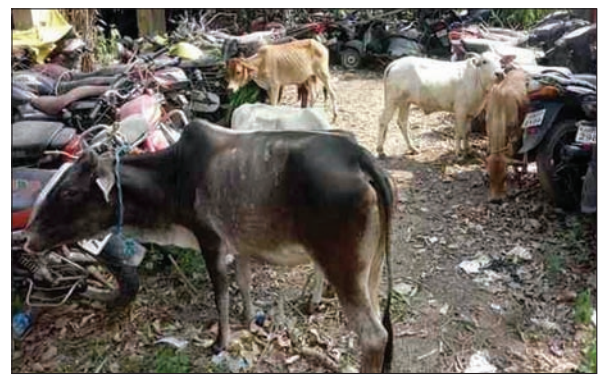

Jamshedpur: परसुडीह के मकदमपुर से शनिवार को पुलिस ने सात गोवंशीय पशु को बरामद किया है।सभी एक जगह बांधकर रखा गया था, गुप्त सूचना के आधार पर पहुंची पुलिस ने आस पास रहने वाले लोगों से पशुओं के बारे में पूछा तो किसी ने इन वर्क मालिकाना हक नहीं जताया। इसके बाद पुलिस ने सभी गोवंश को अपने कब्जे मेंलेकर कलियाडीह स्थित गौशाला भेज दिया। परसुडीह थाना प्रभारी राम कुमार वर्मा ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि इलाके में कुछ गोवंशीय पशुओं को रखा गया है। इसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और कार्रवाई करते हुए सभी पशुओं को बरामद किया।

एलएलबी में नामांकन को को ऑपरेटिव लॉ कॉलेज ने पहली मेधा सूची जारी की, 19 से शुरू होगा नामांकन

Jamshedpur: एलएलबी प्रवेश परीक्षा के लिए को ऑपरेटिव लॉ कॉलेज की ओर से पहली मेधा सूची जारी कर दी गई है। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ जितेंद्र कुमार ने बताया कि छात्र कॉलेज की वेबसाइट पर जाकर अपना नाम देख सकते हैं। सूची के आधार पर एडमिशन की प्रक्रिया 19 जून से शुरू होकर 4 जुलाई तक चलेगी। उन्होंने बताया कि के बाद सीट भी कराने पर दूसरी मेघा सूची जारी की जाएगी। वही नामांकन प्रक्रिया को सही ढंग से संचालन करने के लिए नामांकन कमेटी का गठन किया गया है। पूरे प्रक्रिया की मॉनिटरिंग करेगी। विदित हो कि एलएलबी प्रवेश परीक्षा का परिणाम पिछले सप्ताह कोल्हान विश्वविद्यालय में जारी किया गया था। इसके आधार पर कालेज के स्तर पर मेधा सूची तैयार की गई है। पहली मेरा सूची में जिन छात्रों का नाम शामिल किया गया है वे निर्धारित तिथि तक कॉलेज में जाकर अपना नामांकन सुनिश्चित करा सकते हैं।

भाजमो ने कैरेज कॉलोनी, मुस्लिम बस्ती और धोबी घाट में सड़क निर्माण कार्य का किया भूमि पूजन

Jamshedpur: जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय की पहल पर भाजमो बमार्माइंस मंडल ने बमार्माइंस मंडल के कैरेज कॉलोनी, मुस्लिम बस्ती और धोबी घाट में सड़क निर्माण कार्य को लेकर भूमि पूजन किया. इस अवसर पर मंडल के सभी पदाधिकारी उपस्थित थे. इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष दुर्गा राव ने बताया की पिछले 25 वर्षों से कैरेज कॉलोनी, मुस्लिम बस्ती और धोबी घाट में पक्की सड़क नहीं होने के कारण स्थानीय लोगों को बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ता था. उन्होंने बताया कि विधायक सरयू राय की पहल पर यह सड़क निर्माण कार्य को मंजूरी मिली है, जिसका विधिवत भूमि पूजन कर कार्य शनिवार को शुरू हुआ सड़क निर्माण के भूमि पूजन के अवसर पर मंडल पदाधिकारियों में मुख्य रुप से उपस्थित बमार्माइंस मंडल अध्यक्ष दुर्गा राव , महामंत्री बबलू झा, युवा मोर्चा अध्यक्ष राजकुमार सिंह, उपाध्यक्ष रविंद्र ठाकुर, मंत्री फिरोज, उपाध्यक्ष सुमित आदि उपस्थित थे.

एनटीटीएफ आरडी टाटा तकनीकी संस्थान के 14 छात्रों का पीएमटी कंपनी में चयन

जमशेदपुर: गोलमुरी स्थित एनटीटीएफ आरडी टाटा टेक्निकल सेंटर में पुणे की कंपनी पीएमटी की ओर से शनिवार को कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया। इसमे 14 छात्रों का चयन विभिन्न पदों के लिए किया गया। सर्वप्रथम पीएमटी कंपनी द्वारा दो राउंड रिटन टेस्ट एवं इंटरव्यू लिया गया। फिर छात्रों की तकनीकी क्षमता को परखा गया। परीक्षा में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देते हुए सभी छात्रों को मल्टी-ब्रांड, मल्टी-डिवीजन कंपनी पीएमटी पुणे द्वारा चयनित किया गया। छात्रों की सफलता एवं मेहनत से पूरा संस्थान गौरवान्वित है। कंपनी ने एनटीटीएफ के मेकाट्रॉनिक्स ब्रांच के उक्त 14 छात्रों का चयन किया। इनमें करण कुमार, सोनू कुमार, इंजेमाम अहमद, करण राज, एमडी हुजैफा, निशांत प्रसाद,सत्य प्रकाश, आकाश शर्मा, सागर बनर्जी, रोहित कुमार सिन्हा, आलोक कुमार मिश्रा, अभिषेक कुमार, विक्रांत कुमार रे और प्रियांशु शर्मा शामिल हैं। सभी चयनित छात्र फाइनल ईयर के हैं। सभी छात्रों को कंपनी द्वारा 2.40 लाख के पैकेज पर लॉक किया गया है। संस्थान के सभी प्रशिक्षकों ने चयनित छात्रों को बधाई दी है। इसमें संस्थान की प्लेसमेंट पदाधिकारी नेहा एव मिथिला महतो ने सहयोग किया। प्रशासनिक अधिकारी वरुण कुमार ने भी छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

43.8 डिग्री तापमान के बीच गैर कंपनी क्षेत्रों में 10 से 12 घंटे तक की बिजली कटौती से लोग बेहाल

मानगो के कई क्षेत्रों में सुबह 5 बजे से 10 बजे तक कटी रही बिजली

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR:
शहर में प्रचंड गर्मी के बीच बिजली कटौती से लोग बेहाल हैं। आलम यह है कि गैर कंपनी क्षेत्रों में 10 से 12 घंटे तक की बिजली कटौती हो रही है। दिन हो या रात हर समय बिजली एक नियमित अंतराल पर कट रही है। शनिवार को मानगो के अलग अलग क्षेत्रों में सुबह 5 बजे से 10 बजे तक बिजली कटी रही इसकी वजह से लोग परेशन रहे। कही पानी की किल्लत से लोग जुझते नजर आए तो कही उमस भरी गर्मी से ने पसीना छुड़ाया। यही हाल कदमा, आदित्यपुर, बागबेड़, हरहर गुट्टू, परसुडीह आदि क्षेत्रों का है जहां घंटो लाईट कटने से लोग बेहाल हैं। लेकिन आम जनता का कोई सुनने वाला नहीं है। शिकायत करने पर बिजली विभाग के अधिकारी कन्नी काटते हैं। लोगों का कहना है कि जब से गर्मी शुरू हुई है

बिजली कटौती का सिलसिला तब से शुरू है और जैसे जैसे गर्मी बढ़ रही है बिजली कटौती के घंटो में भी बढ़ोत्तरी होने लगी है। खासकर रात में बिजली कटौती से अधिक परेशानी है क्योंकि जैसे ही लोग सोने की तैयारी करते हैं बिजली कट जाती है।

पिछले एक सप्ताह से 43 डिग्री से अधिक पारा: जमशेदपुर में गर्मी किस कदर पड़ रही है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पिछले एक सप्ताह से पारा 43 डिग्री के पार बना हुआ है। इस दौरान गर्म पश्चिमी हवाएं शरीर को झुलसा देती है। दिन हो या रात हर पहर गर्मी पसीने छुड़ा रहा है। कहने को तो यह मानसून के आगमन का महीना है और इसकी शुरूआत काले बादलों से होती है। लेकिन इस वर्ष आसमान से बादल गायब हैं। कभी कभार शाम में छाते भी हैं तो वे राहत देने की जगह आर्द्रता को बढ़ा देते हैं जिससे रात में उमस अधिक महसूस होती है। पिछले 20 सालों में ऐसा पहली बार है जब जून में लगातार सात दिन अधिकतम पारा 42 डिग्री के पार रहा है।

- हरहरगुट्टू, बागबेड़ा में पूरी रात बिजली कट से परेशान रहे लोग

20 से मिल सकती है राहत: मौसम विभाग के रांची केंद्र की मानें तो 19 जून के बाद शहर के मौसम का मिजाज बदलेगा। इस दौरान प्री मानसून बादलों के आने का सिलसिला शुरू होगा इसकी वजह हल्की बारिश देखने को मिलेगी। ऐसे में 20 जून से गर्मी से राहत मिल सकती है। वहीं 22 जून के बाद मानसून आने की संभावन मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने व्यक्त कि है। ऐसे में इस बार करीब 7 से 8 दिन की देरी से मानसून झारखंड में पहुंचेगा। इसके बाद ही गर्मी से राहत मिलने की संभावना है।

आईआईटी, एनआईटी समेत अन्य केंद्रीय तकनीकी संस्थानों में नामांकन के लिए आवेदन कल से

JEE एडवांस का रिजल्ट आज होगा जारी

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR:
देश के तमाम आईआईटी, एनआईटी और अन्य केंद्रीय वित्तपोषित तकनीकी संस्थानों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों की काउंसलिंग का शेड्यूल सीट एलोकेशन शनिवार को जारी कर दिया गया। काउंसलिंग की तारीखों को आधिकारिक वेबसाइट josaa.nic.in पर देखा जा सकता है। परिणाम रविवार को पकाशित होंगे। काउंसलिंग और च्वाइस फिलिंग की प्रक्रिया 19 जून को सुबह 10 बजे से शुरू होगी। शेड्यूल के मुताबिक मॉक सीट आवंटन 25 जून को होगा और JoSAA काउंसलिंग आवेदन की समय सीमा 28 जून है। 30 जून को, JoSAA अपने राउंड 1 के लिए काउंसलिंग 2023 सीट आवंटन परिणामों की घोषणा करेगा। हालांकि, राउंड 2 सीट आवंटन का परिणाम 6 जुलाई को घोषित किया जाएगा। 6 जुलाई से 10 जुलाई तक, चुने गए अभ्यर्थी JoSAA काउंसलिंग पंजीकरण पूरा कर सकते हैं।

- जोशा ने काउंसिलिंग की तिथि के साथ ही सीट मैट्रिक्स अपलोड की

जोसा काउंसलिंग 2023 के लिए ऐसे करें रजिस्ट्रेशन

चरण 1: ब्राउजर खोलें और संयुक्त सीट आवंटन की आधिकारिक वेबसाइट josaa.nic.in पर जाएं।

चरण 2: पंजीकरण प्रक्रिया को

पूरा करने के लिए सीधे लिंक 'जोसा पंजीकरण' पर क्लिक करें।

चरण 3: आवश्यक फील्ड में सभी आवश्यक क्रेडेंशियल्स भरें। JOSAA 2023 काउंसलिंग छह चरणों में होगी। छठे राउंड के बाद केवल एनआईटी+ सिस्टम के लिए ही प्रवेश दिए जाएंगे। अधिक जानकारी अभ्यर्थी ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर चेक कर सकते हैं। ऑफिशियल वेबसाइट पर डिटेल्स दी गई है। आपको बता दें कि शिक्षा मंत्रालय ने 33 अन्य केंद्रीय वित्त पोषित तकनीकी संस्थानों और 23 आईआईटी, 31 एनआईटी, आईआईईएसटी शिलपुर और 26 आईआईआईटी सहित 114 संस्थानों में प्रवेश के लिए संयुक्त सीट आवंटन की निगरानी और नियंत्रण के लिए संयुक्त सीट आवंटन प्राधिकरण की स्थापना की है।

18 जून को जारी होगी एडवांस्ड का परिणाम: जोसा शेड्यूल जारी होने के साथ ही नटीए की तरफ से आयोजित ईई एडवांस्ड के रिजल्ट की बारी है जो 18 जून को जारी कर दिया जाएगा। एडवांस्ड में मिले रैंक के जरीए ही देश के तमाम आईआईटी मे दाखिला होगा। छात्र अपना परिणाम एनटीए के ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर चेक कर सकेंगे।

जोशा काउंसिलिंग की प्रमुख तिथियां

19 - 28 जून: काउंसलिंग रजिस्ट्रेशन और चॉइस फिलिंग
30 जून: काउंसलिंग सीट आवंटन (राउंड 1)
30 जून-4 जुलाई: काउंसलिंग राउंड 1 के लिए ऑनलाइन रिपोर्टिंग
5 जुलाई: जोसा काउंसलिंग राउंड 1 का जवाब देने की अंतिम तिथि
6 जुलाई : काउंसलिंग सीट आवंटन (राउंड 2)
6 जुलाई- 10 जुलाई : जोसा काउंसलिंग राउंड 2 के लिए ऑनलाइन रिपोर्टिंग
7 जुलाई - 11 जुलाई: काउंसलिंग सीट की वापसी / सीट आवंटन प्रक्रिया से बाहर निकलना (राउंड 2)।

THE PHOTON NEWS
06 www.thephotonnews.com
Sunday, 18 June 2023

सार्थक रही राष्ट्रपति मुर्मू की सर्बिया यात्रा

✍ डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

साल 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत और सर्बिया के बीच सूचना, प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में सहयोग को लेकर समझौता ज्ञापन पर हुए हस्ताक्षर को मंजूरी प्रदान की थी। सर्बिया के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर वुसिक के निमंत्रण पर द्रौपदी मुर्मू सर्बिया यात्रा पर गईं थीं। उन्होंने बेलग्रेड में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। भारतीय समुदाय के लोगों से संवाद किया। उन्होंने भारत के एक आर्थिक शक्ति के रूप में उभरने और इसके द्वारा प्रदान किए जाने वाले असंख्य अवसरों का उल्लेख किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की सर्बिया यात्रा सार्थक रही। इससे दोनों देशों के सम्बन्ध सुदृढ़ हुए। आपसी साझेदारी का विकास हुआ। इसके अलावा द्रौपदी मुर्मू ने भारत के विकास और विश्व शांति के लिए उसके प्रयासों का प्रमुखता से उल्लेख किया। उनके इन विचारों की विश्व स्तर पर चर्चा हुई। इस प्रकार राष्ट्रपति की यात्रा द्विपक्षीय सम्बन्ध के साथ ही भारत के व्यापक हितों का संवर्धन करने वाली साबित हुई। सर्बिया की यात्रा करने वाली वह देश की पहली राष्ट्रपति हैं। सर्बिया उस यूगोस्लाविया का ही हिस्सा हुआ करता था, जिसके भारत के मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध थे। भारत और यूगोस्लाविया गुटनिरपेक्ष आंदोलन के संस्थापक हैं। 1990 में यूगोस्लाविया का विघटन हुआ। उससे कई देश बने। इसमें क्रोएशिया, सर्बिया, मोंटेनेग्रो, मैसेडोनिया, बोस्निया हर्ज़ेगोविना शामिल हैं। भारत के सर्बिया से अच्छे सम्बन्ध रहे हैं। साल 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत और सर्बिया के बीच सूचना, प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में सहयोग को लेकर समझौता ज्ञापन पर हुए हस्ताक्षर को मंजूरी प्रदान की थी। सर्बिया के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर वुसिक के निमंत्रण पर द्रौपदी मुर्मू सर्बिया यात्रा पर गईं थीं। उन्होंने बेलग्रेड में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। भारतीय समुदाय के लोगों से संवाद किया। उन्होंने भारत के एक आर्थिक शक्ति के रूप में उभरने और इसके द्वारा प्रदान किए जाने वाले असंख्य अवसरों का उल्लेख किया। भारत-सर्बिया संबंधों को मजबूत करने की दिशा में सकारात्मक योगदान देने का आह्वान किया। द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत तेजी से और अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। देश दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। भारत में नए बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास हो रहा है। देश के 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बन जाएगा। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। साढ़े तीन हजार अरब अमरीकी डालर के करीब सकल घरेलू उत्पाद के साथ यहह आगे बढ़ रही है। भारत और सर्बिया के बीच सूचना, प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में सहयोग बढ़ रहा है। दोनों देशों के अन्य सार्वजनिक और निजी संगठनों के बीच सक्रिय सहयोग के आदान प्रदान, संस्थाओं के क्षमता निर्माण के क्षेत्र को बढ़ावा मिल रहा है। सर्बिया के साथ भारत के संबंधों को विशेष रूप से गुटनिरपेक्ष आंदोलन के संदर्भ में परिभाषित किया गया है। सर्बिया के कई खेल प्रशिक्षक भारतीय एथलीटों और खिलाड़ियों को अपना कौशल सुधारने में सहयोग कर रहे हैं। एलेक्जेंडर वुसिक ने क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रों की संप्रभुता पर सर्बिया के रुख को दोहराया। द्विपक्षीय चर्चाओं के दौरान राष्ट्रपति वुसिक के साथ उनकी सरकार के आठ मंत्री शामिल हुए। इस दौरान फिल्म निर्माण और छायांकन सहित रक्षा और सैन्य-तकनीक सहयोग, फार्मास्यूटिकल्स,कृषि, औद्योगिक सहयोग, सूचना प्रौद्योगिकी, एआई और सांस्कृतिक सहयोग सहित क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। सर्बिया की प्रधानमंत्री एना ब्रनाबिक की भी द्रौपदी मुर्मू के साथ वार्ता हुई। दोनों ने व्यापार, आर्थिक, पर्यटन और संस्कृति में संभावित सहयोग पर विचार-विमर्श किया। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष ने भी संसदीय संवाद के क्रम को चलाने पर विचार-विमर्श किया। जाहिर है कि राष्ट्रपति की सर्बिया यात्रा उपयोगी रही। इससे पहले भारत के उपराष्ट्रपति ने 2018 में सर्बिया का दौरा किया था और इससे पहले सर्बिया के प्रधानमंत्री 2017 में भारत आए थे। पिछले कई दशकों के दौरान हमारी आर्थिक साझेदारी का विस्तार हुआ है और यह सूचना प्रौद्योगिकी, कृषि, बुनियादी ढांचे और फार्मास्यूटिकल्स सहित विभिन्न क्षेत्रों तक भी पहुंचा है। हमारे बीच सांस्कृतिक, शैक्षणिक और लोगों से लोगों के बीच मजबूत संबंध हैं। सर्बिया यूरोप का एकमात्र देश है जो भारतीय पासपोर्ट धारकों को 30 दिन तक रहने के लिए वीजा मुक्त प्रवेश की अनुमति देता है। इसने लोगों से लोगों के बीच निकटता बनाने में योगदान दिया है। बड़ी संख्या में भारतीय सर्बिया की यात्रा कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में सर्बियाई लोगों ने व्यापार और सांस्कृतिक उद्देश्यों जैसे योग, आयुर्वेद और स्वास्थ्य लाभ के लिए भारत का दौरा किया है।

जी-20 और भारत, डिजिटल हेल्थ का वैश्विक दृष्टिकोण

ANALYSIS

✍ डॉ. मनसुख मांडविया

डिजिटल स्वास्थ्य की उत्साहपूर्ण दुनिया छोटे किन्तु प्रभावपूर्ण प्रायोगिक और उप क्षेत्रों में स्मार्ट वियरेबल्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, वर्चुअल केयर, रिमोट मॉनिटरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा एनालिटिक्स, ब्लॉक-चेन, डेटा एक्सचेंज को सक्षम बनाने वाले उपकरण, स्टोरेज, दूरस्थ डेटा कैप्चर जैसे नवाचारों से परिपूर्ण हैं परन्तु यह एकीकृत वैश्विक दृष्टिकोण के अभाव में एक बिखरे हुए इको सिस्टम में उलझी हुई है। ये सारी परिस्थितियां ऐसे समय में हैं जब महामारी ने हमें पहले से ही स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में डिजिटल उपकरणों की असाधारण क्षमता का अहसास करा दिया है। हाल के दिनों में हम भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में डिजिटल उपकरणों की परिवर्तनकारी क्षमता का उपयोग करने के साथ-साथ इसका अनुभव कर चुके हैं। कोविड-19 के दौरान, कोविन और ई-संजीवनी जैसे प्लेटफॉर्म पूरी तरह से गेम-चेंजर सिद्ध हुए। इन डिजिटल उपकरणों ने न सिर्फ टीके लगाने के तरीके को ही बदल दिया बल्कि इनके माध्यम से एक अरब से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई गईं और इनमें वे लोग भी शामिल थे।

आज इंटरनेट के बिना हम एक ऐसी दुनिया की कल्पना करें, जहां कंप्यूटर नेटवर्क एक-दूसरे से जुड़े न हों। इस तरह की संपर्क रहित दुनिया में, एक देश के लोग ऐसी क्षमता के पुनः आविष्कार पर कार्य करना जारी रख सकते हैं जिसे विश्व के दूसरे भाग में वर्षों से उपयोग किया जा रहा है। लेकिन एक मानकीकृत इंटरनेट प्रोटोकॉल (आईपी) के बिना, वास्तविकता का हमारा संस्करण मूल रूप से ऐसी व्यवस्था से अलग दिखाई देगा जिसके पास कई स्थानीय क्षेत्रीय नेटवर्क तो हैं लेकिन प्लग-इन करने के लिए कोई समान मानक इंटरनेट सुविधा नहीं है। वास्तविकता का यह वैकल्पिक संस्करण उस प्रवाह के समान है जिसका डिजिटल हेल्थ (स्वास्थ्य) क्षेत्र आज सामना कर रहा है- विघटनकारी प्रौद्योगिकियों के मुहाने पर मौजूद दुनिया इस मामले में अंतरराष्ट्रीय नेतृत्व से एक मानकीकृत ढांचे और दिशा के साथ-साथ एक निर्णायक पहल की प्रतीक्षा कर रही है ताकि इसके माध्यम से अरबों लोगों को लाभान्वित करने की क्षमता रखने वाले नवाचार को ग्लोबल साउथ में बढ़ावा देते हुए बनाए रखना सुनिश्चित किया जा सके। डिजिटल स्वास्थ्य की उत्साहपूर्ण दुनिया छोटे किन्तु प्रभावपूर्ण प्रायोगिक और उप क्षेत्रों में स्मार्ट वियरेबल्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, वर्चुअल केयर, रिमोट मॉनिटरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा एनालिटिक्स, ब्लॉक-चेन, डेटा एक्सचेंज को सक्षम बनाने वाले उपकरण, स्टोरेज, दूरस्थ डेटा कैप्चर जैसे नवाचारों से परिपूर्ण हैं परन्तु यह एकीकृत वैश्विक दृष्टिकोण के अभाव में एक बिखरे हुए इको सिस्टम में उलझी हुई है। ये सारी परिस्थितियां ऐसे समय में हैं जब महामारी ने हमें पहले से ही स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में डिजिटल उपकरणों की असाधारण क्षमता का अहसास करा दिया है। हाल के दिनों में हम भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में डिजिटल उपकरणों की परिवर्तनकारी क्षमता का उपयोग करने के साथ-साथ इसका अनुभव कर चुके हैं। कोविड-19 के दौरान, कोविन और ई-संजीवनी जैसे प्लेटफॉर्म पूरी तरह से गेम-चेंजर सिद्ध हुए। इन डिजिटल उपकरणों ने न सिर्फ टीके लगाने के तरीके को ही बदल दिया बल्कि इनके माध्यम से एक अरब से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई गईं और इनमें वे लोग भी शामिल थे, जिन तक पहुंचना सबसे मुश्किल कार्य था। भारत के कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम का डिजिटल आधार- कोविन, जहां एक ओर वैक्सीन की उपलब्धता और इसे लगाए जाने की व्यवस्था पर नजर रखता है तो वहीं दूसरी ओर यह प्रत्येक लाभार्थी के कोविड-19 टीकाकरण के लिए पंजीकरण करने के अलावा वास्तविक टीकाकरण प्रक्रिया, टीकाकरण के प्रमाण के रूप में डिजिटल प्रमाणपत्र के साथ-साथ अन्य सुविधाऐं भी प्रदान करता है। लोगों और व्यवस्था के बीच सूचना की विषमता को कम करते हुए, कोविन ने टीकाकरण अभियान को लोकतंत्रात्मक बनाते हुए यह सुनिश्चित भी किया कि सभी पात्र लाभार्थियों के लिए टीकों की उपलब्धता को सुलभ बनाया जा सके। अमीर हो या गरीब, यह सभी के लिए टीकाकरण कराने का समान तरीका था और सभी टीका लगवाने के लिए एक ही कतार में खड़े थे। इस सशक्त साधन की क्षमता को देखते हुए, हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे दुनिया के लिए एक भेंट के रूप में प्रस्तुत किया। इसी तरह से टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म ई-संजीवनी, जिसके माध्यम से लोगों को अपने घर पर ही आरामपूर्वक डॉक्टरों के साथ ऑनलाइन परामर्श की सुविधा मिली, शीघ्र ही लोकप्रिय हो गया और इसके माध्यम से 10 करोड़ से अधिक परामर्श लिए गए। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक दिन में सर्वाधिक 5 लाख से अधिक परामर्श भी लिए गए। डिजिटल रूप से सक्षम कोविड वार रूम ने लगभग वास्तविक समय पर ही हमें साक्ष्य-आधारित नीतिगत निर्णय लेने में सहायता की। एक विशेष निगरानी प्रणाली- कोविड-19 इंडिया पोर्टल ने भौगोलिक स्थिति के आधार पर न सिर्फ बीमारी बल्कि मामलों की संख्या के आधार पर राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर मांग का आकलन करते हुए आवश्यक आपूर्ति के लिए आवश्यक वस्तु सूची की निगरानी भी की। आरोग्य सेतु, आरटी-पीसीआर ऐप और अन्य डिजिटल उपकरणों के माध्यम से हमारे देश के डेटा को नीति में परिवर्तित करने का मार्ग प्रशस्त किया जिसने हमारी कोविड-19 नीति प्रतिक्रिया को एक परिमाण के क्रम से मजबूत किया। सार्वजनिक स्वास्थ्य में डिजिटल उपकरणों की पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए, भारत पहले से ही एक राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य इको सिस्टम- आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) को तैयार कर रहा है। इसके माध्यम से रोगी अपने मेडिकल रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने और इसे प्राप्त करने के अलावा उचित उपचार और उपचार उपरान्त की प्रक्रिया को सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के साथ साझा कर सकते हैं। यह रोगियों को स्वास्थ्य सुविधाओं और सेवा प्रदाताओं के बारे में सटीक जानकारी दिलाने में मदद करता है। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सक्षम नेतृत्व में भारत दुनिया के लिए, विशेष रूप से निम्न और मध्यम आय वाले देशों में समान डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए हमारे शिक्षण और संसाधनों को साझा करने के लिए तैयार है ताकि हमारे अनुभव उन्हें डिजिटल सार्वजनिक वस्तुओं के लिए किए जाने वाले प्रयासों में मदद कर सकें। विश्व के इन क्षेत्रों में सुविधाओं से वंचित लोग अत्याधुनिक डिजिटल समाधानों और नवाचारों का लाभ प्राप्त कर सकते हैं और इसे सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाव कवरेज का सपना साकार हो सकता है। कॉपीराइट व्यवस्था और स्वामित्व प्रणालियों ने डिजिटल समाधानों तक पहुंच को अवरुद्ध कर दिया है। अधिकांश परिवर्तनकारी डिजिटल समाधान आसानी से उपलब्ध नहीं हैं, क्योंकि वे भाषा, सामग्री और उन तक पहुंचने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे के संदर्भ में असमान रूप से वितरित हैं। प्रासंगिक डिजिटल सार्वजनिक सामान या ओपन-सोर्स समाधान मौजूद होने पर भी, उनकी उपयोगिता सीमित है क्योंकि वे एक मंच, डेटा और नीति से बंधे हैं जिसके लिए कोई समान वैश्विक मानक नहीं हैं। इसके अलावा, डिजिटल स्वास्थ्य के लिए कोई व्यापक वैश्विक प्रशासनिक प्रारूप भी नहीं है जो विभिन्न प्रणालियों में पारस्परिकता का ध्यान रख सके। डिजिटल स्वास्थ्य के संदर्भ में वैश्विक मानकों को निर्धारित करने के लिए कई स्वतंत्र प्रयास भी जारी हैं, लेकिन ये पहल एकाधिकार के तौर पर कार्य कर रही हैं, और लागू होने के लिए किसी भी समर्थन के बिना काफी हद तक असंगठित हैं। ये चुनौतियां अवसरों में बदल सकती हैं, यदि हम एक वैश्विक समुदाय के रूप में एक प्रभावी एकल मंच पर सभी प्रयासों को समान रूप से साथ रखने का संकल्प कर सकते हैं। इस मामले में जी-20 प्रभावी रूप से डिजिटल स्वास्थ्य के क्षेत्र में भविष्य के लिए दृष्टिकोण पर विचार करने और इसका निर्माण करने के लिए एक शक्तिशाली मंच के रूप में तैयार है। कल्पना कीजिए कि अगर हम मानवता के लिए डिजिटल स्वास्थ्य के लिए एक प्रभावी वैश्विक प्रारूप बनाते हैं और उसे लागू करते हैं तो इस असाधारण क्षमता को सबके लिए समान रूप से उपयोग किया जा सकता है। इसके लिए हमें सामूहिक रूप से वर्तमान में जारी विभिन्न प्रयासों को डिजिटल स्वास्थ्य पर एक समान वैश्विक पहल में परिवर्तित करने के साथ-साथ एक शासन ढांचे को संस्थागत बनाने, एक समान प्रोटोकॉल पर सहयोग करने, डिजिटल सार्वजनिक वस्तुओं के रूप में स्वास्थ्य सेवा में आशाजनक डिजिटल समाधानों की पहचान करने और उनका विस्तार करने, विभिन्न विषयों और क्षेत्रों से सभी प्रासंगिक हितधारकों को एक साथ लाने के लिए संस्थाओं को स्थापित करने के अलावा वैश्विक स्वास्थ्य डेटा विनिमय के लिए विश्वास निर्माण और ऐसी पहलों को वित्तपोषित करने के तरीकों को खोजने की आवश्यकता है जैसा कि दशकों पहले इंटरनेट के लिए किया गया था। जी-20 की अध्यक्षता के अंग के रूप में, हम भारत में इनमें से कुछ मुद्दों पर आम सहमति बनाने और उन्हें संचालित करने के लिए एक व्यवहार्य व्यवस्था के साथ एक रोडमैप बनाने का प्रयास करेंगे, ताकि डिजिटल स्वास्थ्य की पूरी क्षमता को ग्लोबल साउथ देशों सहित पूरी दुनिया के लिए उपयोग किया जा सके।

लेखक, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याणमंत्री हैं।

शिक्षा से दूर, बच्चे ही मजबूर

पढ़ने-लिखने की उम्र में श्रम के तंदूर में झुलसता बचपन किसी के लिए भी त्रासद हो सकता है। आखिर कौन माता-पिता नहीं चाहता कि उसका बेटा भी पढ़-लिखकर सुसभ्य नागरिक और देश का निमार्ता बने। यह तब है जब भारत में बाल श्रम के खिलाफ राष्ट्रीय कानून और नीतियां प्रभावी हैं। भारत का संविधान (26 जनवरी 1950) मौलिक अधिकारों और राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांत की विभिन्न धाराओं के माध्यम से कहता है- 14 साल के कम उम्र का कोई भी बच्चा किसी फैक्टरी या खदान में काम करने के लिए नियुक्त नहीं किया जाएगा और न ही किसी अन्य खतरनाक नियोजन में नियुक्त किया जाएगा (धारा 24)। राज्य अपनी नीतियां इस तरह निर्धारित करेंगे कि श्रमिकों, पुरुषों और महिलाओं का स्वास्थ्य तथा उनकी क्षमता सुरक्षित रह सके और बच्चों की कम उम्र का शोषण न हो तथा वे अपनी उम्र व शक्ति के प्रतिकूल काम में आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्रवेश करें (धारा 39-ई)। बच्चों को स्वस्थ तरीके से स्वतंत्र व सम्मानजनक स्थिति में विकास के अवसर तथा सुविधाएं दी जाएंगी और बचपन और जवानी को नैतिक व भौतिक दुरुपयोग से बचाया जाएगा (धारा 39-एफ)। संविधान लागू होने के 10 साल के भीतर राज्य 14 वर्ष तक की उम्र के सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा देने का प्रयास करेंगे (धारा 45)। बाल श्रम एक ऐसा विषय है, जिस पर संघीय व राज्य सरकारें, दोनों कानून बना सकती हैं। इस संबंध में संघीय सरकार ने कानून भी बनाए गए हैं। इनमें प्रमुख हैं-बाल श्रम (निषेध व नियमन) कानून 1986। यह कानून 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को 13 पेशा और 57 प्रक्रियाओं में, जिन्हें बच्चों के जीवन और स्वास्थ्य के लिए अहितकर माना गया है, नियोजन को निषिद्ध बनाता है। इन धंधों और प्रक्रिया का उल्लेख कानून की अनुसूची में है। दूसरा है- फैक्टरी कानून 1948। यह कानून 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के नियोजन को निषिद्ध करता है। 15 से 18 वर्ष तक के किशोर किसी फैक्टरी में तभी नियुक्त किए जा सकते हैं, जब उनके पास किसी अधिकृत चिकित्सक का फिटनेस प्रमाण पत्र हो। इस कानून में 14 से 18 वर्ष तक के बच्चों के लिए हर दिन साढ़े चार घंटे की कार्यावधि तय की गई है और रात में उनके काम करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। भारत में बाल श्रम के खिलाफ कार्रवाई में महत्वपूर्ण न्यायिक हस्तक्षेप 1996 में सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले से आया, जिसमें संघीय और राज्य सरकारों को खतरनाक प्रक्रियाओं और पेशों में काम करने वाले बच्चों की पहचान करने, उन्हें काम से हटाने और उन्हें गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया गया। देश की सबसे बड़ी अदालत ने यह हुक्म भी दिया था कि एक बाल श्रम पुनर्वास सह कल्याण कोष की स्थापना की जाए। इसमें बाल श्रम कानून का उल्लंघन करने वाले नियोक्ताओं के अंशदान का उपयोग हो। बाल श्रम ऐसा दुश्चक्र है, जो बच्चों से स्कूल जाने का अधिकार छीन लेता है। पीढ़ी दर पीढ़ी गरीबी के चक्रव्यूह से बाहर नहीं निकलने देता। साल 2011 की जनगणना के के अनुसार, भारत में बाल मजदूरों की संख्या 1.01 करोड़ है। इसमें 56 लाख लड़के और 45 लाख लड़कियां हैं। दुनिया भर में 6.4 करोड़ लड़कियां और 8.8 करोड़ लड़के बाल मजदूर होने का अनुमान लगाया गया है। अगर इस अनुमान पर भरोसा किया जाए तो विश्व में प्रत्येक 10 बच्चों में से एक बच्चा बाल मजदूर है। हालांकि कुछ वर्षों से बाल श्रमिक दर में कुछ कमी आई है। बावजूद इसके बच्चों को कुछ कठिन कार्यों में अभी भी लगाया जा रहा है। मसलन बंधुआ मजदूरी, बाल सैनिक (चाइल्ड सोल्जर) और देह व्यापार। भारत में विभिन्न उद्योगों में बाल मजदूरों को काम करते हुए देखा जा सकता है। देश में बाल मजदूरी और शोषण के कई कारण हैं। इनमें गरीबी, सामाजिक मानदंड, वयस्कों तथा किशोरों के लिए अच्छे कार्य करने के अवसरों की कमी, प्रवास आदि हैं। ये सब वजह सिर्फ कारण नहीं बल्कि भेदभाव से पैदा होने वाली सामाजिक असमानता का परिणाम हैं। अब तो यह साबित हो चुका है कि बाल मजदूरी शिक्षा में बहुत बड़ी रुकावट है। इससे बच्चों के स्कूल जाने में उनकी उपस्थिति और प्रदर्शन पर खराब प्रभाव पड़ता है। बाल तस्करी तो बाल मजदूरी से भी बड़ा अभिशाप है। बाल मजदूरी और शोषण को एकीकृत दृष्टिकोण और सामुदायिक प्रयासों से रोका जा सकता है। इसमें स्वैच्छिक संगठनों और शिक्षकों का अहम योगदान हो सकता है। यूनीसेफ, सरकार और निजी एंजेसियों के साथ मिलकर इस संबंध में जरूरी नीतियां तैयार करता है। वक्त आ गया है कि हमें बाल मजदूरी की सांस्कृतिक स्वीकृति को खारिज करने की जरूरत है। बाल अधिकारों पर वैश्विक स्तर पर विचार-विमर्श विभिन्न स्तर पर जारी रहता है। संयुक्त राष्ट्र अधिवेशन में तो कई बार चर्चा हो चुकी है। देश के स्कूली बच्चों को श्रम के भंवरजाल से बाहर निकालने का संकल्प हाल ही में नई दिल्ली में भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ और एजुकेशन इंटरनेशनल ने लिया है। इस अंतरराष्ट्रीय पहल पर दुनिया भर के शिक्षाविदों ने चर्चा की है। एजुकेशन इंटरनेशनल की अध्यक्ष मिसेज सुजन हॉपगूड ने कहा, दुनिया में भारत ऐसा देश है जहां सबसे अधिक बाल श्रमिक हैं। इनमें स्कूल गोइंग स्टूडेंट्स की संख्या में इजाफा चिंताजनक है। इसे समाप्त करना महत्वपूर्ण चुनौती है। शिक्षक संगठनों और सरकार के प्रयासों के बावजूद ऐसी स्थिति गंभीर इशारा कर रही है। उल्लेखनीय है कि 2009 में शिक्षा का अधिकार अधिनियम पारित हो चुका है। इसमें मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान है। हॉपगूड ने हैरानी जताई कि इस अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए भगीरथ प्रयास नहीं हो रहे।

Social Media Corner

सच के हक में...

ऑपरेशन गंगा हमारे लोगों के साथ खड़े होने के हमारे दृढ़ संकल्प को दशार्ता है, चाहे चुनौती कितनी भी कठिन क्यों न हो। यह भारत की अदम्य भावना को भी दशार्ता है। यह वृत्तचित्र इस ऑपरेशन से संबंधित पहलुओं पर बहुत जानकारीपूर्ण होगा।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

धनबाद के अखबारों की हेडलाइन देखकर हतप्रभ हूं कि राज्य के इतने बड़े और प्रभावशाली शहर में गुंडे-माफियाओं के खौफ से दर्जनों दुकानें महीनों से बंद हैं। रंगदारी मांगने वालों से भयभीत होकर दुकानदार बिलखकर रो रहे हैं। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि व्यवसायी अपना कारोबार समेट कर जा रहे हैं। यह बहुत डरावनी और एक राज्य के रूप में कलंकित करने वाली घटना है। धनबाद की निकम्मी, वसूलीबाज, गरीब उत्पीड़क और कायर पुलिस को तनिक भी लाज शर्म नहीं आती? बिना पुलिस की मदद के अपराधियों के हौसले इतने बुलंद कैसे हो गए? आपने कितने माफियाओं को पकड़ा? कार्रवाई की? जेल भेजा? सजा हुई? एक खूंखार माफिया को तो आपने विदेश भगा दिया। कार्रवाई क्या खाक करेंगे। पुलिस जब ट्रकों से वसूली करेगी, अवैध खदानों से हफ्ता लेगी, गुंडों से पैसा लेगी तो कार्रवाई किसपर होगी? मैं पिछले एक साल से कह रहा हूँ कि एसएसपी धनबाद पर विभागीय जांच बैठानी चाहिए, इन्हें निलंबित करना चाहिए, क्योंकि इस अधिकारी को हटाए बिना इस नेक्सस पर प्रहार हो ही नहीं सकता।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

विस्थापन की त्रासदी झेलने को मजबूर

> सूडान में संघर्ष के चलते अप्रैल के बाद से करीब बीस लाख लोग अपना घर-बार छोड़ चुके हैं। इसी तरह कांगो गणराज्य, इथोपिया और म्यांमा में संघर्ष के कारण करब दस-दस लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र के शरणार्थी उच्चायुक्त ने इसे मानवता के लिए कलंक माना है। इन देशों में अभी स्थितियां सुधरने या बदलने की कोई उम्मीद भी नजर नहीं आ रही। सीरिया, लेबनान, लीबिया में संघर्ष और विस्थापन की त्रासदी लोग देख ही चुके हैं। दुनिया के बहुत सारे देशों में अपने पड़ोसी देशों के साथ या आंतरिक संघर्ष चल रहा है, जातीय संघर्ष, धार्मिक कट्टरता, आतंकवाद, गृहयुद्ध, गरीबी आदि वजहों से लोग अपना मूल निवास छोड़ कर कहीं दूसरी सुरक्षित जगहों पर शरण पाने की कोशिश कर रहे हैं।

सूडान और यूक्रेन संकट के चलते ग्यारह करोड़ लोग विस्थापित हुए। एक करोड़ दस लाख से अधिक लोगों को यूक्रेन पर रूस के हमले के कारण अपना घर-बार छोड़ना पड़ा। द्वितीय महायुद्ध के बाद से यह पहली बार है जब इतनी बड़ी संख्या में लोगों को अपना मूल निवास छोड़ कर दूसरी जगहों पर ठिकाना तलाशने को मजबूर होना पड़ा। सूडान में संघर्ष के चलते अप्रैल के बाद से करीब बीस लाख लोग अपना घर-बार छोड़ चुके हैं। इसी तरह कांगो गणराज्य, इथोपिया और म्यांमा में संघर्ष के कारण करब दस-दस लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र के शरणार्थी उच्चायुक्त ने इसे मानवता के लिए कलंक माना है। इन देशों में अभी स्थितियां सुधरने या बदलने की कोई उम्मीद भी नजर नहीं आ रही। सीरिया, लेबनान, लीबिया में संघर्ष और विस्थापन की त्रासदी लोग देख ही चुके हैं। दुनिया के बहुत सारे देशों में अपने पड़ोसी देशों के साथ या आंतरिक संघर्ष चल रहा है, जातीय संघर्ष, धार्मिक कट्टरता, आतंकवाद, गृहयुद्ध, गरीबी आदि वजहों से लोग अपना मूल निवास छोड़ कर कहीं दूसरी सुरक्षित जगहों पर शरण पाने की कोशिश कर रहे हैं। इनमें से बहुत सारे लोग वर्षों से शरणार्थी के रूप में रह रहे हैं, सुरक्षा कारणों से वे वापस अपने वतन जाना भी नहीं चाहते। किन्हीं विषम परिस्थितियों में लोगों को अपना बसा-बसाया घर-बार, रोजगार के साथन, जमीन-जायदाद छोड़ कर दूसरे किसी देश के शरणार्थी शिविर में रह कर संघर्ष करना पड़े, तो उनके जीवन की त्रासदी का अंदाजा लगाया जा सकता है। दूसरे विश्वयुद्ध की त्रासदी को लोग अब भी नहीं भूले हैं, उसके नतीजे रूह कंपा देने वाले रहे। उसके बाद युद्ध, आंतरिक संघर्ष, जातीय-धार्मिक कट्टरता आदि के चलते मनुष्य के सामने पैदा होने वाले संकटों को टालने के मकसद से कुछ अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का गठन किया गया। शरणार्थियों को लेकर एक अंतरराष्ट्रीय अभिरूप भी तभी बना, जिसके तहत दूसरे देश इस तरह की स्थितियों में पलायन कर आए लोगों को अपने यहां पनाह देंगे। मगर स्थिति यह है कि बहुत सारे देश अब शरणार्थियों का बोझ नहीं उठा पा रहे, इसलिए वे या तो अपने यहां से शरणार्थियों को निकालना चाहते हैं या नए शरणार्थियों को आने से रोकने का प्रयास करते हैं। भारत भी कई बार म्यांमा, पाकिस्तान, बांग्लादेश के शरणार्थियों का बोझ उठा पाने को लेकर अपनी पीड़ा जाहिर कर चुका है। द्वितीय महायुद्ध का सबक तो यह था कि युद्ध या किसी भी तरह का संघर्ष मानवता के लिए खतरा है और उसे किसी भी रूप में रोका जाना चाहिए। मगर इसके लिए बनी संस्थाएं भी इसमें नाकाम रही हैं। दुनिया में हर समय कहीं न कहीं युद्ध चल रहा है, जातीय संघर्ष, गृहयुद्ध की स्थिति बनी हुई है। धार्मिक विद्वेष की वजह से तनाव और पलायन की स्थितियां पैदा होती रहती हैं। इससे स्पष्ट है कि सत्ताएं अपनी राजनीतिक ताकत बढ़ाने के मकसद से भी कुछ संघर्षों को बढ़ावा देती रहती हैं। मगर सत्ताधीशों की सनक और वर्चस्ववादी रवैए के चलते जिन लोगों के घर उड़ जाते हैं, जिनके परिवार के लोग मारे जाते हैं, उन्हें अपना बसा-बसाया संसार छोड़ कर किसी अपरिचित जगह पर भटकने को मजबूर होना पड़ता है।

I WANT TO SAY...

THE PHOTON NEWS

रांची विश्वविद्यालय की सेंट्रल लाइब्रेरी के छज्जे का प्लास्टर टूटकर गिरने से हुई छात्र की मौत ने छात्र समुदाय को हिलाकर रख दिया है। आखिर एक होनहार छात्र के असमय चले जाने के पीछे जिम्मेदार किसे ठहराया जाए। वह छात्र अपना भविष्य संवारने के लिए प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। इसी सिलसिले में नियमित सेंट्रल लाइब्रेरी में आना-जाना था। उसके अचानक चले जाने से उसके माता-पिता के सपने भी टूटकर बिखर गए। आखिर इतने बड़े संस्थान के भवनों की हालत की नियमित जांच क्यों नहीं की जाती। जरूर किसी न किसी की यह जिम्मेदारी रही होगी कि वह मेंटनेंस यानी रखरखाव का काम देखे। दरअसल यह एक प्रवृत्ति है कि जो जैसे चल रहा है, ठीक है। आंखे तब खुलती हैं जब इस तरह की घटना हो जाती है। होनहार युवा मंतोष बेदिया की मौत को लेकर छात्र संगठन आंदोलित हैं। कुलपति ने भी जांच टीम गठित की है। परिजनों को मुआवजे का आश्वासन दिया है। इन सबके साथ यह जरूरी है कि इसपर बारीक नजर रखी जाए कि इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति नहीं हो। छात्रों का कहना है कि अभी भी रांची विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग एवं आर्ट्स ब्लाक के साथ साथ जितने भी भवन हैं उन सभी भवनों की स्थिति जर्जर है। छात्र-छात्राएं शिक्षक एवं नान टीचिंग स्टाफ अपनी जान जोखिम में डालकर वहां पढ़ते-पढ़ाते और अपना काम करते हैं। जल्द से जल्द इस मामले पर संज्ञान लेते हुए ऐसे भवनों की मरम्मत जल्द से जल्द कराए जाने की जरूरत है। उम्मीद है कि इस ओर तत्काल ध्यान भी दिया जाएगा।

अमर महतो, प्रदेश महासचिव नेशनल पीपुल्स पार्टी।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PRIVATE LIMITED, Kathitand, Near Tender Bagicha, P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001.Editor-Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

वेस्टइंडीज दौरे से पहले इशान किशन जाएंगे एनसीए, फिटनेस पर देंगे ध्यान

मुंबई। (एजेंसी)। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज इशान किशन और कुछ अन्य अनुबंधित खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम के कैरेबियाई दौरे से पहले 'स्ट्रेंथ एवं कंडिशनिंग' (पूर्ण फिटनेस) से संबंधित काम के लिए अगले सप्ताह बेंगलुरू स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में जायेंगे। भारतीय टीम वेस्टइंडीज के पूर्ण दौरे पर दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला खेलेगीं। इस दौरे का आगाज 12 जुलाई को टेस्ट श्रृंखला से होगा, जिसके लिए रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम तीन जुलाई को भारत से रवाना हो सकती है।

आम तौर पर जब दो अंतरराष्ट्रीय श्रृंखलाओं के बीच समय होता है तो बोर्ड के केंद्रीय अनुबंधित और राष्ट्रीय टीम में स्थान के दावेदार खिलाड़ियों (जो किसी भी घरेलू टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं हो) को उनकी फिटनेस के आकलन के लिए एनसीए बुलाया जाता है। भारतीय घरेलू सत्र का आगाज 28 जून से दलीप ट्रॉफी के साथ होगा। इसके सभी मुकाबले बेंगलुरु में खेले जायेंगे। दलीप ट्रॉफी का फाइनल 12 से 16 जुलाई तक एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। किशन ने इस टूर्नामेंट से बाहर रहने का फैसला किया है। दलीप ट्रॉफी के शुरुआती मुकाबले में पूर्वी क्षेत्र का सामना मध्य क्षेत्र से अलूर में होगा। किशन के पास इस मैच के जरिये खुद को भारतीय टेस्ट टीम में विकेटकीपर के तौर पर स्थापित करने का मौका था।

श्रीकर भरत अब तक मिले मौके को भुनाने में नाकाम रहे हैं लेकिन दलीप ट्रॉफी में किशन के नहीं खेलने के फैसले से यह सवाल उठ रहा है कि क्या वह देश के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलने को लेकर गंभीर है? इशान से जुड़े एक करीबी सूत्र ने शनिवार को कहा, '' इशान पिछले दिसंबर से नियमित रूप से भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के बाद इंग्लैंड से आने पर एक छोटा ब्रेक लिया था।'' उन्होंने बताया, '' वह अगले सप्ताह के शुरुआती दिनों में एनसीए जायेंगे। वह इस दौरान अपने प्रशिक्षण और वेस्टइंडीज दौरे की तैयारियों पर ध्यान केंद्रित करेंगे।'' वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में अगर उन्हें मैदान पर उतरने का मौका नहीं मिला तो वह सीमित ओवर के मैचों (27 जुलाई को पहला एकदिवसीय) में लगभग दो महीने के बाद प्रतिस्पर्धी मुकाबला खेलेंगे। उन्होंने अपना पिछला मैच 26 मई को इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस के लिए खेला था।

इंटरकांटिनेंटल कप के फाइनल में भिड़ेंगी भारत और लेबनान, 2018 का करिश्मा दोहराएगी टीम

भुवनेश्वर (एजेंसी)। भारतीय फुटबॉल टीम इंटरकांटिनेंटल कप के फाइनल में रविवार को जब लेबनान के खिलाफ मैदान में उतरेगी उसके सामने 2018 की सफलता को दोहराने की चुनौती होगी। यह मुकाबला इस लिए भी रोमांचक होगा क्योंकि भारतीय कोच इगोर स्टिमक और लेबनान के उनके समकक्ष अलेक्जेंडर इलिक स्पेन के क्लब सिडिज सीएफ के लिए 1994 में एक साथ खेल चुके हैं। दोनों एक दूसरे का पूरा सम्मान करते हैं लेकिन स्टिमक चाहेंगे कि फाइनल में उनकी टीम लेबनान के खिलाफ राउंड रोबिन मैच के दौरान की गयी गलतियों को ना दोहराये।

गुरुवार को खेले गये इस मुकाबले में भारतीय टीम के पास गोल करने के दो आसान मौके थे लेकिन टीम इसे भुनाने में नाकाम रही थी। अनिरुद्ध थापा इस मैच के चौथे मिनट में आसान मौके पर चूक गये थे। यही चीज दिग्गज सुनील छेत्री के साथ भी हुई। क्रोएशिया के इस कोच ने मंगोलिया, वानुआतु और लेबनान के खिलाफ अब तक के सभी तीन मैचों में टीम में बड़ा बदलाव किया और उनकी इस तरह की रणनीति खिताबी मुकाबले में भी आश्चर्यचकित कर सकती है। भारत ने 2018 में इस टूर्नामेंट के फाइनल में कीनिया को 2-0 से हराकर खिताब जीता था लेकिन 2019 में इसके अगले सत्र में टीम चौथे और अंतिम स्थान पर रही थी। मंगोलिया के खिलाफ भारतीय टीम ने 2-0 से जीत दर्ज करने के बाद वानुआतु को छेत्री के गोल के दम पर 1-0 ये हराया था।

कोच ने लेबनान के खिलाफ मैच में 10 बदलाव किए, जिसमें गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू और छेत्री को शुरुआती एकादश में जगह नहीं मिली। डिफेंडर संदेश झिंगन ने लेबनान के खिलाफ छेत्री की अनुपस्थिति में कप्तानी का दारोमदार संभाला। फाइनल मैच की पूर्व संध्या पर स्टिमक ने कहा, '' पिछले मैच में हम गोल नहीं कर सके थे लेकिन मुझे नहीं लगता कि हमने कुछ गलत किया है। मुझे नहीं लगता कि हमें चीजों को बदलने की जरूरत है। हमें अधिक गति और ऊर्जा वाले खिलाड़ियों की आवश्यकता है, जो लेबनान द्वारा खेले जाने वाले शारीरिक खेल का जवाब देने के लिए तैयार हैं।''

फ्रांस में 1998 में खेले गये विश्व कप में तीसरे स्थान पर रही क्रोएशियाई टीम के सदस्य रहे स्टिमक ने कहा, '' हमने खिलाड़ियों को एक ही संदेश दिया है कि शांत और एकाग्र रहें। अपनी नजर गेंद पर रखें और सुनिश्चित करें कि मौकों को गोल में बदला जाये।'' उन्होंने कहा कि टीम के लिए एकमात्र चिंता की बात इशान पंडिता का चोटिल होना है। पंडिता को वानुआतु के खिलाफ मैच में जांघ पर चोट लग गयी थी। यह मैच शाम 07:30 बजे से खेला जायेगा।

अहमदाबाद में वर्ल्ड कप खेलने से पाक का इनकार, अफरीदी ने लिया आड़े हाथों

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी वर्ल्ड कप खेलने से पाकिस्तान ने इनकार कर दिया है, इसके बाद पाक के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने पीसीबी को आड़े हाथों लिया है। गौरतलब है कि भारत की मेजबानी में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले आईसीसी वर्ल्डकप को शुरू होने में अब 3 माह से कुछ अधिक वक्त शेष रह गया है, लेकिन टूर्नामेंट का शेड्यूल को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शेड्यूल में देरी की एक बड़ी वजह सामने आई है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अब तक अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत के खिलाफ वर्ल्ड कप का लीग मैच खेलने को रजामंद नहीं है और यही वर्ल्ड कप शेड्यूल के ऐलान में देर की मुख्य वजह मानी जा रही है। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने मामले में पीसीबी को उसके रवैये के लिए आड़े हाथ लिया है। जानकारी के अनुसार, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पहले ही टूर्नामेंट का ड्राफ्ट का शेड्यूल क्रिकेट की शीर्ष संस्था इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के साथ साझा कर चुका है, जिसे फीडबैक के लिए सभी संबंधित क्रिकेट बोर्ड को भेजा जा चुका है। इस ड्राफ्ट शेड्यूल के मुताबिक, टूर्नामेंट की शुरुआत 5 अक्टूबर को होगी और 15 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान के बीच टक्कर होगी। ये मुकाबला अहमदाबाद में प्रस्तावित है, लेकिन पीसीबी अहमदाबाद में भारत के खिलाफ खेलने को राजी नहीं हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आईसीसी के अधिकारियों ने हाल ही में पाकिस्तान का दौरा किया था। पीसीबी की मैनेजमेंट कमेटी के चेयरमैन नजम सेठी ने उन्हें बताया है कि पाकिस्तान नहीं चाहता कि उसका कोई भी मैच अहमदाबाद में रखा जाए जब तक कि यह कोई नॉकआउट मुकाबला न हो। मतलब साफ है, पाकिस्तान टीम अहमदाबाद में अपना लीग मैच खेलने की इच्छुक नहीं है। शाहिद अफरीदी ने इस मामले में पीसीबी को जमकर खरी-खोटी सुनाई है। एक स्थानीय न्यूज चैनल से बात करते हुए अफरीदी ने कहा कि वे अहमदाबाद में खेलने से इनकार क्यों कर रहे हैं? क्या यह आग उगलती है या प्रेत बाधा से ग्रसित है। 'बूम-बूम अफरीदी'ने कहा- जाओ,खेलो और जीतो। यदि कोई पूर्व निर्धारित चुनौतियां हैं तो इससे पार पाने का एकमात्र तरीका जीत है।

बांग्लादेश ने अफगानिस्तान के खिलाफ दर्ज की तीसरी सबसे बड़ी जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को एकमात्र टेस्ट मैच में 546 रन से शिकस्त दी है। इस जीत के साथ ही बांग्लादेश ने टेस्ट क्रिकेट की रिकॉर्ड बुक को भी तितर-बितर कर दिया है। मेजबान टीम ने क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में रनों के लिहाज से तीसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। साथ ही पिछले 90 साल में किसी भी टीम द्वारा दर्ज की गई यह सबसे बड़ी जीत भी है।

बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को एकमात्र टेस्ट में 546 रन से हराया। रनों के लिहाज से टेस्ट क्रिकेट में दर्ज की गई यह तीसरी सबसे बड़ी जीत है। इसके पहले, साल 1928 में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 675 रन से हराया, तब 1934 में कंगारू टीम ने इंग्लैंड को 562 रन से रौंदा था। यानी बांग्लादेश ने पिछले 90 साल में टेस्ट क्रिकेट की सबसे बड़ी जीत का स्वाद चखा है।

बांग्लादेश से जीत के लिए मिले 662 रन के लक्ष्य के जवाब में अफगानिस्तान की टीम दूसरी पारी में महज 115 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। पहली इनिंग की तरह ही दूसरी पारी में भी अफगानिस्तान का कोई भी बल्लेबाज बांग्लादेशी गेंदबाजों का सामना नहीं कर सका। दूसरी इनिंग में टीम की ओर से सर्वाधिक 30 रन रहमत शाह के बल्ले से निकले। गेंदबाजी में तस्कीन अहमद ने चार विकेट अपने नाम किए, जबकि शोरिफुल इस्लाम ने तीन विकेट झटके।

बांग्लादेश के बल्लेबाजों का दोनों ही पारियों में बोलबाला रहा। पहली इनिंग में टीम ने नजमुल हुसैन शान्तो की 146 रन की शानदार पारी के बूते 382 रन बोर्ड पर लगाए। शान्तो के अलावा हसन जॉय ने 76 रन का योगदान दिया। वहीं, मुशफिकुर रहीम ने 47, तब मेहंदी हसन मिराज ने 48 रन बनाए। दूसरी इनिंग में भी शान्तो के बल्ले से शतकीय पारी निकली और उन्होंने 124 रन जड़े। वहीं, मोमिनुल हक ने भी 121 रन जड़े, तो जाकीर हसन ने 71 और लिटन दास ने नाबाद 66 रन बनाए। दूसरी इनिंग में बांग्लादेश ने 4 विकेट खोकर 425 रन बनाने के बाद अपनी पारी घोषित की और अफगानिस्तान के समाने 662 रन का पहाड़ जैसा लक्ष्य रखा।

यूनुस का दावा, वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल जरूर खेलेगा पाकिस्तान

नई दिल्ली । दिग्गज बल्लेबाज यूनुस खान ने दावा किया है कि पाकिस्तान वर्ल्ड कप जरूर खेलेगा। उन्होंने विश्वास जताया है कि भारत में इसी वर्ष होने वाले आईसीसी वर्ल्डकप में पाकिस्तान टीम सेमीफाइनल में पहुंचने के कामयाब रहेगी। वर्ष 2009 में पाकिस्तान को अपनी कप्तानी में टी20 वर्ल्डकप जिताने वाले यूनुस ने कहा कि टीम में मैच विनर्स की भरमार है जो किसी भी दिन आपको मैच में जीत दिला सकते हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यूनुस ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि पाकिस्तान टॉप-4 में जगह बनाने में सफल रहेगी। टीम में कई मैच विनर हैं' इसके बावजूद उन्होंने हर मैच में मजबूत योजना बनाकर उतरने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि हमारे पास हमेशा की तरह बेहतरीन तेज गेंदबाज हैं और ये हमारी बड़ी ताकत है। हमें एकजुट होकर प्रदर्शन करना होगा।' भारत के खिलाफ मैच को लेकर यूनुस ने कहा कि कप्तान बाबर आजम और अन्य प्लेयर्स को तनाव में आए बिना दिमाग को शांत रखना होगा। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ मैच हमेशा तनाव से भरपूर होता है। बाबर को इसमें जीत के लिए प्लान ए और बी तैयार रखना होगा। गौरतलब है कि 50 ओवर्स के आईसीसी वर्ल्डकप में पाकिसतान टीम अब तक भारत को नहीं हरा पाई है। दोनों टीमों के बीच वर्ल्डकप में अब तक 7 मुकाबले हुए हैं और हर बार बाजी टीम इंडिया ने मारी है। यहां तक कि टी20 वर्ल्डकप में भी पाकिस्तान ने भारत को पहली बार 2021 में ही हराया है। जबकि यूनुस खान टेस्ट क्रिकेट में पाकिस्तान की ओर से 10 हजार से अधिक रन बनाने वाले इकलौत बैटर हैं। जावेद मियांदाद, जहीर अब्बास और मोहम्मद यूसुफ (पूर्व नाम यूसुफ योहाना) भी यह उपलब्धि हासिल नहीं कर सके हैं। वर्ल्डकप के टेंटेटिव कार्यक्रम के अनुसार, पाकिस्तान टीम क्वालिफाई करने वाली दो टीमों के खिलाफ अपने मैच 6 और 12 अक्टूबर को हैदराबाद में खेलेगी।

इंडोनेशिया ओपन: सात्विक-चिराग की जोड़ी फाइनल में पहुंची, प्रणय हारे

जकार्ता। (एजेंसी)। सात्विक साईराज रंकी रेड्डी और चिराग शेट्टी की अनुभवी भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने शनिवार को यहां इंडोनेशिया ओपन विश्व टूर सुपर 1000 बैडमिंटन स्पर्धा के सेमीफाइनल में कोरिया के मिन ह्युक कांग और सेउंग जे सेओ की जोड़ी को शिकस्त देकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की लेकिन पुरुष एकल में एचएस प्रणय का अभियान सेमीफाइनल में हार के साथ खत्म हो गया। सातवीं वरीय भारतीय जोड़ी ने सेमीफाइनल में गैर वरीय कोरियाई जोड़ी के खिलाफ पहले गेम में हार के बाद शानदार वापसी की। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने एक घंटे सात मिनट तक चले मुकाबले को 17-21 21-19 21-18 से जीता। इन दोनों जोड़ियों के बीच पांच मैचों में सात्विक और चिराग की जोड़ी की यह तीसरी जीत है।

विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज भारतीय जोड़ी पहली बार सुपर 1000 स्तर के स्पर्धा के फाइनल में पहुंची है। खिताबी मुकाबले में इस जोड़ी के सामने इंडोनेशिया के प्रमुद्या कुसुमवर्धना एवं येरेमिया एरिक योचे याकूब रामबिटान और दूसरी वरीयता प्राप्त मलेशिया के आरोन चिया और वूई यिक सोह की जोड़ी के बीच खेले जाने वाले सेमीफाइनल के विजेता की चुनौती होगी। प्रणय शीर्ष वरीयता प्राप्त विक्टर एक्सेलसेन के खिलाफ अपने खेल का स्तर ऊपर उठाने में नाकाम रहे। डेनमार्क के खिलाड़ी ने इस मैच को 21-15 21-15 से जीत लिया। एक्सेलसेन ने दोनों गेम की शुरुआत में ही प्रणय पर बढ़त बना ली और भारतीय खिलाड़ी उनके स्कोर का पीछा करता रहा।

अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में डेनमार्क के इस खिलाड़ी के खिलाफ प्रणय की यह छठी हार है। इससे पहले पुरुष युगल में मैच की शुरुआत में दोनों जोड़ियों ने बराबरी की टक्कर दी लेकिन कोरियाई जोड़ी ने 6-3 की बढ़त बना ली।

कोरियाई जोड़ी के बढ़त हासिल करने बाद भारतीय जोड़ी बस उसका पीछा ही करती रही। सात्विक और चिराग ने आक्रामक खेल के दम पर बढ़त कम करने की कोशिश लेकिन 20-17 स्कोर होने के बाद कोरियाई जोड़ी ने उनकी गलती का फायदा उठा कर पहला गेम जीत लिया। पहला गेम गंवाने के बाद राष्ट्रमंडल खेलों के चैम्पियन ने दूसरे गेम में जोरदार वापसी करते हुए 6-3 और फिर 11-4 की बढ़त बना ली। कांग और सेओ की जोड़ी ने इसके बाद अच्छी वापसी की और स्कोर को 18-15 कर दिया। भारतीय जोड़ी ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए इस गेम को जीत लिया। तीसरे गेम में दोनों का स्कोर 5-5 था लेकिन इसके बाद भारतीय जोड़ी ने लगातार सात अंक हासिल कर 12-5 की बढ़त हासिल कर ली। कोरियाई जोड़ी ने हार नहीं मानी और शानदार वापसी करते हुए स्कोर 16-16 कर दिया। चिराग और सात्विक ने इसके बाद दबाव में अपना दमखम दिखाया और जीत दर्ज कर ली।

मांसपेशियों की खिंचाव से लगातार उबर रहे नीरज चोपड़ा

पानीपत । देश के गोल्डन ब्वॉय नीरज चोपड़ा अपनी मांसपेशियों की खिंचाव से लगातार उबर रहे हैं। वह बहुत जल्द ठीक हो जाएंगे हैं। इसकी जानकारी एएफआई के कोच राधाकृष्णन नायर ने भुवनेश्वर में इंटर-स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए एक प्रेसवार्ता में दी। उन्होंने कहा कि चोट के कारण यूरोप में बैक-टू-बैक टूर्नामेंट से चूकने वाले नीरज चोपड़ा के इस महीने के अंत तक फिट होने की उम्मीद है। नीरज चोपड़ा ने पिछले सप्ताह अपना प्रशिक्षण शुरू किया और इस महीने के अंत तक स्वास्थ होने वाले हैं। हालांकि नीरज पहले की तरह प्रैक्टिस में दमखम नहीं दिखा पा रहे हैं। लेकिन वह जल्द ही ठीक हो जाएंगे। बता दें कि नीरज ने पावो नूरमी खेलों से अपना नाम वापस ले लिया था। ये प्रतियोगिता 13 जून को फिनलैंड के तुर्कू में हुई थी। मई में दोहा डायमंड लीग जीतकर अपने सीजन की शुरुआत करने वाले नीरज चोपड़ा ने 4 जून में नीदरलैंड में हुई एफबीके गेम्स में भी हिस्सा नहीं लिया था। नीरज ने बताया था कि मांसपेशियों में खिंचाव के कारण गेम्स से नाम वापस लिया है। ये मांसपेशियां अभ्यास के दौरान खींची थी। इसकारण नीरज ने पावो नूरमी गेम्स में भी भाग नहीं लिया था। वहीं 2024 के ओलिंपिक के करीब आने के साथ, इस साल के टूर्नामेंट मौजूदा विश्व नंबर 1 के लिए निश्चित रूप से महत्वपूर्ण हैं। चूंकि वह पावो नूरमी खेलों में भाग नहीं ले रहे हैं, इसलिए उनका अगला बड़ा टूर्नामेंट कुओर्टेन गेम्स है, जिसके बाद लुसाने डायमंड लीग है।

पहलवानों ने अगस्त में ट्राय कराने का खेल मंत्रालय से अनुरोध किया

नई दिल्ली । भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने एशिया ओलंपिक परिषद (ओसीए) से संपर्क कर एशियाई खेलों के लिए देश की कुश्ती टीम का विवरण मुहैया कराने की तारीख 15 जुलाई से बढ़ाने की मांग की क्योंकि पहलवानों ने खेल मंत्रालय से अगस्त में ट्राय कराने का अनुरोध किया है। आईओए को 15 जुलाई तक सभी वर्गों की सूची ओसीए को देनी है। डब्ल्यूएफआई (भारतीय कुश्ती महासंघ) ने सभी राष्ट्रीय महासंघों को 30 जून तक अपने संबंधित चयनित खिलाड़ियों के अंतिम सूची जमा करने को कहा है। बजरंग पूनिया सहित विरोध करने वाले पहलवान अब एशियाई खेलों के ट्रायल में भाग लेने के इच्छुक हैं, लेकिन उन्हें शारीरिक फिटनेस हासिल करने के लिए कुछ समय चाहिए। ये पहलवान डब्ल्यूएफआई के निवर्तमान प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ लंबे समय से चले आ रहे विरोध प्रदर्शन के कारण तैयारी नहीं कर सके है। बताया जाता हैं कि पहलवानों ने उप खेल सचिव एसपीएस तोमर को पत्र लिखा था और मंत्रालय के अधिकारी ने अनुरोध को डब्ल्यूएफआई की तदर्थ निकाय को भेज दिया। आईओए के एक सूत्र ने पुष्टि कर बताया कि तदर्थ समिति ने आईओए से संपर्क किया था, जिसने समय सीमा बढ़ाने के लिए ओसीए को पत्र लिखा है। एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, हां, हमें वह पत्र मिला था जो पहलवानों द्वारा लिखा गया था। इस पर यह निर्णय लिया गया कि अगर वे पहलवानों के लिए समय सीमा बढ़ाने के इच्छुक हैं, तब ओसीए का विचार लिया जा सकता है।'' तदर्थ समिति जून के अंतिम सप्ताह में ट्रायल कराने का इच्छुक है ताकि सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को दी गई 30 जून की समय सीमा से पहले आईओए को नाम दिए जा सकें। एशियाई खेलों का आयोजन 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक चीन के हांगझोऊ में होगा। मौजूदा एशियाई खेलों के चैम्पियन बजरंग ने बहलगर साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) केंद्र में अपना प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। उन्होंने अपने साथी जितेंद्र किन्हा के साथ अभ्यास किया। बजरंग 65 किग्रा भार वर्ग में चुनौती पेश करते है अगर ट्रायल की तारीखों को बढ़ाया गया तब उन्हें इस में सुरजीत कलाकल से चुनौती मिल सकती है। सुरजीत 65 किग्रा वर्ग में अंडर 23 एशियाई चैम्पियन हैं।

रूट का शतक, इंगलैंड 393 पर घोषित, ऑस्ट्रेलिया 14/0

बर्मिंघम (एजेंसी)। इंग्लैंड ने एशेज श्रृंखला के शुरूआती मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 'बाजबॉल रणनीति लागू कर 393 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। इंग्लैंड के लिए जो रूट ने 152 गेंदों में 7 चौके और 4 छक्कों की मदद से 118 रन बनाए। जो रूट के अलावा बेयरस्टो ने 78 तब जक क्राउली ने 61 रनों का योगदान दिया। जवाब में खेलने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने चार ओवर में 14 रन बना लिए हैं। क्रीज पर डेविड वार्नर और उसमान ख्वाजा बने हुए हैं।

इंग्लैड ने एजबस्टन में बल्लेबाजी के लिए आसान पिच पर टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था लेकिन चोट से वापसी कर रहे जोश हेजलवुड ने पारी के चौथे ओवर में सलामी बल्लेबाज बेन डकेट को विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों कैच करवाया। मैच की पहली गेंद पर ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस की गेंद पर चौका जड़ने वाले क्राउली ने 56 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। इंग्लैंड के उपकप्तान पोप को अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन ने पगबाधा किया। कमिंस के खिलाफ क्राउली के चौके से इंग्लैंड ने 21वें ओवर में रनों का शतक पूरा किया।

रूट ने एक छोर संभालते हुए हैरी ब्रूक के साथ स्कोर आगे बढ़ाया। हैरी ब्रूक 32 रन बनाकर दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से आऊट हो गए। बेन स्टोक्स सिर्फ एक ही रन बना पाए। उन्हें जेहलवुड ने शिकार बनाया। इसके बाद बेयरस्टो ने बैजबाल को परिभाषित किया और 78 गेंदों में 78 रन का योगदान दिया। मोईन अली 18 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

खास बातें

मोईन अली टेस्ट संन्यास से वापसी करते हुए करीब दो साल में पहला टेस्ट खेल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया ने मिचेल स्टार्क की जगह हेजलवुड को चुना है। वह कमिंस और बोलैंड के साथ तेज आक्रमण की कमान संभाल रहे है।

आस्ट्रेलिया ने 2001 के बाद से इंग्लैंड में एशेज श्रृंखला नहीं जीती है, लेकिन हाल ही में भारत को हराकर विश्व टेस्ट चैम्पियन बनी है।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

इंग्लैंड : बेन डकेट, जैक क्रॉली, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जॉनी बेयरस्टो (विकेट कीपर), मोइन अली, स्टुअर्ट ब्रॉड, ओली रॉबिन्सन, जेम्स एंडरसन।

ऑस्ट्रेलिया : डेविड वार्नर, उस्मान ख्वाजा, मारनस लेबुस्चगने, स्टीवन स्मिथ, ट्रैविस हेड, कैमरन ग्रीन, एलेक्स केरी (विकेटकीपर), पैट कमिंस (कप्तान), नाथन लियोन, जोश हेजलवुड, स्कॉट बोलैंड।

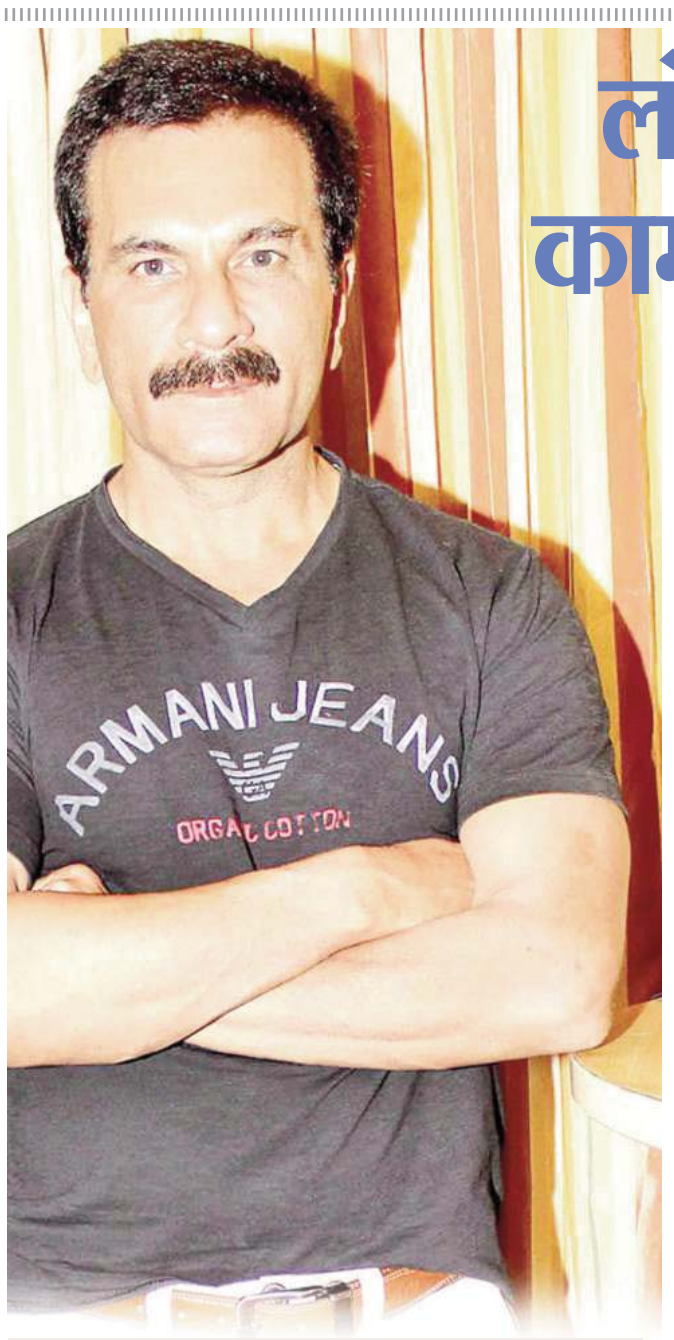

लोग कहते थे टीवी में काम करने के बाद अब फिल्म नहीं मिलेंगी

छोटे पर्दे से लेकर बड़े पर्दे तक एक्टर पवन मल्होत्रा ने खूब नाम कमाया। वह परदेस, जब वी मेट, दिल्ली 6, भाग मिल्खा भाग जैसी बेहतरीन फिल्मों में एक्टिंग कर चुके हैं। फिल्मों के अलावा पवन मल्होत्रा ने नुक्कड़ और सर्कस जैसे टीवी सीरियल किए। इसके अलावा वह कुछ वेब सीरीज का भी हिस्सा रह चुके हैं। साल 2021 में आई वेब सीरीज टब्बर में पवन मल्होत्रा को काफी सराहा गया। बहुत ही कम लोग जानते हों के पवन मल्होत्रा ने अपने करियर की शुरुआत 1982 में आई फिल्म गांधी में कॉस्ट्यूम डिपार्टमेंट में असिस्टेंट के रूप में की थी। अब वह बॉलीवुड के मंझे हुए और पॉपुलर कैरेक्टर एक्टर्स में शुमार किए जाते हैं। अब पवन मल्होत्रा हरियाणा की पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म फौजा को लेकर चर्चा में हैं।

आजकल देशभक्ति से जुड़ी फिल्में और ओटीटी सीरीज लगातार बनाई जा रही हैं। इस ट्रेंड को आप किस तरह से देखते हैं?

अगर आप अभी कह रहे हैं कि ट्रेंड बढ़ा है तो ये बहुत शर्मनाक है। मैं शुरू से कहता रहा हूं कि हमारी फौज, जब से देश आजाद हुआ है, तब से उन्हें आराम नहीं मिला है। उन्होंने 6 तो लड़ाई ही लड़ ली हैं। इसके अलावा, बॉर्डर पर रोज लगातार कुछ ना कुछ होता ही रहता है। हमारी फौज जितनी डिसिप्लेन्ड रही है और बाढ़, भूचाल तक में वो काम करते हैं। इतना ही नहीं बोरवेल में बच्चा गिर जाए, तो भी हमारी फौज ही काम आती है। मुंबई में इमरजेंसी पुल बनाने में भी फौज ही काम आई थी। जब आप उनको वर्दी में देखते हैं, तो देशभक्ति की भावना हम में दिखती है। अगर आज लोगों को इस तरह का कॉन्टेंट पसंद आ रहा है, तो ये पॉजिटिव बात है।

फौजा जैसी कहानियां या फौज के बैकग्राउंड से जुड़ी जो स्टोरी लाई जा रही हैं, तो आपको क्या लगता है कि लोगों को कोई संदेश मिल रहा है और फिल्म मेकर्स या फिल्में अपने मकसद में कामयाब हो पा रही है?

स्कूल में बच्चों को वंदे मातरम, राष्ट्रगान कराते हैं। झंडे को देखकर आपको मान-सम्मान करना है, ये सिखाया जाता है। चोरी नहीं करनी है, लड़ाई-झगड़ा नहीं करना, ये सब सिखाया जाता है, लेकिन क्या हर कोई ऐसा करता है? चोरी तो फिर भी होती है। क्योंकि आप किसी को अच्छी चीज सिखा रहे हैं, इसका मतलब ये नहीं है कि एक रात में पूरी सोसायटी बदल जाएगी। दुनिया में अच्छे लोग ज्यादा हैं, इसलिए दुनिया चल रही है। आप ये देखें कि अगर आप अच्छी चीजें नहीं सिखाते तो आज देश में सिर्फ क्राइम ही होता। जब आपको अच्छी चीजें सिखाई जाती हैं, तो कहीं ना कहीं आपकी अंतर आत्मा आपको गलत चीजें करने से रोकती है। किसी फिल्म से रातों रात चीजें नहीं बदल जातीं।

आपको सिनेमा की दुनिया में बहुत समय हो गया है। आज और तब में सिनेमा में आप क्या चुनौतियां देखते हैं?

आज लोगों के पास मौके ज्यादा हैं, हमारे समय में टीवी चैनल भी नहीं थे। फिर टीवी आया तो एक खिड़की खुली, तो आमदनी के रास्ते खुले। लेकिन तब मुझे किसी ने कहा कि अब आपने टीवी में काम कर लिया है, इसलिए फिल्मों में आपको लोग लेंगे नहीं। जबकि उस जमाने में शाहरुख खान ने कई टीवी शोज किए थे, लेकिन लोगों को फौजी और सर्कस ही याद है। इरफान खान टीवी कर रहे थे, फिर वो कितने बड़े स्टार बने। विद्या बालन तो टीवी से ही आई थीं। पंकज त्रिपाठी ने सावधान इंडिया के कितने एपिसोड किए, आज उनके पास डेट्स नहीं होतीं। अब ओटीटी आ गया है तो एक और खिड़की खुली है। अब इसका मतलब ये नहीं है कि सिनेमा बनना बंद हो जाएगा। भारत में तो अभी ये पैर जमा रहा है, यूरोप में तो अभी तक सिनेमा बंद नहीं हुए हैं, जबकि वहां ओटीटी अच्छा चल रहा है। जब वहां सिनेमा बंद नहीं हुए तो अभी यहां तो बहुत वक्त लगेगा।

आपने कई फिल्मों में काम किया है। फौजा फिल्म मिलने के पीछे की क्या कहानी है?

मैं फिल्म के डायरेक्टर को नहीं जानता था। प्रमोद जी जो थिएटर करते हैं वो हमारे पास आए, उन्होंने मेरा काम देखा। उन्होंने अपने जानकार के जरिए मुझसे संपर्क किया था। मैंने कहानी सुनने के बाद कहा कि मैं ये फिल्म करूंगा। मैंने तो यहां तक कह दिया था कि टेक्नीशियन हम लेकर देते हैं, लेकिन बाद मैं उन्होंने ही उसका अरेंजमेंट कर लिया था। बाद में मुंबई में पोस्ट किया गया और वहां भी लोगों ने मदद की। उन्होंने पूरी टेक्नीशियंस की टीम हरियाणा से ही ली है। साउंड काफी अच्छा था। संगीत काफी अच्छा रहा। मुझे इस फिल्म से इसलिए जुड़ना था क्योंकि ये फिल्म जो संदेश दे रही है, हम उसमें विश्वास करते हैं। फिल्म के दौरान ही मुझे पता चला कि हमारी फौज में हर छठा फौजी हरियाणा से है।

कियारा ने बॉलीवुड में पूरे किए 9 साल

कियारा आडवाणी ने 2014 में फिल्म 'फगली' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसी के साथ एक्ट्रेस ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपने 9 साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर एक्ट्रेस ने अपने फैंस के लिए स्पेशल नोट शेयर करते हुए, उन्हें शुक्रिया कहा है। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस का यह पोस्ट बेहद सुर्खियों में है। कियारा ने हाथ से लिखा एक नोट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने लिखा- 'मेरे सबसे प्रिय वेल विशर्स, मुझे सपोर्ट करने और इन 9 सालों के दौरान मुझे इतना प्यार देने के लिए तहे दिल से शुक्रिया। यह जर्नी आप सभी के बिना ऐसी नहीं होगी। मैं आप सभी की आभारी हूं कि मुझे आपके परिवार और जिंदगी का हिस्सा बनने का मौका मिला। मेरे सभी उतार-चढ़ाव में साथ देने और मुझे एक्ट्रेस बनाने के लिए शुक्रिया। जो भी मैं आज हूं, आप सभी के साथ की वजह से हूं।'

कियारा ने आगे लिखा- '9 साल और ऐसा लगता है कि यह अभी शुरू हुआ है। जब मैं इंडस्ट्री में आई थी, तो मेरी आंखों में बहुत से सपने थे। मैं एक साथ आगे की जर्नी पर चलने के लिए तैयार हूं। अपने काम के जरिए आपको एंटरटेन करने और आपको सभी खुशियां देने के लिए। आप सभी के प्यार और साथ के साथ मिलकर सीखने और बढ़ते रहने के लिए हमेशा।'

ऋचा चड्ढा ने फुकरे को बताया खास

अभिनेत्री ऋचा चड्ढा, जो अपनी कॉमेडी फिल्म फुकरे के दस साल पूरे होने का जश्न मना रही हैं, ने साझा किया है कि फिल्म उनके दिल में एक विशेष स्थान रखती है। उन्होंने कहा कि फिल्म ने उन्हें सबसे पसंदीदा पात्रों में से एक दिया और उन्हें अपने जीवन साथी अली फजल से भी मिलवाया। 2013 में दोस्ती के रूप में जो सफर शुरू हुआ वह प्रेम कहानी में बदल गया और पिछले साल एक भव्य समारोह में दोनों शादी के बंधन में बंध गए। कॉमेडी फ्लिक फुकरे की सालगिरह के बारे में ऋचा चड्ढा ने कहा- यह अविश्वसनीय है कि फुकरे को रिलीज हुए 10 साल हो चुके हैं। यह फिल्म मेरे लिए कई मायनों में गेम-चेंजर रही है। उन्होंने आगे कहा- इसने न केवल मुझे भोली पंजाबन जैसे कैरेक्टर को चित्रित करने का अवसर दिया, जो मेरे करियर में एक प्रतिष्ठित भूमिका बन गई है, बल्कि इसने मुझे मेरे जीवन के प्यार, अली से भी परिचित कराया। फुकरे हमेशा मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखेगी। फ्रेंचाइजी का तीसरा भाग 1 दिसंबर, 2023 को सिनेमाघरों में आएगा।

फिल्म द वैक्सीन वॉर से जुड़ीं राइमा सेन

द कश्मीर फाइल्स की जबर्दस्त सफलता के बाद निर्देशक विवेक अग्निहोत्री की द वैक्सीन वॉर जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। फिल्म के एलान के समय से ही फैंस को इसका बेसब्री से इंतजार है। हाल ही में इसके अंतिम शूड्यूल की शूटिंग शुरू हुई है। इस बीच विवेक ने फिल्म से जुड़ा एक बड़ा अपडेट दिया है। निर्देशक ने सोशल मीडिया पर बताया है कि फिल्म की कास्ट में अब राइमा सेन का नाम भी जुड़ चुका है। हाल ही में उन्होंने अपने ट्विटर अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वह राइमा का परिचय देते हुए यह बताते नजर आ रहे हैं कि अभिनेत्री भी अब फिल्म का हिस्सा बन चुकी हैं। बता दें कि फिल्म में नाना पाटेकर और अनुपम खेर जैसे मंझे हुए कलाकार भी नजर आने वाले हैं। फिल्म की कहानी कोरोना वैक्सीन के इर्द-गिर्द बुनी गई है। यह फिल्म कोविड-19 महामारी के अनिश्चित समय के दौरान चिकित्सा बिरादरी और वैज्ञानिकों के समर्पण को श्रद्धांजलि के रूप में समर्पित है। फिल्म को इस दशहरे पर हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला, पंजाबी, भोजपुरी, कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम, गुजराती और मराठी में रिलीज करने की तैयारी है।

द ट्रायल में दर्शक मेरे किरदार से नफरत करेंगे

फिल्मों में अपने दमदार प्रदर्शन से दुनिया को प्रभावित करने के बाद काजोल द ट्रायल- प्यार, कानून, धोखा के साथ वेब स्पेस में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। काजोल सुपर्ण वर्मा की सीरीज द गुड वाइफ के हिंदी रूपांतरण में एक वकील की भूमिका निभाएंगी। द ट्रायल के ट्रेलर लॉन्च पर काजोल ने खुलासा किया कि उन्होंने मूल सीरीज देखी है और वह उन्हें पसंद आई। काजोल ने कहा कि उनके पास इस बारे में कुछ सवाल थे कि इस सीरीज को हिंदी में कैसे रूपांतरित किया जाएगा। काजोल ने इस सीरीज में अपनी भूमिका के बारे में भी बात की। काजोल ने मूल सीरीज के बारे में बात करते हुए कहा कि द गुड वाइफ में किरदार अद्भुत थे। कंटेंट शानदार था, लेकिन मेरे मन में एक सवाल था कि इसे हिंदी में कैसे रूपांतरित किया जाएगा, तभी सुपर्ण वर्मा आए, उन्होंने बताया कि वास्तव में यह स्क्रिप्ट के बारे में है। पटकथा कभी भी एक चरित्र के बारे में नहीं होती। इस सीरीज के कंटेंट को बहुत अच्छी तरह से लिखा गया है। मुझे स्क्रिप्ट पसंद आई। ट्रेलर में काजोल के किरदार नयोनिका सेन गुप्ता को सही और गलत के बीच बंटा हुआ देखा गया है, क्योंकि उन्हें अपने पति का प्रतिनिधित्व करने के लिए काम पर रखा गया है, जो एक सेक्स और भ्रष्टाचार घोटाले में फंस गए हैं। अभिनेत्री से पूछा गया था कि उन्होंने किरदार में खुद को कैसे ढाला और कैसे फिट बैठीं, क्योंकि उस किरदार में बहुत सारी परतें हैं। इस पर जवाब देते हुए काजोल ने कहा 'यह निश्चित रूप से एक विकसित चरित्र है, एक बहुत ही जटिल चरित्र है। साथ ही हर महिला इससे खुद को जोड़ पाएंगी। आप परिदृश्य से नहीं गुजरे होंगे, लेकिन आप ये चीजें कल्पना कर सकते हैं। आप सोचेंगे कि अगर ऐसा कभी हुआ तो आप क्या करेंगे? दूसरी बात यह कि मैं एक कलाकार हूं, मैं इसे अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमताओं के अनुसार करूंगी। किरदार के बारे में बात करते हुए काजोल ने कहा कि सीरीज में यह चरित्र बेहतर है। कुछ हिस्से ऐसे हैं, जहां आप इस सीरीज में खो जाएंगे और मुझे भी वह हिस्सा पसंद है, जिससे महिलाएं भी खुद को जोड़ेंगी। काजोल ने कहा कि सीरीज में दर्शकों को नयोनिका सेन गुप्ता का किरदार खूब पसंद आएगा, लेकिन कहीं-कहीं आप उनके जरिए लिए गए फैसलों को कारण उससे नफरत भी करेंगे। आप सोचेंगे कि कभी कह कुछ और रही है और कर कुछ और रही है। काजोल अपने ओटीटी डेब्यू के लिए बेहद उत्साहित हैं। हाल ही में द ट्रायल का टीजर लॉन्च हुआ था, जिसमें काजोल का दमदार अवतार नजर आया। फैंस को इस सीरीज का बेसब्री से इंतजार है। यह कोर्टरूम ड्रामा सीरीज 14 जुलाई को ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी, जिसमें आठ एपिसोड होंगे।

कंधार की ओटीटी रिलीज डेट पर बोले अली फजल

एक्टर जेरार्ड बटलर और अली फजल स्टारर अपकमिंग एक्शन-थ्रिलर फिल्म कंधार की ओटीटी रिलीज डेट सामने आ गई है। जिन लोगों ने इसे थिएटर में मिस कर दिया था वो अब आसानी से घर बैठकर इसे एन्जॉय कर सकते हैं। मालूम हो, ये फिल्म थिएटर में 26 मई 2023 को ही रिलीज हुई थी जो कि एक सीआईए अंडरकवर मिशन पर आधारित है। इस फिल्म में अली फजल ने खूब लोगों का दिल जीता था। कंधार 16 जून को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज होने के लिए तैयार है। यह फिल्म रिक रोमन वॉ द्वारा निर्देशित है। अली फजल और जेरार्ड बटलर ह्यके अलावा नावीद नेगहबान, बहादोर फोलादी, नीना टूसेंट-व्हाइट, वासिलिस कौकलानी, मार्क अर्नोल्ड, कोरी जॉनसन और अब्दुल्ला अल्नाजी जैसे सितारे भी हैं।

अली फजल ने साझा किया, भारत में प्राइम वीडियो पर कंधार की रिलीज मेरे लिए एक तरह की घर वापसी है। जेरार्ड बटलर और पूरी टीम के साथ एक अलग लैंडस्केप में कंधार की शूटिंग करना मेरे लिए एक एक्टर के रूप में वास्तव में बेहतरीन अनुभव था। पावर-पैक एक्शन के साथ, मैं इस फिल्म के लिए दर्शकों की प्रतिक्रिया का इंतजार नहीं कर सकता।

अक्षय कुमार की फिल्म द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू 5 अक्टूबर को रिलीज होगी

अक्षय कुमार स्टारर द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू की रिलीज डेट फाइनल हो गई है। निर्माताओं द्वारा नवीनतम अपडेट के अनुसार, फिल्म, जिसे पहले कैप्सूल गिल नाम दिया गया था, इस साल 5 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है। फिल्म का निर्माण वाशु भगनानी, दीपशिखा देशमुख, जैकी भगनानी और अजय कपूर ने किया है जबकि इसका निर्देशन टीनू सुरेश देसाई ने किया है। द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू पूर्व अतिरिक्त मुख्य खनन अधिकारी स्वर्गीय जसवंत सिंह गिल की वास्तविक घटना पर आधारित है, जिन्होंने 1989 में पश्चिम बंगाल के रानीगंज में बाढ़ वाली कोयला खदान में फंसे 65 लोगों की जान बचाई थी। निर्माताओं ने इसे यॉर्कशायर में पिछले साल शूट किया है। फिल्म में अक्षय गिल का किरदार निभाते नजर आएंगे, जबकि इसमें परिणीति चोपड़ा भी अहम भूमिका में हैं। 5 अक्टूबर को रिलीज की तारीख के रूप में चुनकर, निर्माताओं ने यह सुनिश्चित किया है कि द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू को कम से कम अब तक एक एकल रिलीज मिलेगी, क्योंकि उस दिन कोई अन्य बॉलीवुड फिल्म रिलीज होने की उम्मीद नहीं है। वरुण धवन और जान्हवी कपूर स्टारर बवाल एक दिन बाद 6 अक्टूबर को रिलीज होगी लेकिन वह फिल्म सीधे ओटीटी पर आएगी। टीनू सुरेश देसाई की आखिरी फिल्म रुस्तम (2016) में भी अक्षय कुमार ने मुख्य भूमिका निभाई थी।